CEC | UGC

वार्षिक रिपोर्ट 2024-25

सीईसी

शैक्षिक संचार संकाय

रिपोर्ट संकलन:

डॉ. शतरुद्ध, रिसर्च साइंटिस्ट, सीईसी
सुश्री सान्या भारद्वाज, कंटेंट राइटर, सीईसी
श्री प्रेम चंद्र, ग्राफिक डिजाइनर, सीईसी
श्री आशीष शर्मा, डाटा एंट्री ऑपरेटर, सीईसी

हिन्दी संस्करण:

श्री रवीन्द्र कुमार, हिन्दी अधिकारी, सीईसी

द्वारा प्रकाशित:
शैक्षिक संचार संकाय (सीईसी),
आईयूएसी परिसर, अरुणा आसफ अली मार्ग,
नई दिल्ली- 110067

शैक्षिक संचार संकाय

अभिस्वीकृति

शैक्षिक संचार संकाय (सीईसी) का अनुसंधान अनुभाग, सीईसी की वार्षिक रिपोर्ट- वित्त वर्ष 2024-25, के संकलन में अमूल्य मार्गदर्शन के लिए प्रो. जगत भूषण नड्डा, निदेशक, सीईसी का आभार व्यक्त करता है।

डॉ. सुनील मेहड़ू, संयुक्त निदेशक (सॉफ्टवेयर) श्री मुकेश प्रसाद, लेखा अधिकारी, श्री रक्षक जैन, प्रभारी- मूक्स एवं डीटीएच और रिपोर्ट संकलित करने के लिए आवश्यक जानकारी और आंकड़ें उपलब्ध कराने के लिए अन्य अधिकारियों एवं कर्मचारियों को भी धन्यवाद देता हूं। श्री सँजय श्रीवास्तवा, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी तथा श्री राजीव सब्बरवाल, प्रशासनिक अधिकारी को भी उनके सहयोग और अंतर्दृष्टि के लिए धन्यवाद देता हूं।

डिजिटल शिक्षा प्रोत्साहन में सहयोग, समर्थन और प्रतिबद्धता के लिए सभी शैक्षिक मीडिया केंद्र निदेशकों और अधिकारियों एवं कर्मचारियों का आभार व्यक्त करता हूं।

इसके अतिरिक्त, मैं इस वार्षिक रिपोर्ट के सफलतापूर्वक संकलन, तैयार करने में सीईसी के सभी कर्मचारियों के प्रयासों के लिए उनका भी आभार व्यक्त करता हूं।

डॉ. शतरूद्ध
रिसर्च साइंटिस्ट

प्रो. वसुधा कामत
अध्यक्षा, शासी निकाय

प्रिय पाठकों,

सीईसी के शासी निकाय की अध्यक्षा के रूप में, मुझे शैक्षिक संचार संकाय (सीईसी) की प्रगति आप तक साझा करते हुए खुशी हो रही है।

वर्षों से डिजिटल शिक्षा के क्षेत्र में प्रोत्साहन की ओर अग्रसर रहने की सीईसी की प्रतिबद्धता बनी हुई है। डिजिटल युग में गुणवत्तापूर्ण कंटेंट के साथ सीईसी ने शिक्षार्थियों और शिक्षकों की बदलती जरूरतों को पूरा करने के लिए नवाचार, अनुकूलन और विकास को अनवरत जारी रखा है। सीईसी ने सहयोगात्मक प्रयासों के माध्यम से, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की पहुंच बढ़ाने, डिजिटल साक्षरता वृद्धि के क्षेत्र विस्तार और शिक्षण और सीखने में नवाचार को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण प्रगति की है। हमारी पहल ने लाखों शिक्षार्थियों तक पहुंचने के साथ ही उन्हें आज के बदलते परिवेश में सफल होने और आगे बढ़ने के लिए आवश्यक कौशल के माध्यम से सशक्त बनाया है।

इसके अलावा, शिक्षा मंत्रालय की प्रतिष्ठित डिजिटल पहल- स्वयं और स्वयं प्रभा की सफलतम यात्रा में सीईसी का एक प्रमुख हिस्सेदार होना गर्व का विषय है, जो समावेशी और सुलभ शिक्षा के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

मैं सीईसी के भविष्यगत प्रयासों के लिए तत्पर हूं। आइए हम शिक्षा में परिवर्तन लाने, सभी के लिए उज्ज्वल, अधिक समावेशी भविष्य बनाने के लिए प्रौद्योगिकी की शक्ति के प्रयोग से मिलकर कार्य करना जारी रखें।

पिछले वर्ष के मद्देनजर, मैं सीईसी के निदेशक प्रो. जे. बी. नड्डा और संस्थान को उनकी उपलब्धियों के लिए बधाई प्रेषित करती हूं।

जय हिन्द!

प्रो. जगत भूषण नड्डा
निदेशक, सीईसी

प्रिय पाठकों,

वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए शैक्षिक संचार संकाय (सीईसी) की वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत करने के अवसर पर संस्थान की उपलब्धियों और प्रगति को साझा करते हुए मुझे खुशी हो रही है। सीईसी में हम उच्च शिक्षा के विभिन्न विषय पाठ्यक्रमों में उपलब्ध सबसे बड़े डिजिटल संग्रहण के रूप में शिक्षकों और शिक्षार्थियों की समान रूप से सेवा करने के लिए प्रतिबद्ध और समर्पित हैं। सीईसी- शासी निकाय की अध्यक्षा प्रो. वसुधा कामत के सम्मानित नेतृत्व और मार्गदर्शन में, हमने डिजिटल शिक्षा को अधिक समावेशी और सुलभ बनाने की दिशा में आगे बढ़ाया है। उनके मार्गदर्शन ने हमें भारतभर के शिक्षार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शैक्षिक सामग्री प्रदत्तीकरण के लिए प्रौद्योगिकी के उपयोग से सक्षम बनाया है, जिससे दूरस्थ और वंचित क्षेत्रों के शिक्षार्थी तक भी गम्यता सुनिश्चित हुई है।

शिक्षा मंत्रालय की स्वयं पहल में राष्ट्रीय समन्वयक के रूप में, सीईसी ने स्नातक और स्नातकोत्तर मूक्स पाठ्यक्रमों को सफलतापूर्वक प्रस्तुत, नवीनीकरण रूप दिया है, साथ ही स्वयं प्रभा प्लेटफॉर्म पर 11 डीटीएच चैनलों का संचालन कर रहे हैं, जिसमें प्रमुख शिक्षाविदों द्वारा लाइव व्याख्यान प्रस्तुत किए जाते हैं। हमारे शैक्षिक मल्टीमीडिया केंद्रों ने छात्रों के लिए सीखने के अनुभव को समृद्ध करते हुए, विभिन्न विषयों में नवीन, उच्च-गुणवत्तापूर्ण सामग्री निर्मित करना अनवरत जारी रखा है। उनके शैक्षणिक और व्यावसायिक विकास को और अधिक समर्थित करने के लिए, हमने शिक्षा और उद्योग दोनों क्षेत्रों के विषय विशेषज्ञों के लाइव करियर परामर्श-सत्र भी प्रारंभ किए हैं। ये सत्र, हमारे शैक्षिक व्याख्यानों के साथ, हमारे यू-ट्यूब चैनल, सीईसी गुरुकुल पर आसानी से उपलब्ध हैं, जो हमारी गम्यता और प्रसार को बढ़ाते हैं।

सीईसी में हम डिजिटल शैक्षिक संसाधनों तक समावेशी और न्यायसंगत गम्यता से, राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी-2020) के दृष्टिकोण को साकार रूप देने के लिए प्रतिबद्धता से कार्यरत हैं, जिससे सभी सामाजिक-आर्थिक, भौगोलिक और भाषाई पृष्ठभूमि वाले शिक्षार्थियों का सशक्तिकरण किया जा सकेगा।

जय हिन्द!

2024-25

वार्षिक रिपोर्ट

विषय सूची

सीईसी: परिचय 01

सीईसी की स्थापना और इतिहास 02

ध्येय 02

परिकल्पना एवं उद्देश्य 03

मानव संसाधन 04

सीईसी का प्रक्षेत्र (डोमेन) 13

- निर्माण 14
- प्रसार 17
- आईसीटी अनुकूल वातावरण का निर्माण 23

वित्त 26

संबद्ध ईएमआरसी 27

- ईएमआरसी अहमदाबाद 29
- एजेके एमसीआरसी, नई दिल्ली 35
- ईएमआरसी कालीकट 39
- ईएमआरसी चैन्नई 45

- ईएमआरसी डिब्रूगढ़ 57
- ईएमआरसी ईएफएल्यू हैदराबाद 60
- ईएमआरसी इंफाल 68
- ईएमआरसी इंदौर 74
- ईएमआरसी जोधपुर 77
- ईएमआरसी कोलकाता 80
- ईएमआरसी लखनऊ 90
- ईएमआरसी मदुरै 93
- ईएमआरसी मैसूर 96
- ईएमआरसी उस्मानिया, हैदराबाद 107
- ईएमआरसी पटियाला 110
- ईएमआरसी पांडिचेरी 121
- ईएमआरसी पुणे 127
- ईएमआरसी रुड़की 132
- ईएमआरसी सागर 134
- ईएमआरसी श्रीनगर 141

परिचय

शैक्षिक संचार संकाय (सीईसी) विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) द्वारा स्थापित एक अंतर-विश्वविद्यालय केंद्र (आईयूसी) है। सीईसी की स्थापना वर्ष 1993 में सूचना और संचार प्रौद्योगिकी (आईसीटी) के उचित उपयोग, इलैक्ट्रॉनिक और नवीन मीडिया के उपयोग के माध्यम से भारतीय उच्च शिक्षा की आवश्यकताओं की पूर्ति करने के लिए की गई थी। सीईसी एक राष्ट्रीय नोडल एजेंसी है, जो प्रसारण और गैर-प्रसारण माध्यम से उच्च शिक्षा के लिए मल्टीमीडिया कंटेंट और शैक्षिक वीडियो निर्मित और प्रसारित करने हेतु कार्यरत है।

CEC

हमारे संबद्ध सहयोगियों के रूप में 20 शैक्षिक मल्टीमीडिया अनुसंधान केंद्र (ईएमआरसी), जिन्हें मीडिया केंद्र के रूप में भी जाना जाता है। ये डिजिटल शैक्षिक कंटेंट निर्माता देशभर में विभिन्न विश्वविद्यालयों/ संस्थानों में स्थित हैं, जैसा कि निम्न में दर्शाया गया है:

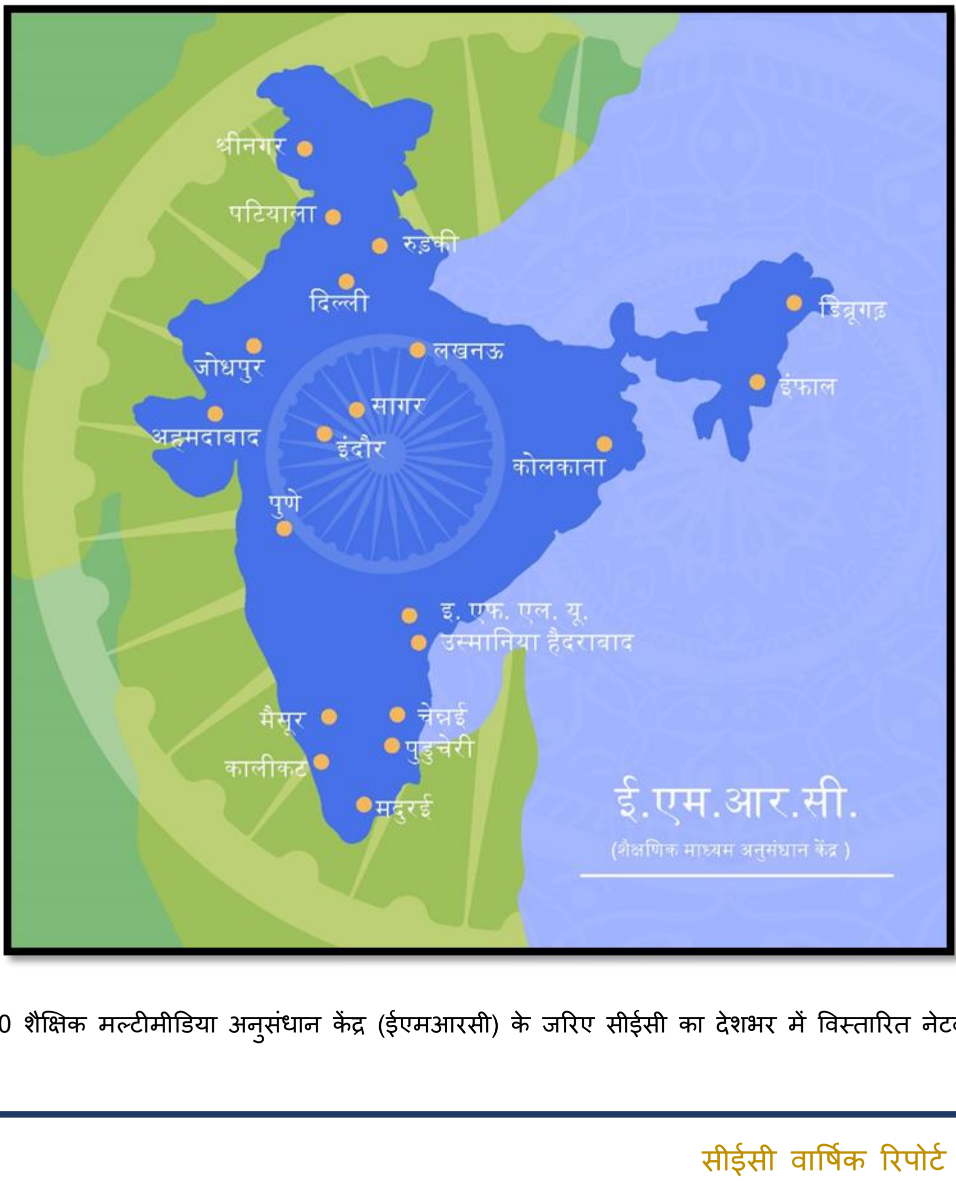

20 शैक्षिक मल्टीमीडिया अनुसंधान केंद्र (ईएमआरसी) के जरिए सीईसी का देशभर में विस्तारित नेटवर्क

सीईसी की स्थापना और इतिहास

वर्ष 1983 में, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने कंट्रीवाइड क्लासरूम (सीडब्ल्यूसीआर) कार्यकलाप समन्वय के लिए यूजीसी इनसैट टीवी परियोजना की स्थापना की। शैक्षिक ज्ञान प्रसार के एक शक्तिशाली साधन के रूप में टेलीविजन की क्षमता को पहचान करते हुए, यूजीसी ने उच्च शिक्षा की गम्यता बढ़ाने के लिए उपग्रह संचार के उपयोग से वर्ष 1984 में कंट्रीवाइड क्लासरूम कार्यक्रम प्रारंभ किया। सीडब्ल्यूसीआर कार्यक्रम का प्रथम प्रसारण 15 अगस्त, वर्ष 1984 को दूरदर्शन नैशनल नेटवर्क (डीडी-1) पर प्रारंभ किया गया।

प्रारंभ में, सीडब्ल्यूसीआर कार्यक्रम निर्माण के लिए 6 विश्वविद्यालयों में शैक्षिक मीडिया अनुसंधान केंद्र (ईएमआरसी) स्थापित किए गए। तत्पश्चात, राष्ट्रीय स्तर पर शैक्षिक निर्माण और प्रसार कार्यकलापों में इन मीडिया केंद्रों के समन्वय, मार्गदर्शन और सुविधा के लिए एक राष्ट्रीय नोडल एजेंसी के रूप में यूजीसी अधिनियम 12 (सीसीसी) के तहत वर्ष 1993 में शैक्षिक संचार संकाय (सीईसी) की स्थापना की गई थी। वर्तमान में सीईसी से संबद्ध 20 शैक्षिक मल्टीमीडिया अनुसंधान केंद्र इस लक्ष्य प्राप्ति की दिशा में अग्रसर हैं।

ध्येय

सीईसी का उद्देश्य उच्च शिक्षा कंटेंट के डिजिटलीकरण की दिशा में मार्ग प्रशस्त करना है, जिससे उच्च शिक्षा में समता, गम्यता और गुणवत्ता संबंधी समस्याओं को प्रसारण और गैर-प्रसारण मीडिया के माध्यम से अधिक प्रभावी ढंग से हल किया जा सके।

वैश्विक तकनीकी प्रगति और चुनौतियों से अवगत रहने के लिए, भारत में उच्च शिक्षा में सुधार करना समय की मांग है। सीईसी का ध्येय, डिजिटल उच्च शैक्षिक कंटेंट के प्रसार के क्षेत्र को आईसीटी के उपयोग से सशक्त बनाने, स्थानिक लौकिक परिवेश में देश की आबादी के एक बड़े हिस्से तक उच्च शिक्षा की पहुंच को बढ़ाना है।

परिकल्पना एवं उद्देश्य

सीईसी में, हम उच्च शिक्षा में अद्भुत परिवर्तन लाने के लिए समर्पित हैं। सीईसी का उद्देश्य दक्षता, निष्पक्षता और एकरूपता के साथ बेहतर गुणवत्तापूर्ण डिजिटल कंटेंट प्रदत्त करना है। डीटीएच-टीवी, उपग्रह संचार और नवीन मीडिया जैसे आईसीटी उपकरणों के इष्टतम उपयोग के से, सीईसी दूरस्थ शिक्षार्थियों को उनकी सुविधानुसार शिक्षार्जन का अनुभव प्रदान करता है।

सीईसी का उद्देश्य डिजिटल शैक्षिक कंटेंट निर्मित कर इसे टीवी, रेडियो, वेब पोर्टल, सीईसी गुरुकुल लाइव व्याख्यान, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एवं ऑफलाइन मीडिया जैसे विभिन्न माध्यमों द्वारा प्रसार करके उच्च शिक्षा की आवश्यकताओं की पूर्ति करना है।

सीईसी के कुछ मुख्य उद्देश्य निम्न हैं:

- विभिन्न विश्वविद्यालयों/संस्थानों में यूजीसी द्वारा स्थापित मीडिया केंद्रों के कार्यकलापों का समन्वय, सुविधा सेवा, समग्र मार्गदर्शन और निर्देशन।
- शैक्षिक कार्यक्रमों (विशेषकर दृश्य-श्रव्य) और संबंधित पूरक सामग्री निर्माण और समुचित सुविधाओं की स्थापना।
- प्रसारण और गैर-प्रसारण दोनों माध्यमों से शैक्षिक कार्यक्रमों का प्रसार।
- शैक्षिक कार्यक्रमों की प्रभावशीलता को इष्टतम बनाने के लिए अनुसंधान कार्य।
- शैक्षिक कार्यक्रम निर्माण में शिक्षाविदों और विद्वानों की सक्रिय भागीदारी के लिए एक मंच प्रदान करना।
- नई तकनीकों/प्रौद्योगिकी का अध्ययन, प्रचार और प्रयोग करना, जिससे इलैक्ट्रॉनिक मीडिया और आईसीटी उपकरणों का उपयोग करके उच्च शिक्षा को बढ़ावा देना, जिससे शैक्षिक संचार और विभिन्न गतिविधियों की गम्यता तथा प्रभावशीलता में वृद्धि हो।
- शिक्षा में आईसीटी के उपयोग पर विभिन्न प्रशिक्षण, कार्यशाला, संगोष्ठियां और सम्मेलन आयोजित करके डिजिटल शिक्षण वातावरण का निर्माण। सीईसी निर्माण और संबंधित विभिन्न प्रकार के मीडिया अनुसंधान भी करता है।

इन उद्देश्यों का अनुसरण करते हुए, सीईसी मीडिया केंद्रों के विकास संबंधी समन्वयन और सॉफ्टवेयर गुणवत्ता का सुनिश्चितिकरण, कार्यक्रम प्रसारण का समन्वयन एवं नवाचारों को अभिप्रेरित और प्रोत्साहित करता है।

मानव संसाधन

शैक्षिक संचार संकाय (सीईसी) के मुख्य उद्देश्य की प्राप्ति लिए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) द्वारा विभिन्न विश्वविद्यालयों में स्थापित मीडिया केंद्रों की गतिविधियों जैसे समन्वयन, सुविधा, समग्र मार्गदर्शन और निर्देशन हेतु सीईसी के कई कर्मचारी दक्षतापूर्ण निर्वहन कर रहे हैं। सीईसी कर्मचारियों का विवरण निम्न प्रस्तुत है:-

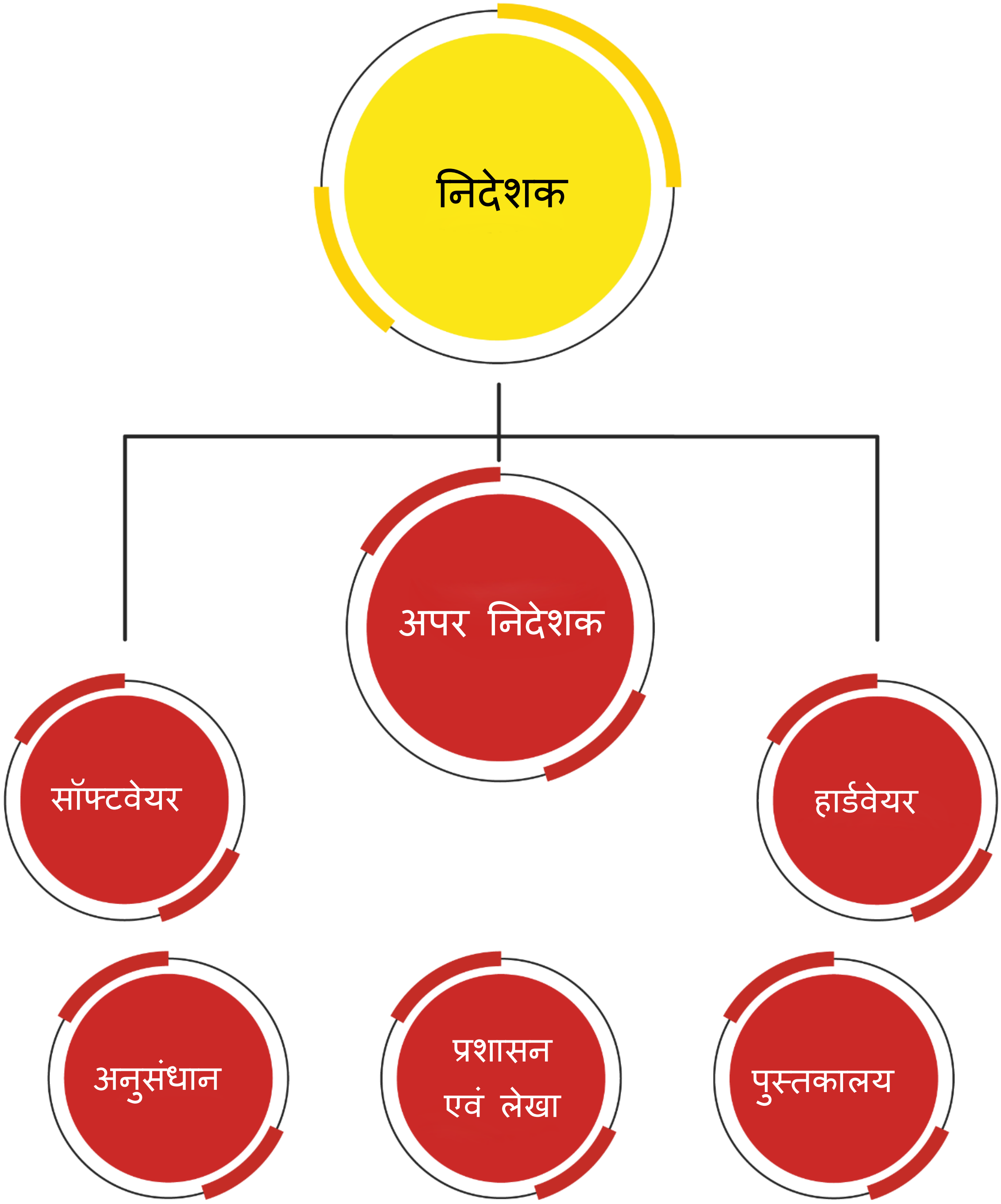

निदेशक कार्यालय

प्रो. जगत भूषण नड्डा
निदेशक, सीईसी

पवन कुमार
निजी सचिव

जुगांदर सिंह
चालक- विशेष श्रेणी

मुकुल रेवाड़ी*
मल्टी टास्किंग स्टाफ

अपर निदेशक कार्यालय

प्रो. रजनीश श्रीवास्तव *
अपर निदेशक

कविता हरीश
आशुलिपिक श्रेणी-II

डॉ. अस्मिता बख्शी*
अकादमिक समन्वयक

दिशा अवतार*
अकादमिक समन्वयक

त्रिवेन्द्र सिंह*
कंप्यूटर प्रोग्रामर

नूर अल्तमस*
सहायक कंप्यूटर प्रोग्रामर

अरुण कुमार*
जूनियर मल्टीमीडिया प्रोग्रामर

आंशिता सूद*
समन्वयक (स्वयं परीक्षा)

डॉ. वीरेन्द्र कौशल*
समन्वयक (ऑनलाइन कोर्सेस)

पीयूष राय*
परियोजना सहायक

डॉ. अर्चना*
अकादमिक समन्वयक (स्वयं)

रितु खरे*
परियोजना सहायक

रिशिका गुप्ता*
परियोजना सहायक

मनीष कुमार*
परियोजना सहायक

मेहरोज आलम*
तकनीकी सहायक

एल. राजू सिंह*
वरिष्ठ डाटा एंट्री ऑपरेटर (एमआईएस)

हेमलता*
डाटा एंट्री ऑपरेटर (तकनीक)

सचिन*
अवर श्रेणी लिपिक

सन्नी*
मल्टी टास्किंग स्टाफ

राहुल चंद*
मल्टी टास्किंग स्टाफ

विवेक कुमार*
मल्टी टास्किंग स्टाफ

अनुसंधान अनुभाग

डॉ. शतरुद्ध
रिसर्च साइंटिस्ट

महक अरोड़ा*
सलाहकार (अनुसंधान एवं प्रशिक्षण)

सान्या भारद्वाज*
कंटेंट राइटर

आशीष शर्मा*
डाटा एंट्री ऑपरेटर

प्रेम चंद्र*
ग्राफिक डिजाइनर

डॉ. सीएच. पेंडु*
अकादमिक समन्वयक (रिसर्च)

हार्डवेयर एवं अनुरक्षण अनुभाग

विकास उपाध्याय
अनुरक्षण अभियंता

मंगेश डब्ल्यू लेढ़े
अभियंता

कुलबीर सिंह
तकनीकी सहायक

कृष्ण मुरारी पाठक
तकनीकी सहायक

हुमेश मोहन
तकनीशियन

मुकेश कुमार गिरि
तकनीशियन

नरेन्द्र कुमार
मल्टी टास्किंग स्टाफ

रौनक आजम*
असिस्टेंट कंप्यूटर प्रोग्रामर

आशा रानी*
तकनीकी सहायक

पवन बड़सर*
तकनीकी सहायक

कुमार सत्यम सुंदरम*
तकनीकी सहायक

अवनीश कुमार*
तकनीकी सहायक

कमल शर्मा*
तकनीकी सहायक

सौरभ कुमार*
तकनीकी सहायक

चंद्र शेखर*
डाटा एंट्री ऑपरेटर

संदीप कुमार मिश्रा*
तकनीशियन (इलैक्ट्रिकल)

आसिफ सलीम*
तकनीशियन (साउंड रिकॉर्डिस्ट)

गौरव पवार*
तकनीकी सहायक

दिनेश कुमार*
तकनीकी सहायक

मुकुल कुमार*
तकनीकी सहायक

राजेश कुमार*
इलैक्ट्रिशियन

प्रदीप कुमार*
इलैक्ट्रिशियन

अवधेश कुमार*
मल्टी टास्किंग स्टाफ

सॉफ्टवेयर एवं मीडिया पुस्तकालय अनुभाग

डॉ. सुनील मेहरू
संयुक्त निदेशक (सॉफ्टवेयर)

डॉ. गीतांजलि सिंह
निर्मात्री

ब्रजपाल सिंह
सहायक परियोजना अधिकारी

नितिन कुमार चौधरी
सहायक परियोजना अधिकारी

कय्यूम अली
निर्माण सहायक

विनोद कुमार
कैमरामैन

संहिता*
ग्राफिक आर्टिस्ट

गीतिका उनियाल*
परियोजना सहायक

अंकिता अरोड़ा*
निर्माण सहायक

संजीव कुमार
लाइट बॉय

अमित गोयल*
एडिटर

रवीन्द्र कुमार*
हिन्दी अधिकारी

नीरज शर्मा*
एडिटर

सुरिन्दर गांधी
अवर श्रेणी लिपिक

प्रीति कुमार*
एडिटर (डिजिटाइजेशन)

अशोक कुमार*
कैमरा सहायक

सचिन बानीवाल*
डाटा एंट्री ऑपरेटर

धीरज सिंह*
मल्टी टास्किंग स्टाफ

दीनदयाल ईश्रवाल
अवर श्रेणी लिपिक

राम बिलास
मल्टी टास्किंग स्टाफ

मीडिया पुस्तकालय अनुभाग

डॉ. गीतांजलि सिंह
निर्मात्री

मीना कुमारी
पुस्तकालय सहायक

सत्येन्द्र कुमार भारती
आशुलिपिक श्रेणी-II

मोहम्मद रियाज*
कनिष्ठ पुस्तकालय एवं सूचना सहायक

मनोज कुमार*
डाटा एंट्री ऑपरेटर

सुभाष चंद्र*
मल्टी टास्किंग स्टाफ

संजना बोडवाल*
मल्टी टास्किंग स्टाफ

संतोष लाकड़ा
पुस्तकालय परिचारक

प्रशासन एवं लेखा अनुभाग

संजय श्रीवास्तव*
मुख्य प्रशासनिक अधिकारी

अशोक कुमार
प्रशासनिक सहायक

रजत सिंह नेगी
प्रवर श्रेणी लिपिक

विनोद सिंह*
डाटा एंट्री ऑपरेटर

ललित कुमार*
डाटा एंट्री ऑपरेटर

प्रशासन अनुभाग

राजीव सब्बरवाल*
प्रशासनिक अधिकारी

जय भारती*
डाटा एंट्री ऑपरेटर एवं रिसेप्सनिस्ट

अमित*
डाटा एंट्री ऑपरेटर

कुमारी अर्चना
मल्टी टास्किंग स्टाफ

बिजेन्द्र सिंह*
मल्टी टास्किंग स्टाफ

विवेक कुमार*
मल्टी टास्किंग स्टाफ

ललित इक्का*
मल्टी टास्किंग स्टाफ

दिनेश कुमार**
माली (दैनिक मजदूरी)

हवलदार गुप्ता**
माली (दैनिक मजदूरी)

लेखा अनुभाग

मुकेश प्रसाद
लेखा अधिकारी

मुनेश
लेखा सहायक

मानस कुमार झा*
डाटा एंट्री ऑपरेटर

स्वाति वालिया*
डाटा एंट्री ऑपरेटर

गजेंद्र कुमार
चालक

शिव कुमार*
चालक

प्रतिनियुक्ति पर

गीता पालीवाल #
मीडिया टेप पुस्तकालयाध्यक्ष

ऋतु चावला #
कंप्यूटर कार्यक्रम सहायक

जी. रवि कुमार #
अनुभाग अधिकारी (प्रशासन)

दीपक वर्मा #
लेखा सहायक

प्रतिनियुक्ति पर कर्मचारी   * संविदा-अनुबंध पर कर्मचारी   ** दैनिक मजदूरी पर कर्मचारी   *** ऋण आधार पर ईएमआरसी रूड़की से संबद्ध कर्मचारी

शासी निकाय

प्रो. वसुधा कामत
(पूर्व कुलपति, एसएनडीटी महिला विश्वविद्यालय)
अध्यक्षा

प्रो. जगत भूषण नड्डा
निदेशक
शैक्षिक संचार संकाय (सीईसी)
सदस्य सचिव

प्रो. दीपक कुमार श्रीवास्तव
उपाध्यक्ष
विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी)
सदस्य

प्रो. मनीष आर. जोशी
सचिव
विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी)
सदस्य

प्रो. उमा कांजीलाल
कुलपति (प्रभारी)
इग्नू, नई दिल्ली
सदस्य

डॉ. चंदन गुप्ता
निदेशक (प्रभारी)
ईएमआरसी देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इंदौर
सदस्य

प्रो. मनुकोंडा रबीन्द्रनाथ
मीडिया विशेषज्ञ
जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली
सदस्य

डॉ. (सुश्री) रश्मि दास
मीडिया विशेषज्ञ
नई दिल्ली
सदस्य

प्रो. रंजना अग्रवाल
निदेशक
सीएसआईआर-राष्ट्रीय विज्ञान संचार एवं अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली, सदस्य

प्रो. सुरेश डब्ल्यू. गोसावी
कुलपति
सावित्रीबाई फूले पुणे विश्वविद्यालय, पुणे
सदस्य

श्री शशि शेखर वेम्पति
पूर्व सीईओ
प्रसार भारती, नई दिल्ली
सदस्य

डॉ. (सुश्री) नीलिमा गुप्ता
कुलपति
डॉ. एचएस गौर विश्वविद्यालय, सागर
सदस्य

प्रो. निलोफर खान
कुलपति, कश्मीर विश्वविद्यालय, श्रीनगर
सदस्य

डॉ. प्रमोद कुमार
प्रोफेसर, अंग्रेजी पत्रकारिता विभाग,
आईआईएमसी, नई दिल्ली
सदस्य

श्री सी.बी.एस. मौर्य
पूर्व प्रमुख, अभियंता विभाग,
आकाशवाणी एवं दूरदर्शन
सदस्य

-

शासी परिषद

प्रो. ममीडाला जगदीश कुमार
अध्यक्ष
विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी)
अध्यक्ष

प्रो. जगत भूषण नड्डा
निदेशक
शैक्षिक संचार संकाय (सीईसी)
सदस्य सचिव

प्रो. वसुधा कामत
अध्यक्षा, शा.नि., (पूर्व कुलपति, एसएनडीटी महिला विश्वविद्यालय)
सदस्य

प्रो. मनीष आर. जोशी सचिव, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी)
सदस्य

श्री गौरव द्विवेदी
आईएएस, सीईओ, प्रसार भारती
सदस्य

श्री राघवन जगन्नाथन
अध्यक्ष,आईआईएमसी, नई दिल्ली
सदस्य

डॉ. (सुश्री) रश्मि दास
मीडिया विशेषज्ञ
नई दिल्ली
सदस्य

श्री शशि शेखर वेम्पति
पूर्व सीईओ, प्रसार भारती, नई दिल्ली
सदस्य

प्रो. रंजना अग्रवाल
निदेशक, सीएसआईआर-राष्ट्रीय विज्ञान संचार एवं अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली, सदस्य

प्रो. निलोफर खान
कुलपति, कश्मीर विश्वविद्यालय, श्रीनगर
सदस्य

डॉ. प्रमोद कुमार
प्रोफेसर, अंग्रेजी पत्रकारिता विभाग,
आईआईएमसी, नई दिल्ली
सदस्य

प्रो. दीपक कुमार श्रीवास्तव
उपाध्यक्ष, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी)
सदस्य

प्रो. उमा कांजीलाल, कुलपति (प्रभारी)
इग्नू, नई दिल्ली
सदस्य

सुश्री मौसमी चक्रवर्ती
डीजी,
आकाशवाणी, नई दिल्ली
सदस्य

डॉ. चंदन गुप्ता, निदेशक (प्रभारी)
ईएमआरसी देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इंदौर
सदस्य

प्रो. मनुकोंडा रबीन्द्रनाथ, मीडिया विशेषज्ञ
जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली
सदस्य

डॉ. (सुश्री) नीलिमा गुप्ता
कुलपति,
डॉ. एचएस गौर विश्वविद्यालय, सागर
सदस्य

प्रो. सुरेश डब्ल्यू. गोसावी
कुलपति,
सावित्री बाई फूले पुणे विश्वविद्यालय, पुणे
सदस्य

श्री सी.बी.एस. मौर्य
पूर्व प्रमुख,अभियंता विभाग, आकाशवाणी एवं दूरदर्शन
सदस्य

प्रो. प्रेम नारायण सिंह
निदेशक, अंतर-विश्वविद्यालय शिक्षक शिक्षा केंद्र (आईयूसी-टीई), वाराणसी
सदस्य

वित्त समिति

प्रो. वसुधा कामत
(पूर्व कुलपति, एसएनडीटी महिला विश्वविद्यालय)
अध्यक्षा, वित्त समिति

प्रो. मनीष आर. जोशी
सचिव,
विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी)
सदस्य

श्री सुदीप सिंह जैन
वित्तीय सलाहकार,
विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी)
सदस्य

प्रो. जगत भूषण नड्डा
निदेशक,
शैक्षिक संचार संकाय (सीईसी)
सदस्य

डॉ. जितेन्द्र के. त्रिपाठी
संयुक्त सचिव,
विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी)
सदस्य

श्री पी. के. ठाकुर
पूर्व वित्तीय सलाहकार,
विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी)
सदस्य सचिव

प्रो. मनुकोंडा रबीन्द्रनाथ
मीडिया विशेषज्ञ,
जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली
सदस्य

श्री सँजय श्रीवास्तवा
मुख्य प्रशासनिक अधिकारी,
शैक्षिक संचार संकाय (सीईसी)
सदस्य सचिव

निदेशक, सीईसी द्वारा नामित एक संयुक्त निदेशक
(रिक्त)
सदस्य

सीईसी का प्रक्षेत्र (डोमेन)

देशभर में विस्तारित सीईसी से संबद्ध 20 ईएमआरसी का नेटवर्क

सीईसी की तीन प्रमुख प्रक्षेत्र (डोमेन) संबंधित केंद्रित गतिविधियां-

क. निर्माण

ख. प्रसार

ग. आईसीटी अनुकूल वातावरण निर्माण

निर्माण

शैक्षिक वीडियो

सीईसी और इसके मीडिया केंद्र दो प्रकार के शैक्षिक वीडियो कार्यक्रमों के निर्माण में कार्यरत हैं: पूरक शिक्षा के लिए कोर्स-आधारित और शैक्षिक संवर्धन आधारित। ये कार्यक्रम विभिन्न विषयों पर निम्न 4 पाठ्यक्रमों पर आधारित हैं:

- भाषा/ साहित्य/ कला एवं संस्कृति
- सामाजिक विज्ञान
- प्रबंधन एवं अन्य व्यावसायिक विषय
- प्राकृतिक एवं अनुप्रयुक्त विज्ञान

सीईसी के पास विभिन्न विषयों पर 46319 शैक्षिक वीडियो कार्यक्रमों का संग्रह, जो अंग्रेजी और हिंदी भाषा में उपलब्ध हैं। सीईसी के मीडिया केंद्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार इस वर्ष विभिन्न विषयों पर 680 और वीडियो कार्यक्रम जोड़े गए। वीडियो कार्यक्रमों के पूरे संग्रह का डिजिटलीकरण किया जा रहा है, ताकि उन्हें दीर्घकाल तक उपयोग के लिए अधिक उपयोगकर्ता-अनुकूल डिजिटल रूप से संगत बनाकर और संचरण को बढ़ाया जा सके।

मीडिया केंद्र (ईएमआरसी)	स्थापना वर्ष	उक्त अवधि में निर्मित कार्यक्रमों की संख्या																कुल कार्यक्रम
		2010 तक	2011	2012	2013	2014	2015	2016	2017	2018	2019	2020	2021	2022	2023	2024	मार्च 2025	मार्च 2025 तक निर्मित
अहमदाबाद	1983	889	12	59	75	135	148	243	157					156				1874
कलकत्ता	1986	1690	125	123	126	154	184	192	241	179	8	80		108	10			3220
दिल्ली (एमसीआरसी)	1983	1167	76	101	137	172	94	158	431					493	4			2833
हैदराबाद (ईएफएल्यू)	1983	1550	101	229	322	242	135	362	308						60			3309
जोधपुर	1985	1338	299	202	259	152	69	144	532		172	74	36	46	125	81	5	3534
मदुरै	1986	505	38	51	341	42	36	156	656	246								2071
पुणे	1983	2029	108	111	96	63	215	23	487									3132

कालीकट	1996	375	117	97	253	463	200	203	195	55	68	141	72	207	18	16		2480
हैदराबाद (उस्मानिया)	1983	906	37	88	117	23	61	107	128									1467
इंदौर	1990	1084	128	186	183	167	86	195	36		10	47	48	48	51			2269
चैन्नई	1985	1052	186	234	237	258	420	496	691	75		188	164	54	10			4065
इंफाल	1989	292	104	101	78	141	108	172	827	3	73	71	189	296	498	314	294	3561
मैसूर	1996	507	124	217	124	248	354	225	659	2								2460
पटियाला	1989	311	78	208	128	192	119	100	348					64				1548
रुड़की	1983	695	28	74	107	168	190	173	26	10								1471
सागर	1994	463	41	36	101	177	146	473	726	89	168	16	253	163	261	112	126	3351
श्रीनगर	1986	567	105	204	246	192	274	306	404	116	30	242	65	176	395	282		3604
लखनऊ									70									70
कुलयोग		**15420**	**1707**	**2321**	**2930**	**2989**	**2839**	**3728**	**6922**	**775**	**529**	**859**	**827**	**1811**	**1432**	**805**	**425**	**46319**

यह पता लगाने के लिए एक अभ्यास किया गया है कि सीबीसीएस अनुपालन के साथ कितने नए कार्यक्रम निर्मित किए गए हैं। व्यास- उच्च शिक्षा चैनल के माध्यम से प्रसारित सामग्री 4 घंटे के लाइव प्रसारण को नवीनता और विविधता प्रदान करती है। सामग्री में एनईपी-2020 के अनुपालन में सांकेतिक भाषा और करियर परामर्श वाले कार्यक्रम भी शामिल हैं। संबंधित आंकड़े निम्न दिए गए हैं:

गुरुकुल लाइव व्याख्यान प्रस्थिति (2018-2025)

वर्ष / माह	जनवरी	फरवरी	मार्च	अप्रैल	मई	जून	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्तूबर	नवंबर	दिसम्बर	कुलयोग
2018	66	55	62	66	79	69	68	62	47	65	62	58	**759**
2019	39	35	31	31	42	32	43	35	42	54	57	57	**498**
2020	126	95	70	68	70	26	38	50	13	95	70	70	**791**
2021	134	130	135	80	4	16	126	136	150	130	134	148	**1323**
2022	60	56	140	124	144	148	136	134	136	112	128	134	**1452**
2023	120	132	132	114	148	146	138	138	114	126	122	114	**1544**
2024	117	128	114	108	112	100	110	106	112	112	100	114	**1333**
2025	114	100	94										**308**
घर से रिकॉर्ड किए (लॉकडाउन अवधि) [उदा.: फरवरी 2022, 44+12=56]												**कुलयोग**	**8008**

वीडियो कार्यक्रमों का पूर्वावलोकन

सीईसी और उसके मीडिया केंद्रों द्वारा निर्मित शैक्षिक कार्यक्रम गुणवत्ता सुनिश्चित करने और सामग्री को प्रमाणित करने के लिए पूर्वावलोकन प्रक्रिया से गुजरते हैं। पूर्वावलोकन प्रक्रिया मूल रूप से वृहत् और सूक्ष्म स्तरों पर सामग्री का विश्लेषण करने की एक समग्र प्रक्रिया है, जिसमें वैचारिक स्पष्टता का विश्लेषण, सामग्री का प्रमाणीकरण, कार्यक्रमों की समग्र संरचना और वीडियो और ऑडियो गुणवत्ता के संबंध में तकनीकी पर्याप्तता का विश्लेषण शामिल है। पूर्वावलोकन समिति शैक्षिक कार्यक्रमों का मूल्यांकन और अनुमोदन करती है कि किन कार्यक्रमों को स्वीकार या संशोधित किया जाना चाहिए। निर्मित कार्यक्रमों की प्रस्तुति, कैप्शन/ग्राफिक्स आदि में यदि कोई त्रुटियां हैं, तो उन्हें सार्वजनिक रूप से जारी करने से पहले जांच कर और संशोधित किया जाता है। अप्रैल, 2024 से मार्च, 2025 के दौरान कुल 1759 वीडियो कार्यक्रमों का पूर्वावलोकन किया गया। अप्रैल, 2024 से मार्च, 2025 तक पूर्वावलोकन किए वीडियो कार्यक्रमों की संख्या का माह अनुसार विवरण निम्न सारणीबद्ध है:

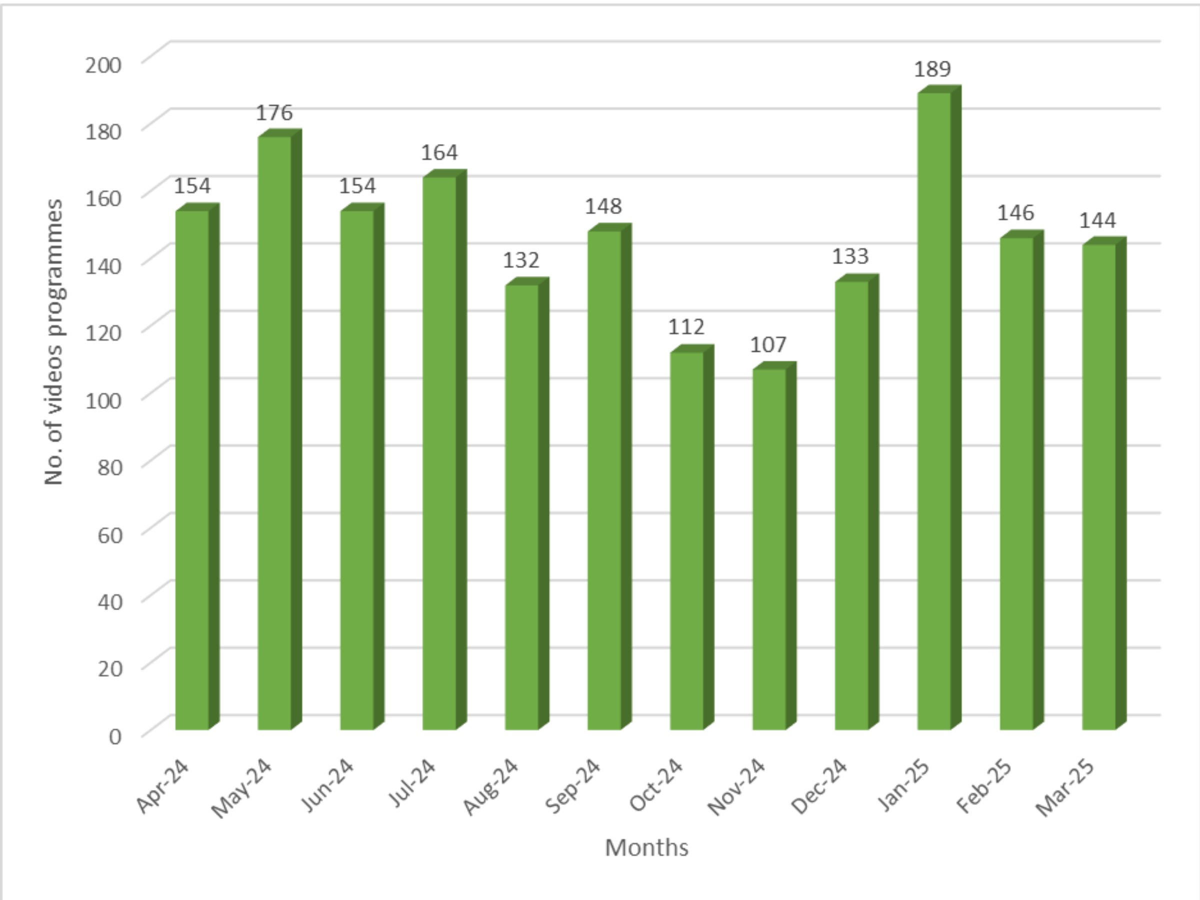

अप्रैल, 2024 से मार्च, 2025 तक पूर्वावलोकन किए वीडियो कार्यक्रमों की संख्या

प्रसार

सीईसी गुरुकुल लाइव व्याख्यान

प्रख्यात विषय विशेषज्ञों द्वारा दिए सीईसी के लाइव व्याख्यान व्यास चैनल पर लाइव प्रसारित किए और वीडियो नेटवर्किंग साइट- यूट्यूब पर सीईसी यूट्यूब चैनल के रूप में भी उपलब्ध हैं। लाइव व्याख्यान कला और साहित्य, प्रबंधन और व्यावसायिक अध्ययन, सामाजिक विज्ञान और प्राकृतिक और अनुप्रयुक्त विज्ञान के क्षेत्रों में प्रसारित किए जाते हैं। व्याख्यान उभरते ज्ञान क्षेत्रों, विषयों के मूल सिद्धांतों और कैरियर अभिविन्यास पर आधारित हैं। देश के विभिन्न हिस्सों से शिक्षार्थी प्रश्न पूछ सकते हैं, और व्याख्यान के दौरान दिए गए ई-मेल और टोल फ्री नंबर के माध्यम से प्रतिक्रिया दे सकते हैं। नीचे दी गई तालिका में अप्रैल, 2024 से मार्च, 2025 की अवधि के दौरान दिए गए व्याख्यानों का माह का विवरण दिया है:

क्र. सं.	माह वर्ष	व्याख्यानों की कुल संख्या
1.	अप्रैल 2024	108
2.	मई 2024	112
3.	जून 2024	100
4.	जुलाई 2024	110
5.	अगस्त 2024	104
6.	सितंबर 2024	112
7.	अक्तूबर 2024	112
8.	नवंबर 2024	100
9.	दिसंबर 2024	114
10.	जनवरी 2025	114
11.	फरवरी 2025	100
12.	मार्च 2025	94
	कुलयोग	**1280**

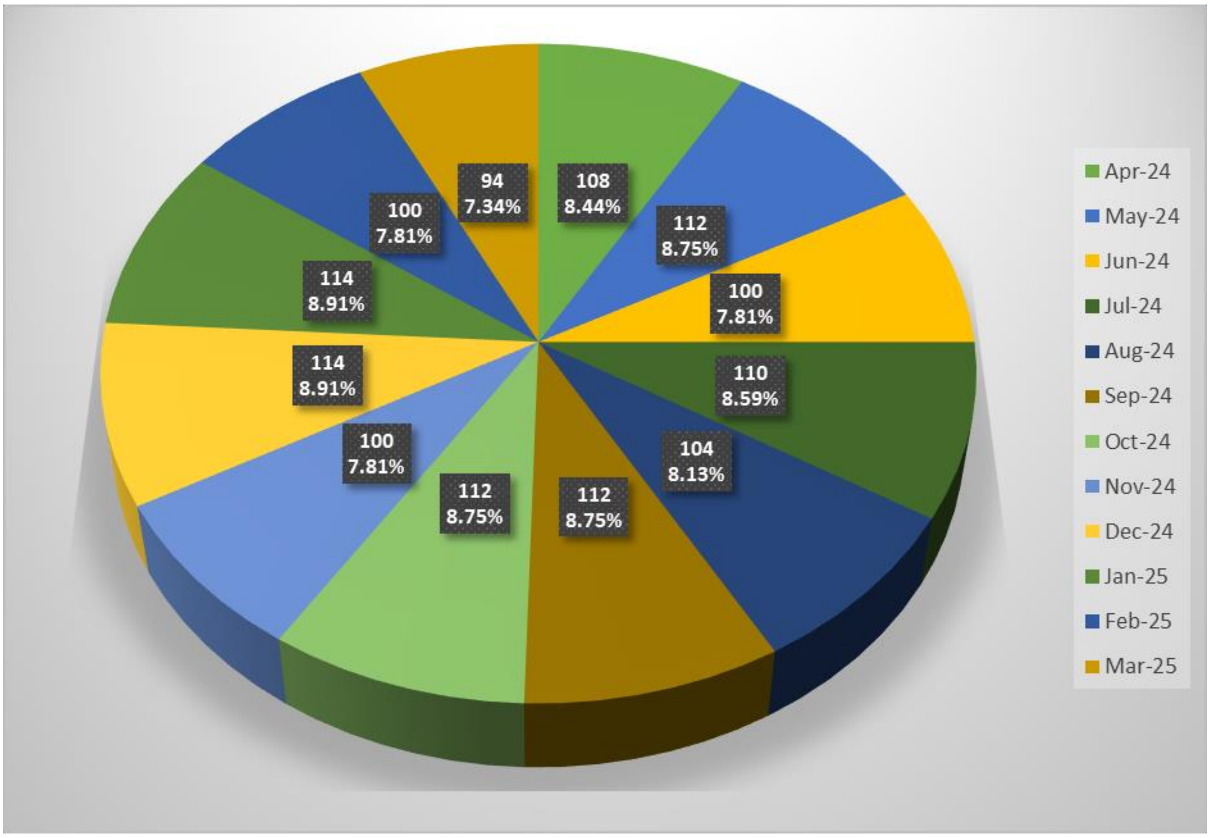

अप्रैल, 2024 से मार्च, 2025 तक दिए व्याख्यानों का माह अनुसार विवरण

- वित्तीय वर्ष 2024-2025 में, सीईसी ने, प्रतीकात्मक अभिव्यक्ति नामक गुरुकुल लाइव कार्यक्रम के तहत, एक सांकेतिक भाषा दुभाषिया के सहयोग से सांकेतिक भाषा में विशेष रूप से सक्षम दर्शकों के लिए 56 कार्यक्रम तैयार किए।
- वित्तीय वर्ष 2024-2025 में, सीईसी ने प्रतिभा संवर्धन नामक करियर काउंसलिंग में गुरुकुल लाइव व्याख्यान के तहत जरूरतमंद छात्रों के लाभ के लिए 50 कार्यक्रमों में योगदान दिया।

सीईसी– यूट्यूब चैनल

सीईसी का यूट्यूब चैनल 2010 में प्रारंभ हुआ और तब से ही सीईसी के शैक्षिक वीडियो के प्रसार के सबसे लोकप्रिय साधनों में से एक बन गया।

सीईसी गुरुकुल लाइव व्याख्यानों की पहुंच और गम्यता बढ़ाने के लिए, इन्हें बाद में सीईसी के यूट्यूब चैनल (सीईसी-यूजीसी) पर अपलोड किया जाता है, ताकि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से युवाओं को आकर्षित किया जा सके, जिन्हें कभी भी देखा जा सकता है। अप्रैल, 2024 से मार्च, 2025 के दौरान, यूट्यूब पर 1280 वीडियो अपलोड किए गए।

ये व्याख्यान यूट्यूब पर बहुत लोकप्रिय, और इनके व्यापक दर्शक हैं। मार्च, 2024-अप्रैल, 2025 में आयोजित व्याख्यानों में 15,000 से अधिक नियमित सब्सक्राइबर रहे, जिन्हें 2.4 मिलियन बार देखा और 2,65,000 घंटे तक वॉच टाइम रहा।

क्र. सं.	माह वर्ष	कुल व्याख्यान संख्या; सीईसी गुरुकुल	यूट्यूब पर अपलोड कुल व्याख्यान संख्या
1.	अप्रैल 2024	108	108
2.	मई 2024	112	112
3.	जून 2024	100	100
4.	जुलाई 2024	110	110
5.	अगस्त 2024	104	104
6.	सितंबर 2024	112	112
7.	अक्तूबर 2024	112	112
8.	नवंबर 2024	100	100
9.	दिसंबर 2024	114	114
10.	जनवरी 2025	114	114
11.	फरवरी 2025	100	100
12.	मार्च 2025	94	94
कुलयोग		**1280**	**1280**

सीईसी यूट्यूब चैनल विश्लेषण: अप्रैल, 2024–मार्च, 2025 के दौरान कार्यक्रमों के व्यूज के संबंध में यूट्यूब स्रोत से तैयार रिपोर्ट निम्न प्रकार है:

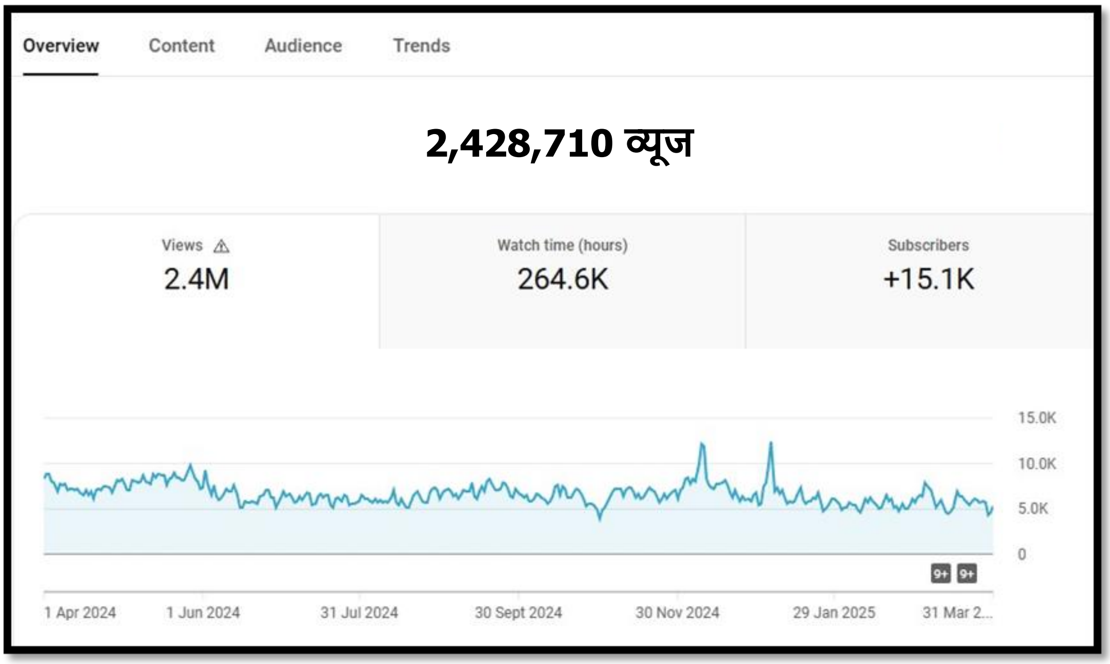

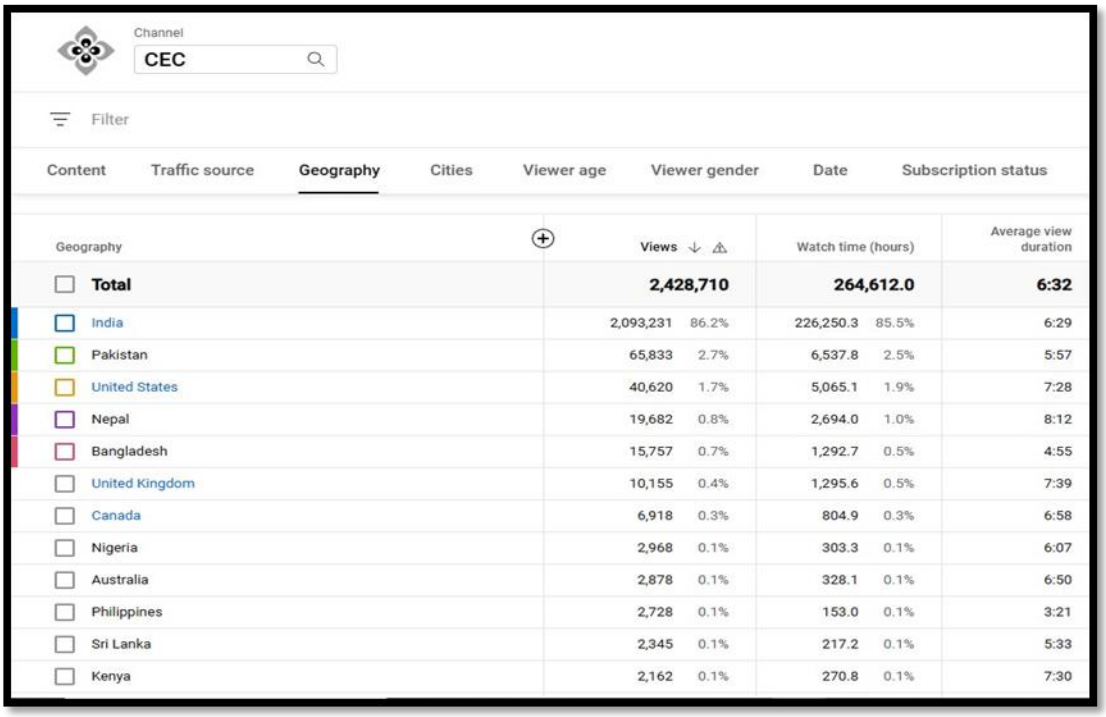

Geography	Views		Watch time (hours)		Average view duration
Total	2,428,710		264,612.0		6:32
India	2,093,231	86.2%	226,250.3	85.5%	6:29
Pakistan	65,833	2.7%	6,537.8	2.5%	5:57
United States	40,620	1.7%	5,065.1	1.9%	7:28
Nepal	19,682	0.8%	2,694.0	1.0%	8:12
Bangladesh	15,757	0.7%	1,292.7	0.5%	4:55
United Kingdom	10,155	0.4%	1,295.6	0.5%	7:39
Canada	6,918	0.3%	804.9	0.3%	6:58
Nigeria	2,968	0.1%	303.3	0.1%	6:07
Australia	2,878	0.1%	328.1	0.1%	6:50
Philippines	2,728	0.1%	153.0	0.1%	3:21
Sri Lanka	2,345	0.1%	217.2	0.1%	5:33
Kenya	2,162	0.1%	270.8	0.1%	7:30

सीईसी के यूट्यूब चैनल की दर्शक संख्या

ये व्याख्यान यू-ट्यूब पर बहुत लोकप्रिय हैं और इनके दर्शकों की संख्या बहुत ज्यादा है। मार्च, 2024 से अप्रैल, 2025 तक के व्याख्यानों में 15.1 हजार से ज़्यादा नियमित सब्सक्राइबर शामिल हुए, जिन्हें 2.4 मिलियन व्यूज और 264.6 हजार घंटे का वॉच टाइम रहा।

स्वयं एवं स्वयं प्रभा परियोजनाएं (मूक्स):

स्नातक और स्नातकोत्तर दोनों में स्वयं मूक्स के राष्ट्रीय समन्वयक के रूप में, सीईसी पाठ्यक्रमों के सत्यापन के लिए विभिन्न गतिविधियों में संलग्न है, जैसा कि नीचे दिया गया है:

स्वयं के अंतर्गत निर्मित और प्रस्तुत पाठ्यक्रम

सत्र	निर्मित पाठ्यक्रम	प्रस्तावित पाठ्यक्रम	उपस्थिति पंजी.
जुलाई-2024	45	176	313198
जनवरी-2025	47	176	324861
कुलयोग	**92**	**352**	**638059**

डीटीएच स्वयं प्रभा के तहत नवीन सामग्री निर्मित

चैनल नं.	चैनल का नाम	चैनल संयोजक	कुल निर्माण (घंटों में)
स्वयं प्रभा 01	वागीश	ईएमआरसी ईएफएल्यू	14.5
स्वयं प्रभा 02	संस्कृति	सीईसी, नई दिल्ली	45.5
स्वयं प्रभा 03	प्रबोध	ईएमआरसी जोधपुर	21.5
स्वयं प्रभा 04	सारस्वत	सीईसी, नई दिल्ली	20.5
स्वयं प्रभा 05	प्रबंधन	एमसीआरसी जामिया	03.5
स्वयं प्रभा 06	विधिक	ईएमआरसी पटियाला	106
स्वयं प्रभा 07	कौटिल्य	ईएमआरसी अहमदाबाद	40
स्वयं प्रभा 08	आर्यभट्ट	ईएमआरसी कालीकट	92.5
स्वयं प्रभा 09	स्पंदन	ईएमआरसी श्रीनगर	60
स्वयं प्रभा 10	दक्ष	ईएमआरसी चैन्नई	41
	कुलयोग		**447.5**

सीईसी 11 डीटीएच स्वयं प्रभा चैनलों की दर्शक संख्या

चैनल संख्या	विषय आवृत	चैनल का नाम	दर्शक संख्या
स्वयं प्रभा 01	भाषा और साहित्य	वागीश	244745
स्वयं प्रभा 02	इतिहास, संस्कृति और दर्शन	संस्कृति	1471731
स्वयं प्रभा 03	सामाजिक एवं व्यवहार विज्ञान	प्रबोध	137385
स्वयं प्रभा 04	शिक्षा और गृह विज्ञान	सारस्वत	67756
स्वयं प्रभा 05	सूचना, संचार एवं प्रबंधन अध्ययन	प्रबंधन	154099
स्वयं प्रभा 06	कानून और कानूनी अध्ययन	विधिक	50459
स्वयं प्रभा 07	अर्थशास्त्र और वाणिज्य	कौटिल्य	39297
स्वयं प्रभा 08	भौतिक एवं पृथ्वी विज्ञान	आर्यभट्ट	43241
स्वयं प्रभा 09	जीवन विज्ञान	स्पंदन	90729
स्वयं प्रभा 10	अनुप्रयुक्त विज्ञान	दक्ष	182505
स्वयं प्रभा 40	सीईसी- व्यास उच्च शिक्षा चैनल	व्यास	2428710

आईसीटी-पर्यावरण निर्माण

कार्यशाला/संगोष्ठियां/बैठकें

- ईएमआरसी, कालीकट विश्वविद्यालय, केरल में स्वयं प्रभा 2.0 विषय पर 2 दिवसीय कार्यशाला का आयोजन 16 से 17 मई, 2024 तक किया गया।
- निदेशक, सीईसी और अपर निदेशक, सीईसी ने 11 जून, 2024 को मूक्स परियोजना संबंधी सामग्री साझा करने सहयोग करने के लिए सीईसी और मध्य प्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय के बीच एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने के लिए मध्य प्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय, भोपाल परिसर का दौरा किया।
- "कृत्रिम बुद्धिमत्ता और डिजिटल शिक्षा" पर हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला में 13 से 14 जून, 2024 तक 2 दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई।
- ईएमआरसी, कोलकाता में "एआई और डिजिटल कंटेंट क्रिएशन" विषय पर 22 से 23 अगस्त, 2024 तक 2 दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई।
- टैगोर कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड साइंस, चैन्नई में "एआई इन्फ्यूज्ड डिजिटल एजुकेशन: ट्रांसफॉर्मिंग द फ्यूचर ऑफ टीचिंग एंड लर्निंग" विषय पर 07 से 09 अक्तूबर, 2024 तक 3 दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई।
- निदेशक, सीईसी और अपर निदेशक, सीईसी 14 नवंबर, 2024 को सावित्रीबाई फूले पुणे विश्वविद्यालय, पुणे स्थित कार्यालय में ईएमआरसी पुणे की प्रबंधन बोर्ड की बैठक में सम्मिलित हुए।
- सीईसी ने संबद्ध संकाय संस्थानों की गतिविधियों, लघु और दीर्घकालिक योजनाओं, नीतियों और प्रक्रियाओं पर चर्चा और उन्हें विकसित करने के लिए 106वीं समन्वय समिति का आयोजन किया। बैठक 14 से 15 नवंबर, 2024 को ईएमआरसी, सावित्रीबाई फूले पुणे विश्वविद्यालय, पुणे में आयोजित की गई।
- अपर निदेशक, सीईसी मणिपुर विश्वविद्यालय, इंफाल स्थित कार्यालय में ईएमआरसी मणिपुर की 17वीं प्रबंधन बोर्ड बैठक में 23 नवंबर, 2024 को सम्मिलित हुए।
- ईएमआरसी, ईएफएल्यू, हैदराबाद में "डिजिटल शिक्षा के भावी परिप्रेक्ष्य- समावेशी- इमर्सिव- न्यायसंगत" विषय पर 28 से 30 नवंबर, 2024 को 3 दिवसीय सेमिनार आयोजित किया गया।

- ईएमआरसी, उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद में "डिजिटल क्षेत्र में अग्रसर: उन्नत मूक्स अनुभवों के लिए एआई उपकरण" विषय पर 06 से 07 फरवरी, 2025 को 2 दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई।

- अंतर विश्वविद्यालय शिक्षक शिक्षा केंद्र (आईयूसीटीई), वाराणसी में "डिजिटल शिक्षाशास्त्र में कृत्रिम बुद्धिमत्ता: उच्च शिक्षण संस्थानों के शैक्षणिक भावी प्रावधान" विषय पर 13 से 14 फरवरी, 2025 को दो दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई।

- ईएमआरसी, बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ में "कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) एवं डिजिटल शिक्षा" विषय पर 27 से 28 फरवरी, 2025 को 2 दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई।

- ईएमआरसी, अन्ना विश्वविद्यालय, चैन्नई में "फाउंडेशनल डाटा विज्ञान" विषय पर 27 से 29 मार्च, 2025 को 3 दिवसीय अनुसंधान बैठक/कार्यशाला आयोजित की गई।

आयोजन

- ईएमआरसी, जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर में 16वां प्रकृति अंतर्राष्ट्रीय वृत्तचित्र फिल्म महोत्सव 04 से 06 दिसंबर, 2024 को आयोजित किया गया। कार्यक्रम के लिए कुल 68 प्रविष्टियां प्राप्त हुई। इसमें म्यांमार और फिलीपींस सहित अंतर्राष्ट्रीय देशों से प्रविष्टियां प्राप्त हुई। इस कार्यक्रम के लिए चार प्रमुख- पर्यावरण, विकास, मानवाधिकार और स्वच्छ भारत श्रेणी में तेरह वृत्तचित्रों का प्रदर्शन साथ ही प्रत्येक श्रेणी में विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए गए।

- लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ, उत्तर प्रदेश में 26वां सीईसी-यूजीसी शैक्षिक फिल्म महोत्सव 19 से 21 मार्च, 2025 को आयोजित किया गया। इस आयोजन में कुल 209 प्रविष्टियां प्राप्त की गई। इसके तहत म्यांमार, बांग्लादेश और श्रीलंका सहित अंतर्राष्ट्रीय देशों से प्रविष्टियां प्राप्त की गई। कार्यक्रम के लिए 12 विविध श्रेणियों में अठारह वृत्तचित्रों के प्रदर्शन के साथ ही प्रत्येक श्रेणी में विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए गए।

- डिजिटल शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए सीईसी प्रतियोगिता 2024-25- एडूटून और एडूराइट का 27 नवंबर, 2024 से 15 फरवरी, 2025 को किया गया। दोनों प्रतियोगिताओं का विषय 'डिजिटल शिक्षा और कृत्रिम बुद्धिमत्ता' था। सीईसी को देशभर से रचनात्मक लेखन और कलात्मक अभिव्यक्ति की विस्तृत श्रृंखला पर छात्रों, शिक्षाविदों और आम लोगों द्वारा प्रविष्टियाँ प्राप्त हुई। जूरी सदस्यों के पैनल ने प्रविष्टियों की समीक्षा और मूल्यांकन का कार्य एडु-राइट के लिए साहित्य और एडु-टून के लिए ललित कला क्षेत्र आधारित प्रविष्टियों तदनुसार किया। विजेताओं को प्रमाण-पत्र के साथ कुल 20 हजार रुपए पुरस्कार स्वरूप प्रदान किए गए। दोनों श्रेणियों में प्रथम, द्वितीय और तृतीय पुरस्कार के तहत 2,000 से 5,000 रु. तक राशि प्रदान की गई।

हिंदी पखवाड़ा

हिंदी पखवाड़ा 16 से 30 सितंबर, 2024 के बीच आयोजित किया गया। हिंदी पखवाड़े के दौरान तीन मुख्य प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं: निबंध लेखन, आशु भाषण और पूरे वर्ष हिंदी भाषा में किए गए कार्य। सभी कर्मचारी सभी कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से सम्मिलित हुए। प्रतियोगिताओं की विभिन्न श्रेणियों में विजेताओं को 1,000/- रु. की नकद पुरस्कार राशि वितरित की गई।

सोशल मीडिया और ब्रांडिंग

सीईसी के डिजिटल शैक्षिक कंटेंट की पहुंच बढ़ाने और विद्यार्थियों और कामकाजी शिक्षार्थियों और अन्य हितधारकों के बीच संस्थान के कार्यों और गतिविधियों संबंधी जागरूकता के लिए, नियमित रूप से सोशल मीडिया पोस्ट बनाकर अद्यतन किया जाता रहा है। ये पोस्ट सीईसी के सोशल मीडिया हैंडल **x** (पूर्ववर्ती ट्विटर) इंस्टाग्राम एवं फेसबुक पर किए जाते रहे हैं।

ये सोशल मीडिया हैंडल सीईसी संबद्ध 11 स्वयं प्रभा और व्यास चैनल के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए प्रतिबद्ध है। सीईसी द्वारा संचालित विभिन्न स्वयं मूक्स पाठ्यक्रमों पर पंजीकरण संबंधी मार्गदर्शन, प्रमाण-पत्र जारी और अन्य संबंधित जानकारियां भी उपर्युक्त सोशल मीडिया हैंडल के माध्यम से अधिसूचित की जाती रही है।

सीईसी के सोशल मीडिया हैंडल के माध्यम से विद्यार्थियों और कामकाजी शिक्षार्थियों को शिक्षित करने के लिए सीईसी के डिजिटल शैक्षिक कंटेंट संबंधी नियमित ब्रांडिंग अभ्यास किए जाते रहे हैं।

सीईसी न्यूजलैटर

सीईसी के मासिक न्यूजलैटर में जाने-माने विद्वतजनों, अध्यापकों द्वारा प्रतिमाह लिखित विभिन्न विषयों पर आधारित आलेखों को प्रकाशित किया जाता है। इस मासिक प्रकाशन में प्रतिमाह सीईसी और संबद्ध 20 ईएमआरसी में आयोजित गतिविधियों की जानकारी भी प्रकाशित की जाती रही है। सीईसी के मासिक न्यूजलैटर को द्विभाषी- अंग्रेजी और हिन्दी भाषा में प्रकाशित किया जा रहा है। न्यूज लैटर को उच्च शिक्षा के विभिन्न विश्वविद्यालयों और शीर्ष सरकारी क्षेत्र के संस्थानों को भी प्रेषित किया जाता है।

वित्त

वर्ष 2024-25 के लिए सीईसी में विभिन्न शीर्ष में प्राप्त अनुदान और व्यय (अंकेक्षण से पहले) नीचे दिया गया है:

शीर्ष	व्यय खर्च (लाख रु. में)	प्राप्त अनुदान (लाख रु. में)
पूंजी: (शीर्ष- 35)	^94.13	90.00
राजस्व:		
वेतन (शीर्ष-36)	595.69	636.92
गैर-वेतन पेंशन सहित (शीर्ष- 31)	^728.12	658.70
शिक्षा मंत्रालय (एमओई) की परियोजनाएं:		
एनएमई-आईसीटी (चरण-1 एवं चरण-2)		
स्वयं- मूक्स परियोजना	54.50	*1328.27
स्वयं प्रभा- डीटीएच परियोजना	42.51	48.45
एनएमई-एनईआर परियोजना	शून्य	शून्य

^ दिनांक 31.03.2025 को समाप्त अव्ययित निधि।
*व्यय को अव्ययित निधि से पूरा किया गया।
#उपरोक्त व्यय में अग्रिम प्राप्ति राशि शामिल नहीं है।

संबद्ध

ईएमआरसी

शैक्षिक मल्टीमीडिया अनुसंधान केंद्र

ईएमआरसी - गुजरात विश्वविद्यालय, अहमदाबाद

संयोजक संस्थान: गुजरात विश्वविद्यालय, अहमदाबाद

संक्षिप्त परिचय

गुजरात विश्वविद्यालय जीएसआईआरएफ, गुजरात सरकार द्वारा गुजरात राज्य का एक उच्चतम रैंक वाला विश्वविद्यालय है, और पिछले छह वर्षों से एनआईआरएफ रैंकिंग द्वारा शीर्ष 100 विश्वविद्यालयों में इसे 'ए प्लस' रैंक प्राप्त है। गुजरात विश्वविद्यालय ने पिछले 75 वर्षों में अभूतपूर्व विकास किया है और देश में एक प्रमुख विश्वविद्यालय के रूप में अपनी पहचान बनाई है। यह विविध विषयों में वार्षिक रूप से लगभग चार लाख से अधिक विद्यार्थियों को शिक्षा प्रदान करता है।

ईएमआरसी अहमदाबाद (1984 में स्थापित) शैक्षिक संचार संकाय (सीईसी) से संबद्ध देशभर में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी/एमएचआरडी) द्वारा स्थापित 21 ईएमआरसी में से अग्रणी मीडिया अनुसंधान केंद्रों में से एक है। केंद्र उच्च शिक्षा के विद्यार्थियों के लिए शैक्षिक कंटेंट निर्माण में कार्यरत है। केंद्र ने छात्रों के लिए उत्कृष्ट अधिगम सामग्री विकसित और डिज़ाइन की है तथा उन्हें टीवी-कार्यक्रमों, ई-कंटेंट, मूक्स (स्वयं) और 'कौटिल्य' 24-घंटे प्रसारित डीटीएच चैनल (स्वयं प्रभा) और क्षेत्रीय कार्यक्रमों (मूक्स अनुवाद) के रूप में राज्य में और बाहर उपलब्ध विशाल शैक्षिक संसाधनों के माध्यम से लाभान्वित किया है।

इस केंद्र ने वास्तुकला, रसायन विज्ञान, जीवविज्ञान, लाइफ साइंसेस, बिजनेस इकोनॉमिक्स, वाणिज्य आदि विषयों में 1500 से अधिक ईटीवी कार्यक्रम, 750 से अधिक एनएमईआईसीटी (ई-कंटेंट) मॉड्यूल, लर्निंग ऑब्जेक्ट रिपोजिटरी (एलओआर) और 4। मूक्स का निर्माण और डीटीएच स्वयं प्रभा के लिए 349 से अधिक नवीन वीडियो कार्यक्रमों और 15 से ज्यादा वृत्तचित्रों का निर्माण किया है।

उद्देश्य:

- देश के प्रमुख शैक्षणिक और अनुसंधान संस्थानों से संबद्ध विभिन्न विषय विशेषज्ञों की सहायता से शीर्ष प्रौद्योगिकी शैक्षिक सामग्री का निर्माण और पूरे देश में व्यापकतम संभव दर्शक तक गम्यता बनाना।
- प्रसारण का उद्देश्य शिक्षा की गुणवत्ता को उन्नत, अद्यतन और समृद्ध करने के साथ ही इसके अनुसंधान को आगे बढ़ाना। अप्रचलित पाठ्यक्रम को संशोधित कर सभी क्षेत्रों में नवीनतम प्रगति को प्रस्तुत करने का प्रयास करना।

निर्माण विवरण और परियोजनाएं

परियोजना/ निर्माण	शीर्षक संख्या	मॉड्यूल	क्रेडिट	विवरण
स्वयं	03	157	15	
स्वयंप्रभा	शून्य	78 (नवीन)	शून्य	
मूक्स पाठ्यक्रम प्रदत्त	17	19873 पंजीकरण	70	7 मूक्स पाठ्यक्रम जुलाई-दिसं., 2024, 10 मूक्स पाठ्यक्रम जन.-जून, 2025 में प्रदत्त
स्वतंत्र वृतचित्र	05	संयोजक विश्वविद्यालय के लिए लघु फिल्म का निर्माण		

बजट/वित्त

यूजीसी अनुदान का वित्त वर्ष 2024-25 के लिए आय और व्यय विवरण:

(लाख रु. में)

शीर्ष	स्वीकृत बजट	अनुदान प्राप्त	व्यय खर्च
36 (वेतन एवं सेवानिवृत्ति लाभ)	125.00	146.00	110.17
प्रतिबद्ध देनदारी			56.16
31 (पेंशन, सामान्य परि., विविध व्यय)	250.00	292.83	202.23
प्रतिबद्ध देनदारी			71.59

यूजीसी अनुदान के लिए वित्त वर्ष 2025-26 का प्रस्तावित बजट:

(लाख रु. में)

शीर्ष	बजट अनुमान
शीर्ष 36 (वेतन एवं सेवानिवृत्ति लाभ)	254.05
शीर्ष 31 (पेंशन, सामान्य परि., विविध व्यय)	212.73
शीर्ष 35 (उपकरणों की खरीद)	152.00
कुलयोग	618.78

स्वयं प्रभा डीटीएच चैनल-07 के लिए सीईसी से प्राप्त धनराशि के आय-व्यय का विवरण:

(लाख रु. में)

शीर्ष	01.04.2024 को प्रारंभिक जमा	वित्त वर्ष 2024-25* में प्राप्त अनुदान	31.03.2025* तक व्यय खर्च	31.03.2025* को जमा शेष
परिचालन एवं रखरखाव लागत	8.22	15.00	11.41	11.81
नवीन कंटेंट निर्माण	(-)17.01	6.53	शून्य	(-)10.48

डीटीएच- नवीन कंटेंट निर्माण के अंतर्गत 200 से अधिक कार्यक्रमों का भुगतान शेष है, जिसकी प्रतिबद्ध देनदारियां 23 लाख रु. मात्र हैं।
* लेखा परीक्षण से पहले

सीईसी से मूक्स परियोजना के लिए प्राप्त धनराशि का आय-व्यय विवरण:

(लाख रु. में)

शीर्ष	01.04.2024 को प्रारंभिक जमा*	वित्त वर्ष 2024-25* में प्राप्त अनुदान	31.03.2025* तक व्यय खर्च	31.03.2025* को जमा शेष
मूक्स	107.60	85.24	104.48	88.61

* 24/05/2024 से पहले वाले मूक्स संकल्पना का पाठ्यक्रम समन्वयक को एकबार का मानदेय अबतक अंतिम रूप नहीं प्रदान किया गया है।
* संचालित मूक्स और प्रस्तुत परंतु स्वीकृत नहीं किए गए मूक्स के लिए भुगतान होना बाकी है।
* लेखा परीक्षण से पहले

सीईसी से अनुवाद परियोजना के लिए प्राप्त अनुदान राशि के आय-व्यय का विवरण:

(लाख रु. में)

शीर्ष	01.04.2024 को प्रारंभिक जमा	वित्त वर्ष 2024-25 में प्राप्त अनुदान	31.03.2025 तक व्यय खर्च	31.03.2025 को जमा शेष
मूक्स अनुवाद	(-) 2.94	शून्य	शून्य	(-) 2.94

प्रशिक्षण और कार्यशालाएं

- श्री प्रशांत कुहिकर (निर्माण सहायक) और श्री भरत जादव (निर्माता) ने 8-10 अप्रैल, 2024 को पांडिचेरी विश्वविद्यालय में ट्यूलॉन विश्वविद्यालय, फ्रांस के सहयोग से इलैक्ट्रॉनिक मीडिया और जनसंचार विभाग द्वारा आयोजित भविष्य के संचार: समाज, संस्कृति और शासन पर पुनर्विचार विषय पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में “भारत में शिक्षा की पुनर्कल्पना: सोशल मीडिया और कृत्रिम बुद्धिमत्ता का लाभ उठाने वाला एक सहजीवी दृष्टिकोण” पर पेपर प्रस्तुत किया।
- इंजी. रितेश जैन (निर्माण सहायक) के “डिजिटल फ्रंटियर नेविगेशन: शिक्षा में संचार और उभरती हुई तकनीकों की खोज” शीर्षक नामक पेपर को 12-13 दिसंबर, 2024 को दुबई, यूएई में आयोजित मीडिया, संचार और फिल्म (एमसीएफसीओएनएफ) पर दूसरे वैश्विक सम्मेलन में प्रस्तुति के लिए स्वीकार किया गया।
- श्री प्रशांत कुहिकर (निर्माण सहायक) को 14 मई, 2024 को भारतीय शिक्षक शिक्षण संस्थान, गांधीनगर द्वारा आयोजित "फिल्म निर्माण और सौंदर्यशास्त्र और वीडियो संपादन की तकनीक" कार्यक्रम में संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित किया गया।

- श्री प्रशांत कुहिकर 16-17 मई, 2024 को ईएमआरसी, कालीकट में सीईसी, नई दिल्ली द्वारा आयोजित कार्यशाला "स्वयं प्रभा-2.0" में सम्मिलित हुए।
- श्री प्रशांत कुहिकर को 17-18 जून, 2024 को चैरॉटार विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (चारुसैट), चांगा द्वारा आयोजित "ई-सामग्री और मूक्स विकास" विषय पर कार्यशाला के लिए संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित किया गया।
- श्री प्रशांत कुहिकर को 17 अक्तूबर, 2024 को एएमए, अहमदाबाद द्वारा आयोजित सूचना विभाग अधिकारी प्रशिक्षण कार्यक्रम में "टेलीविजन विज्ञापनों के निर्माण" के लिए संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित किया गया।
- श्री प्रशांत कुहिकर और श्री भरत जादव ने 4 जनवरी, 2025 को गुजरात विश्वविद्यालय के संविधान, कानून और कानूनी व्यवस्था विभाग द्वारा आयोजित "नवाचार के युग में सीमातर कानून, विज्ञान और प्रौद्योगिकी" आधारित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "सीमातर: व्हाट्सएप युग में जिम्मेदार संचार" विषय पर पेपर प्रस्तुत किया।
- श्री प्रशांत कुहिकर 3-7 मार्च, 2025 को भारतीय फिल्म एवं टेलीविजन संस्थान (एफटीआईआईआई), पुणे द्वारा आयोजित "टीवी कार्यक्रम निर्माण के लिए मल्टी-कैमरा तकनीकी संचालन का परिचय" विषय पर पांच दिवसीय कार्यशाला में सम्मिलित हुए।

उपलब्धियां और पुरस्कार

- ईएमआरसी-अहमदाबाद द्वारा निर्मित और श्री प्रशांत कुहिकर द्वारा निर्देशित “राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020” का निर्माण।
- लखनऊ विश्वविद्यालय में 20-22 मार्च, 2025 तक सीईसी द्वारा आयोजित 26वें यूजीसी-सीईसी शैक्षिक फिल्म महोत्सव में सर्वश्रेष्ठ लघु फिल्म का सम्मान।
- ईएमआरसी-अहमदाबाद द्वारा निर्मित, श्री प्रशांत कुहिकर द्वारा निर्देशित “मशरूम: द मैजिकल फंगी” का निर्माण।
- 11-12 जनवरी, 2025 को आयोजित नागपुर फिल्म महोत्सव में सर्वश्रेष्ठ “वृत्तचित्र” फिल्म श्रेणी में तीसरा पुरस्कार प्राप्त किया।
- अहमदाबाद में 19-20 अक्तूबर, 2024 को आयोजित सप्तरंग फिल्म महोत्सव में "वृत्तचित्र" श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ वृत्तचित्र फिल्म का पुरस्कार प्राप्त किया।
- ईएमआरसी-अहमदाबाद द्वारा निर्मित, श्री प्रशांत कुहिकर द्वारा निर्देशित “सफर” कार्यक्रम का निर्माण।

- मेलबर्न, ऑस्ट्रेलिया में अप्रैल, 2024 को भारतीय फिल्म महोत्सव द्वारा आयोजित मेलबर्न भारतीय फिल्म महोत्सव (ऑनलाइन फिल्म महोत्सव) में कार्यक्रम स्क्रीनिंग के लिए चयनित।
- ईएमआरसी-अहमदाबाद द्वारा निर्मित, श्री रितेश जैन द्वारा निर्देशित कार्यक्रम "कड़िया धारो: ग्रैंड कैन्यॉन ऑफ इंडिया" का निर्माण।
- 19-20 अक्तूबर, 2024 को आयोजित सप्तरंग लघु फिल्म महोत्सव में कार्यक्रम की स्क्रीनिंग।
- चंडीगढ़ विश्वविद्यालय अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (सीयूआईएफएफ), 2024 के लिए कार्यक्रम चयनित।
- ईएमआरसी अहमदाबाद द्वारा निर्मित और श्री भरत जादव द्वारा निर्देशित कार्यक्रम "मातृभूमि का वैभव: प्राकृतिक कृषि" का निर्माण।
- सीईसी, नई दिल्ली द्वारा ईएमआरसी, जोधपुर में आयोजित 16वें प्रकृति अंतर्राष्ट्रीय वृत्तचित्र फिल्म महोत्सव में कार्यक्रम प्रशस्ति-पत्र के लिए चयनित।
- सीईसी, नई दिल्ली द्वारा लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ में 20-22 मार्च, 2025 को आयोजित 26वें यूजीसी-सीईसी शैक्षिक फिल्म महोत्सव में कार्यक्रमों को सर्वश्रेष्ठ छायांकन, सर्वश्रेष्ठ पटकथा लेखन और सर्वश्रेष्ठ वीडियो संपादन के लिए प्रशंसा मिली।
- श्री आचार्य देवव्रत जी, माननीय राज्यपाल, गुजरात की अनुशंसा पर नीति आयोग की एक उच्च स्तरीय समिति के समक्ष प्रस्तुतिकरण।

विविध गतिविधियां/विवरण

- श्री राज चावला ने निदेशक (प्रभारी) के रूप में 5 जून, 2024 को कार्यभार ग्रहण किया।
- श्री राज चावला 14-15 नवंबर, 2024 को पुणे विश्वविद्यालय में 106वीं समन्वय समिति की बैठक में सम्मिलित हुए।
- श्री राज चावला 20-22 मार्च, 2025 को लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ में सीईसी द्वारा आयोजित 26वें यूजीसी-सीईसी शैक्षिक फिल्म महोत्सव में सम्मिलित हुए।
- श्री राज चावला, प्रभारी-निदेशक और अनुभाग अधिकारी ने 17-18 मार्च, 2025 को यूजीसी, नई दिल्ली का भ्रमण किया।
- डॉ. कानया ठाकर (अनुभाग अधिकारी) को ईएमआरसी-चैन्नई की समीक्षा समिति के सदस्य के रूप में नामित किया गया। बैठक 4 अक्तूबर 2024 को आयोजित की गई।

- डॉ. कानया ठाकर को ईएमआरसी-मैसूर की वित्त समिति सदस्य के रूप में नामित किया गया, बैठक 21 दिसंबर, 2024 को आयोजित की गई।
- डॉ. कानया ठाकर ईएमआरसी-मैसूर, प्रबंधन बोर्ड में विशेष आमंत्रित सदस्य के रूप में आमंत्रित किए गए, 15 जनवरी, 2025 को ऑनलाइन बैठक आयोजित की गई।
- डॉ. कानया ठाकर ईएमआरसी-मैसूर की सदस्य, जांच सह-वेतन निर्धारण उप-समिति, के रूप में नामित किए गए, बैठक 03-04 मार्च, 2025 को आयोजित की गई।
- नैक (एनएसीसी) समिति ने 29 जनवरी, 2024 को विश्वविद्यालय निरीक्षण के लिए ईएमआरसी का दौरा किया। विश्वविद्यालय को ए+ ग्रेड से सम्मानित किया गया।

ईएमआरसी- ए.जे.के. मास कम्युनिकेशन रिसर्च सेंटर

संयोजक संस्थान: जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली

संक्षिप्त परिचय

जामिया मिल्लिया इस्लामिया विश्वविद्यालय का वर्ष 1982 में स्थापित मीडिया सेंटर यूजीसी द्वारा शुरू किए गए अग्रणी केंद्रों में से एक है। एजेके मास कम्युनिकेशन रिसर्च सेंटर (एजेकेएमसीआरसी), 1984 में यूजीसी द्वारा स्थापित पहले छह केंद्रों में से एक है। इसने वर्ष 1984 से 1991 तक यूजीसी-इनसैट टीवी परियोजना/सीईसी-यूजीसी के लिए संयोजक संस्थान के रूप में कार्य किया। सीईसी कार्यक्रम तैयार करने के अलावा, केंद्र निम्नलिखित कार्यक्रम भी प्रदान करता है:

1. पीएचडी कार्यक्रम
2. एम.ए. जनसंचार
3. एम.ए. कर्न्वजेंट जर्नलिज्म
4. एम.ए. विजुअल इफैक्ट्स एवं एनिमेशन
5. एम.ए. डेवलेपमेंट कम्यूनिकेशन
6. ब्रॉडकास्ट सिस्टम मैंटेनेंस में स्नातकोत्तर डिप्लोमा
7. स्टिल फोटोग्राफी एवं विजुअल कम्यूनिकेशन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा
8. एक्टिंग में स्नातकोत्तर डिप्लोमा
9. एम.एस.सी. इन मैथेमैटिक्स प्रोग्राम्स इन एजुकेशन इन कॉलेब्रेशन विथ मेटा, दिल्ली विश्वविद्यालय

विश्वविद्यालय ने तकनीकी सहायता के साथ फिल्म, टेलीविजन, फोटोग्राफी और एनिमेशन में नए पाठ्यक्रम शुरू करने के लिए दो टीवी और दो रेडियो स्टूडियो स्थापित किए। ये संसाधन जापान की अंतर्राष्ट्रीय सहयोग एजेंसी और कनाडा की अंतर्राष्ट्रीय विकास एजेंसी के सहयोग से विकसित किए गए। विश्वविद्यालय को कार्यक्रम संचालन, प्रारंभिक संकाय आदि के लिए यॉर्क विश्वविद्यालय, कनाडा द्वारा सहयोग प्रदान किया गया। विश्वविद्यालय वर्तमान में मीडिया संबंधी विभिन्न विषयों में सात स्नातकोत्तर (पीजी) और पीएचडी पाठ्यक्रम प्रदान कर रहा है।

जामिया विश्वविद्यालय शैक्षणिक पाठ्यक्रम प्रस्तुत करने के अलावा सीईसी, स्वयं और स्वयंप्रभा डीटीएच चैनलों के लिए कार्यक्रम तैयार कर रहा है। स्वयं प्लेटफॉर्म पर सीईसी द्वारा प्रतिवर्ष प्रदत्त संचालित मूक्स पाठ्यक्रम प्रतिपादन में योगदान कर रहा है। ये केंद्र स्वयंप्रभा डीटीएच चैनल-05 का प्रबंधन, निर्माण और प्रतिदिन की प्रसारण गतिविधियों की देखरेख कर

रहा है। सीईसी से प्रदत्त स्नातक पाठ्यक्रमों के कंटेंट निर्माण, मूक्स पाठ्यक्रमों का अंग्रेजी से हिन्दी भाषा में अनुवाद का कार्य भी ईएमआरसी जामिया द्वारा किया जा रहा है।

शुरुआती समय में कर्मचारी सीईसी के लिए नामित थे, तदोपरांत संबद्ध कर्मचारी एजेके एमसीआरसी में एकीकृत किए गए, विश्वविद्यालय को यूजीसी से प्रदान अनुदान के साथ ईएमआरसी निधि को समेकित किया गया है। ईएमआरसी को मूक्स पाठ्यक्रम और डीटीएच चैनल कार्यक्रम निर्माण के लिए जारी निधि के अलावा अलग से अनुदान प्राप्त नहीं होता है।

निर्माण विवरण

अपनी स्थापना से अब तक, केंद्र ने विभिन्न प्लेटफॉर्म के लिए शैक्षिक कार्यक्रमों के 3,414 से अधिक वीडियो व्याख्यान तैयार किए हैं।

- स्वयंप्रभा डीटीएच चैनल-05 (नवीन कटेंट निर्माण) : 14
- सीईसी से एजेकेएमसीआरसी को आवंटित मूक्स पाठ्यक्रम निर्माण : 2 (स्नातकोत्तर) (अन्य संस्थानों के लिए निर्माण हेतु ईओआई द्वारा कार्य प्रक्रियागत)
- एजेकेएमसीआरसी द्वारा 2024 में संचालित मूक्स : 22 (जनवरी सत्र में 14+ जुलाई सत्र में 8)

निम्न तालिका में 1 अप्रैल, 2024 से 31 मार्च, 2025 तक विभिन्न विषयों के निर्माण आंकड़ों का विवरण है:

क्र.सं.	विवरण	कार्यक्रमों की संख्या
1.	मास कम्यूनिकेशन एवं जर्नलिज्म	02
2.	बैचलर ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट	00
3.	बैचलर ऑफ ट्रैवल एवं ट्यूरिज्म मैनेजमेंट	06
4.	बैचलर ऑफ लाइब्रेरी साइंस	06
	कुलयोग	14

ध्यानार्थ, सभी कार्यक्रम स्वयंप्रभा डीटीएच चैनल-05 (प्रबंधन), और व्यास चैनल पर नियमित रूप से प्रसारित होते हैं।

बजट/ वित्त

विवरण	सीईसी से प्राप्त राशि (रु. में)
स्वयंप्रभा डीटीएच चैनल-05 के संचालन, रखरखाव लागत हेतु प्राप्त अनुदान	शून्य
स्वयंप्रभा डीटीएच चैनल-05 के नवीन कंटेट निर्माण हेतु प्राप्त अनुदान	शून्य

एजेकेएमसीआरसी, जेएमआई चैनल-05 (प्रबंधन) के बकाया शेष राशि का भुगतान। *(01.08.2016 से 30.06.2025 अवधि के 703 कार्यक्रमों की बकाया राशि)*	रु. 1,20,32,800/-

प्रशिक्षण और कार्यशाला

क्र.सं.	विवरण	दिनांक
1.	स्वयं मूक्स लोकल चैप्टर की गतिविधि	प्रतिमाह नियमित रूप से
2.	श्री रोबिन हिबू, विशेष पुलिस आयुक्त, आईपीएस & अरुणाचल प्रदेश, जिरो संबद्ध सीमांत इलाकों के पत्रकारों का एजेकेएमसीआरसी भ्रमण	18/10/2024
3.	बीडीएस पाठ्यक्रम के प्रथम वर्ष के छात्रों का अभिविन्यास कार्यक्रम–दीक्षारंभ-2024 के तहत भ्रमण	06/11/2024
4.	डॉ. बी. आर. अंबेडकर, एएओएसई, मदनपुर खादर	28/01/2025
5.	डॉ. बी. आर. अंबेडकर, एएओएसई, नंदनगरी	28/01/2025
6.	डॉ. बी. आर. अंबेडकर, एएओएसई, रोहिणी, से.-17	29/01/2025
7.	डॉ. बी. आर. अंबेडकर, एएओएसई, द्वारका, गांधीनगर	30/01/2025
8.	डॉ. बी. आर. अंबेडकर, एएओएसई, द्वारका, से.-22	31/01/2025
9.	ईएमआरसी ने स्वयं प्रभा डीटीएच चैनल-05 और स्वयं मूक्स पर केंद्रित जागरूकता अभियान शुरू कर और विभिन्न हितधारकों द्वारा उठाए प्रश्नों का समाधान किया। इसके अतिरिक्त, जेएमआई के विभिन्न विभागों में अनौपचारिक-सत्र और ब्रीफिंग आयोजित की, जिसमें स्वयं मूक्स और स्थानीय चैप्टर के बारे में जानकारी साझा की गई।	अक्तू., 2024 मार्च, 2025
10.	मुख्य रूप से दिल्ली क्षेत्र के स्कूल प्रधानाचार्य और जेएमआई शिक्षक सम्मिलित	25/04/2025

उपलब्धियां/ सम्मान

ईएमआरसी गुणवत्ता और संख्यात्मक मामले में सभी इक्कीस मीडिया केंद्रों में अग्रणी है। विगत 37 वर्षों में इसे विभिन्न श्रेणियों में अनेकों अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है।

उदाहरणार्थ, श्री अमित कुमार सोनकर, कैमरामैन, ग्रेड-II, को 16 फरवरी, 2025 को भारतीय शैक्षिक फिल्म महोत्सव (आईईएफएफ), शाहजहांपुर, यूपी में उनकी लघु फिल्म "नो फियर, वी केयर" के लिए सर्वश्रेष्ठ स्क्रिप्ट श्रेणी में प्रमाण-पत्र और पुरस्कार मिला। उन्होंने लघु फिल्म "लिथियम बैटरी (प्रौद्योगिकी का दूसरा पहलू)" के लिए 12वें अंतर्राष्ट्रीय वृत्तचित्र फिल्म महोत्सव, नोएडा, 2024 में भी भाग लिया।

विविध गतिविधियां/विवरण

वर्तमान में संचालित निम्न गतिविधियां:

- नवीन मूक्स पाठ्यक्रम का निर्माण
- डीटीएच चैनल स्वयंप्रभा-05; प्रबंधन के लिए कंटेंट निर्माण
- एनएमई-आईसीटी परियोजना में पाठ्यक्रम आधारित ई-कंटेट के पांच आवंटित विषयों का निर्माण
- कार्यशालाएं, अभिमुखीकरण कक्षाएं और प्रशिक्षण-सत्र का आयोजन
- इसके साथ ही ऑनलाइन एवं 'ऐप' पर उपलब्ध सामुदायिक रेडियो जामिया के माध्यम से स्वयंप्रभा डीटीएच चैनल और मूक्स पाठ्यक्रमों का प्रचार भी किया जा रहा है
- मीडिया केंद्र द्वारा निर्मित कार्यक्रमों के कारण इसके द्वारा संचालित स्वयंप्रभा चैनल-05 के दर्शकों की संख्या भी प्लेटफॉर्म के अन्य चैनलों की तुलना में काफी उत्साहजनक

मीडिया केंद्र ने देश में मीडिया उत्पादन शिक्षा और अनुसंधान के विकास में बहुत योगदान दिया है। ईएमआरसी में भविष्य में मीडिया शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्र में उत्कृष्टता का केंद्र बनने की क्षमता है।

ईएमआरसी - कालीकट

संयोजक संस्थान: कालीकट विश्वविद्यालय, कालीकट (केरल)

संक्षिप्त परिचय

शैक्षिक मल्टीमीडिया अनुसंधान केंद्र, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी), शैक्षिक संचार संघ (सीईसी) और कालीकट विश्वविद्यालय के बीच एक त्रिपक्षीय समझौता ज्ञापन (एमओयू) के तहत संचालित है। सितंबर, 1998 में अपनी स्थापना के बाद से, केंद्र सर्वोच्च निकाय, सीईसी द्वारा उल्लिखित निर्धारित लक्ष्यों और उद्देश्य प्राप्त करने की दिशा में लगातार कार्यरत है।

निर्माण विवरण

केंद्र वर्तमान में शिक्षा मंत्रालय के शैक्षिक प्लेटफार्म स्वयं और स्वयंप्रभा के लिए वृहद् पैमाने पर मुक्त ऑनलाइन पाठ्यक्रम (मूक्स) और शैक्षिक टीवी कार्यक्रमों का निर्माण कर रहा है।

क. मूक्स पाठ्यक्रम

केंद्र ने 2024-25 (3 सत्र) में स्वयं प्लेटफॉर्म पर कुल 51 मूक्स पाठ्यक्रम प्रस्तुत किए हैं।

जनवरी-जून सत्र, 2024 : 12 मूक्स पाठ्यक्रम
जुलाई-दिसंबर सत्र, 2024 : 19 मूक्स पाठ्यक्रम
जनवरी-जून सत्र, 2025 : 20 मूक्स पाठ्यक्रम

मूक्स पाठ्यक्रम और इसमें पंजीकरण की सूची निम्न प्रकार है:

जनवरी-जून सत्र 2024			
क्र.सं.	पाठ्यक्रम शीर्षक	पाठ्यक्रम समन्वयक	पंजीकरण
1.	जैनेटिक्स एंड जिनोमिक्स	डॉ. जोस पुत्थुर	919
2.	कैमिस्ट्री ऑफ नैनोमैटेरियल्स	डॉ. श्यामचंद एस. एस.	2,492
3.	आर्ट ऑफ सी प्रोग्रामिंग	डॉ. लजिश वी.एल.	14,606
4.	इंफोर्मेशन सिक्योरिटी	डॉ. रेशमा पी.के.	2,168
5.	इकोनॉमिक हिस्ट्री ऑफ इंडिया 1857 से 1947	डॉ. लिंडा जार्ज	949
6.	स्कूल ऑर्गेनाइजेशन: एडमिनिस्ट्रेशन एंड मैनेजमेंट	डॉ. मिनिला के. जार्ज	3,241
7.	कम्यूनिकेटिव इंग्लिश	डॉ. सालिया रैक्स	9,864
8.	डिफ्रेंशियल इक्वेशन्स	डॉ. मौहम्मद निषाद मनीपरंबाथ	1,643
9.	कैलकुलस	डॉ. मंसूर पी.	973
10.	इंट्रोडक्शन टू नैनोसाइंस एंड नैनोटैक्नोलॉजी	डॉ. स्वप्ना एस. नायर	1,347
11.	एप्लाइड एंड इकोनॉमिक जूलॉजी	डॉ. डाएली डॉमिनिक ए.	1,194

12.	एनिमल बॉयोटैक्नोलॉजी	डॉ. जयाश्री एस.	2,836
जुलाई-दिसंबर सत्र 2024			
13.	एजुकेशनल साइकोलॉजी	डॉ. समीर बाबू एम.	1,641
14.	इंकम टैक्स	डॉ. एलिस मणि	2,401
15.	लिट्रेरी क्रिटिसिज्म	डॉ. सी. जी. श्यामला	1,258
16.	बेसिक कॉन्सेप्ट्स इन एंजायमोलॉजी	डॉ. दीपा जी. मुरिकेन	938
17.	साइकोलॉजी एंड वर्क	डॉ. देवी सौम्यजा	703
18.	आईसीटी स्किल्स इन एजुकेशन	डॉ. इस्मायल थम्मारस्सेरी	2,190
19.	डेवलपिंग लाइफ स्किल्स	डॉ. एम. एन. मौहमेदुन्नी एलियास मुस्तफा	3,287
20.	न्यूमेरिकल मैथड्स	डॉ. मंसूर पी.	866
21.	डिस्क्रिट मैथेमैटिक्स	डॉ. मिनिरानी एस.	1,273
22.	कंबिनेटोरियल मैथमैटिक्स	डॉ. रेशमी टी.	976
23.	फाइनाइट एलिमेंट मैथड्स	डॉ. तमाला प्रमानिक	537
24.	थ्योरी ऑफ रियल फंक्शन	डॉ. अंजलि किशोर	549
25.	ग्लिम्सेस ऑफ इंडियन राइटिंग इन इंग्लिश	डॉ. बिंदु एएनएन फिलिफ	892
26.	ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट	डॉ. प्रकाश पिल्लई आर.	3,778
27.	ग्रुप थ्योरी-I	डॉ. रागी पुत्थन वीट्टिल	667
28.	लॉजिक एंड सेट्स	डॉ. मौहम्मद निषाद मनीपरंबाथ	1,082
29.	इंट्रोडक्ट्री कॉन्सेप्ट्स ऑफ डिजिटल कंप्यूटिंग	श्रीमती बेस्टी चाको	592
30.	साइयोकोलॉजी ऑफ डेवलेपमेंट एंड लर्निंग	प्रो. (डॉ.) ए. हामिद	1,032
31.	रिमैन इंटिग्रेशन एंड सीरीज ऑफ फंक्शन्स	डॉ. संजय पी. के.	346
जनवरी-जून सत्र 2025			
32.	मल्टीवैरिएट कैलकुलस	डॉ. बिजुमॉन रामालयाथिल	597
33.	ग्रुप थ्योरी-II	डॉ. मिनिरानी एस.	596
34.	इंड्स्ट्रियल मैथेमैटिक्स	डॉ. मंसूर पी.	530
35.	मैथेमैटिकल मॉडलिंग	डॉ. शफीक टी.	528
36.	एनिमल बॉयोटैक्नोलॉजी	डॉ. जयाश्री एस.	3,345
37.	डिफ्रेंशियल इक्वेशंस	डॉ. मौहम्मद निषाद मनीपरंबाथ	1,041
38.	आर्ट ऑफ सी प्रोग्रामिंग	डॉ. लजिश वी.एल.	1,068
39.	कम्यूनिकेटिव इंग्लिश	डॉ. सालिया रैक्स	6,296
40.	स्कूल ऑर्गेनाइजेशन: एडमिनिस्ट्रेशन एंड मैनेजमेंट	डॉ. मिनिला के. जार्ज	1,886
41.	एप्लाइड एंड इकोनॉमिक जूलॉजी	डॉ. डाएली डॉमिनिक ए.	926

42.	इकोनॉमिक हिस्ट्री ऑफ इंडिया 1857 से 1947	डॉ. लिंडा जार्ज	858
43.	इंफोर्मेशन सिक्योरिटी	डॉ. रेशमा पी.के.	764
44.	इंट्रोडक्शन टू नैनोसाइंस एंड नैनोटैक्नोलॉजी	डॉ. स्वप्ना एस. नायर	1,012
45.	लिनियर प्रोग्रामिंग	डॉ. अनीस कुमार के.	639
46.	मैट्रिक स्पेसेस एंड कॉम्प्लेक्क एनालिसिस	डॉ. अजिथा वी.	518
47.	मॉर्डन यूरोपियन ड्रामा	डॉ. सी. जी. श्यामला	769
48.	इंवायरमेंटल कम्यूनिकेशन	डॉ. मुहमैदाली एन.	553
49.	कैमिस्ट्री ऑफ नैनोमैटेरियल्स	डॉ. श्यामचंद एस. एस.	2,435
50.	इनोवेटिव स्ट्रैटिजिस ऑफ टीचिंग एंड लर्निंग	प्रो. (डॉ.) ए. हामिद	2,955
51.	जैनेटिक्स एंड जिनोमिक्स	डॉ. जोस पुत्थुर	705

ख. डीटीएच कार्यक्रम निर्माण: स्वयंप्रभा डीटीएच चैनल- आर्यभट्ट

स्वयं प्रभा प्लेटफॉर्म पर ईएमएमआरसी, कालीकट विश्वविद्यालय चैनल संख्या-8, जिसका नाम 'आर्यभट्ट' है, का संचालन करता है। यह चैनल मौलिक विज्ञान (गणित, भौतिकी, रसायन विज्ञान, सांख्यिकी) और पृथ्वी विज्ञान (भूविज्ञान, भूगोल) विषय से संबंधित कार्यक्रमों पर आधारित है, और पाठ्यक्रम आधारित शैक्षिक कार्यक्रमों को श्रृंखला, और स्वतंत्र मॉड्यूल के रूप में भी प्रसारित करता है। चैनल, केंद्र में रिकॉर्ड किए और लाइव दोनों तरह के कार्यक्रमों का प्रसारण करता है। हालांकि अधिकांश कार्यक्रम अंग्रेजी में प्रसारित किए जाने के साथ ही चैनल में मलयालम भाषा में प्रसारित कार्यक्रम एक अतिरिक्त अधिमान रखता है।

केंद्र विज्ञान मूक्स श्रृंखला, एनएमईआईसीटी व्याख्यान श्रृंखला, चर्चा कार्यक्रम, वृत्तचित्र आदि भी प्रसारित करता है। चैनल का मासिक कार्यक्रम: https://www.swayamprabha.gov.in/index.php/ program/ current/8 पर उपलब्ध है।

- कुल कार्यक्रम : 238
- कार्यक्रम के घंटे : 119
- प्रसारित : 177 कार्यक्रम (88.5 घंटे)
- लाइव : 6 कार्यक्रम (3 घंटे)

जनवरी, 2024 से चैनल-8 'आर्यभट्ट' में प्रस्तुत किए जाने वाले मुख्य विषयों की विवरण तालिका निम्न प्रस्तुत है:

क्र. सं.	विषय	पाठ्यक्रम	विषय विशेषज्ञ का नाम	कुल मॉड्यूल	प्रस्थिति
1.	कैमिस्ट्री	फंडामैंटल्स ऑफ कैमिस्ट्री	डॉ. श्यामचंद एस. एस.	60	प्रक्रियागत
2.	कैमिस्ट्री	कॉर्डिनेशन कैमिस्ट्री	डॉ. सविथा के. यू.	16	प्रक्रियागत

3.	कैमिस्ट्री	फिजिकल कैमिस्ट्री	डॉ. मर्सी लीना पॉल	45	प्रक्रियागत
4.	स्टेट्स्टिक्स	प्रोबेब्लिटि डिस्ट्रिब्यूशंस	डॉ. कुट्टिकृष्णन्न ए.पी.	40	प्रक्रियागत
5.	कैमिस्ट्री	क्वांटम कैमिस्ट्री	डॉ. श्यामचंद एस. एस.	21	प्रसारित
6.	कैमिस्ट्री	कैमिस्ट्री क्यू एंड ए लाइव इलैक्ट्रो कैमिस्ट्री एंड क्वांटम कैमिस्ट्री	डॉ. मर्सी लीना पॉल, डॉ. श्यामचंद एस. एस.	6	प्रसारित
7.	ज्योग्राफी	ज्योग्राफी ऑफ इंडिया	डॉ. इंदु टी. के.	23	प्रसारित
8.	कैमिस्ट्री	बॉयो इनऑर्गैनिक कैमिस्ट्री	डॉ. हनी मैरी जोसेफ	11	प्रसारित
9.	फिजिक्स	स्टेट्स्टिकल मैकेनिक्स	डॉ. लिबु के. एलैक्जेंडर	16	प्रसारित

बजट/ वित्त

व्यय शीर्ष का विवरण: 36 (वेतन) और 31 (गैर-वेतन)
01.04.2024 से 31.03.2025 अवधि

आरंभिक शेष (रु. में)	**लेखा शीर्ष** (रु. में)	**अनुदान जारी** (रु. में)	**अन्य प्राप्तियां/ब्याज** (रु. में)	**व्यय खर्च** (रु. में)	**अव्ययित शेष** (रु. में)
21,171.00	**वेतन**	199,96,000.00	शून्य	199,73,379.00	**43,792.00**
7,14,202.00	**गैर-वेतन**	8,85,000.00	शून्य	15,00,901.00	**98,301.00**

प्रशिक्षण और कार्यशाला

क्र. सं.	**दिनांक**	**कार्यक्रम**	**स्थान**	**सहभागी एवं संख्या**	
1.	04.10.2024	स्वयं मूक्स अभिविन्यास कार्यक्रम, एक दिवसीय	कालीकट विश्वविद्यालय परिसर	छात्र	485
2.	07.01.2025	स्वयं मूक्स अभिविन्यास	श्री सी. अच्युथा मैनन	छात्र	80

		कार्यक्रम, एक दिवसीय	गवर्मेंट कॉलेज, त्रिशूर		
3.	30.01.2025 & 31.01.2025	डिजायन एंड डेवलपमेंटऑफ ऑनलाइन कोर्सेज (2 दिवसीय कार्यशाला)	राजागिरी कॉलेज ऑफ सोशल साइंसेस एर्नाकुलम	संकाय सदस्य	40
4.	05.02.2025	स्वयं मूक्स अभिविन्यास कार्यक्रम, एक दिवसीय	पेय्यान्नुर कॉलेज, पेय्यान्नुर	छात्र	200
5.	07.02.2025	स्वयं मूक्स अभिविन्यास कार्यक्रम, एक दिवसीय	सैंट बैनेडिक्टस कॉलेज, पास्सुक्केडावु, कोझिकोड	छात्र	170
6.	14.02.2025	टैक्नोलॉजी इंबेल्ड लर्निंग– अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (स्वयं मूक्स)	सैंट मैरीज कॉलेज, त्रिशूर	छात्र एवं संकाय सदस्य	250
7.	24.02.2025	मीडिया प्रोडक्शन फॉर ऑनलाइन कोर्स डेवलेपमेंट (ऑनलाइन)	यूजीसी-मालवीय मिशन टीचर ट्रैनिंग सेंटर (एमएमटीटीसी), केरल विश्वविद्यालय	संकाय सदस्य	87
8.	15.03.2025	डिजायन एंड डेवलपमेंट ऑफ ऑनलाइन कोर्सेस	एजेम्पशन कॉलेज (स्वायत्त), चंगान्स्सेरी	संकाय सदस्य	40

उपलब्धियां/पुरस्कार

पुरस्कार	कार्यक्रम का नाम	विजेता
• एनसीईआरसी ऑल इंडिया चिल्ड्रन्स एजुकेशनल ई-कंटेंट प्रतियोगिता (एआईसीईईसीसीस) 2025 में प्रथम पुरस्कार • टीचर एजुकेशन बॉय गवर्मेंट ऑर्गेनाइजेशन श्रेणी में सर्वोत्तम वीडियो कार्यक्रम का पुरस्कार	वृत्तचित्र: क्यूरियस कनैक्शनंस	श्रीमिथ एन., निर्माण सहायक, ईएमएमआरसी
• एनसीईआरटी- नेशनल एजुकेशनल फिल्म फेस्टिवल, शिलांग में आयोजित, मार्च 2024 में सर्वोत्तम वीडियो कार्यक्रम का पुरस्कार	वृत्तचित्र: रेज्ड ऑन रिथ्म्स	साजिद नाडुथोड़ी, निर्माता, ईएमएमआरसी
• 16वें प्रकृति अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव, जोधपुर, राजस्थान, 4 से 6 दिसंबर, 2024, में मानवाधिकार श्रेणी में सर्वोत्तम वृत्तचित्र का पुरस्कार	वृत्तचित्र: रेज्ड ऑन रिथ्म्स	साजिद नाडुथोड़ी, निर्माता, ईएमएमआरसी
• 26 वे सीईसी-यूजीसी शैक्षणिक फिल्म महोत्सव, लखनऊ विश्वविद्यालय में 20 से 22 मार्च, 2025 को आयोजित में वर्ष के	वृत्तचित्र: रेज्ड ऑन रिथ्म्स	साजिद नाडुथोड़ी, निर्माता, ईएमएमआरसी

सर्वोत्तम कार्यक्रम का पुरस्कार		
• शिलांग में 28 मार्च, 2025 को आयोजित एनसीईआरटी- नेशनल एजुकेशनल फिल्म महोत्सव में पुरस्कार	वृत्तचित्र: नेचर्स बैंडेज	साजिद नाड्डुथोड़ी और लिज रेयलॉट ने संयुक्त रूप से सर्वोत्तम वृत्तचित्र शोध का पुरस्कार जीता
• शिलांग में 28 मार्च, 2025 को आयोजित एनसीईआरटी- नेशनल एजुकेशनल फिल्म महोत्सव में पुरस्कार	वृत्तचित्र: नेचर्स बैंडेज	बान्निस एम. और साजिद पी.सी. ने बेस्ट साउंड रिकॉर्डिंग में संयुक्त रूप से पुरस्कार जीता

विविध गतिविधियां/विवरण

➢ **आईआरआईएस फिल्म महोत्सव- 2025**

कालीकट विश्वविद्यालय में शैक्षिक मल्टीमीडिया अनुसंधान केंद्र (ईएमएमआरसी) ने 21 और 22 फरवरी, 2025 को आईआरआईएस- 2025 फिल्म महोत्सव का सफलतापूर्वक आयोजन किया। दो दिवसीय कार्यक्रम में स्वतंत्र सिनेमा की खुशी मनाई और पूरे भारत से फिल्म निर्माता, विद्वान और सिनेप्रेमी एक मंच पर साथ आए।

इस महोत्सव का उद्घाटन कालीकट विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. पी. रवींद्रन ने किया, जिसमें फिल्म निर्देशक श्री शरण वेणुगोपाल मुख्य अतिथि रहे। इस कार्यक्रम में स्वतंत्र फिल्मों, सेमिनार और खुले मंचों की आकर्षक श्रृंखला शामिल की गई।

महोत्सव के एक कार्यक्रम में 'आर्ट एंड एस्थेटिक्स ऑफ डिजिटल सिनेमैटोग्राफी' विषय पर संगोष्ठी आयोजित की गई।

ईएमआरसी- चैन्नई

संयोजक संस्थान: अन्ना विश्वविद्यालय, चैन्नई

संक्षिप्त परिचय

शैक्षिक मल्टीमीडिया अनुसंधान केंद्र (ईएमआरसी) अन्ना विश्वविद्यालय चैन्नई देश भर के इक्कीस मीडिया केंद्रों में से एक है, जिसे वर्ष 1985 में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा दृश्य-श्रव्य अनुसंधान केंद्र (एवीआरसी) के रूप में स्थापित और वित्त पोषित किया गया, जिसका उद्देश्य शैक्षिक टेलीविजन (ईटीवी) कार्यक्रमों जैसे मूक्स पाठ्यक्रमों का विकास, इलैक्ट्रॉनिक मीडिया का उपयोग करके राष्ट्रीय डीटीएच टेलीविजन- दक्ष, चैनल नंबर-10, पर शैक्षिक कार्यक्रमों का प्रसारण करके समाज में विज्ञान और प्रौद्योगिकी, प्रबंधन, इतिहास, कला और संस्कृति के क्षेत्र में ज्ञान का प्रसार करना है।

निर्माण विवरण

वृत्तचित्र निर्माण 2024-25:

क्र. सं.	वृत्तचित्र का शीर्षक	निर्माता
1	कैटल ऑफ बारगुर हिल्स	श्री. डी. विनोथ राजेश
2	कैटल ऑफ पुलिकुलम	श्री. डी. विनोथ राजेश
3	कच्चीकट्टी ब्लैक शीप	श्री. डी. विनोथ राजेश

स्वयं मूक्स परियोजना:

अब, केंद्र स्वयं मूक्स ऑनलाइन पाठ्यक्रमों पर ध्यान केंद्रित कर रहा है, जो आईसीटी प्लेटफॉर्म के माध्यम से प्रस्तुत किए जाते हैं। जो छात्रों को उच्च गुणवत्ता वाले वीडियो व्याख्यान, पढ़ने के संसाधनों तक पहुंचने में सक्षम बनाता; उन्हें चर्चा मंचों में भाग लेने, परीक्षा और अकादमिक ग्रेड अर्जन की अनुमति देता है। पाठ्यक्रमों को यहां www.swayam.gov.in देखा जा सकता है।

वर्ष 2024-25, मूक्स, ऑनलाइन पाठ्यक्रम

वित्तीय वर्ष 2024-2025 के लिए पाठ्यक्रम निम्नानुसार हैं:

क्र. सं.	ऑनलाइन प्रस्तुत पाठ्यक्रम का नाम	समन्वयक का नाम	पाठ्यक्रम प्रारंभ दिनांक
1	डाटा संरचनाएं	डॉ. जे. इंदुमति, प्रोफेसर, सीएसई विभाग, अन्ना विश्वविद्यालय	22.01.2024
2	डाटाबेस प्रबंधन तंत्र	डॉ. ई. शनमुगा प्रिया, सहायक प्रोफेसर, सीएसई, अन्ना	22.01.2024

		विश्वविद्यालय, डॉ. पी. वेलविझी, सहायक प्रोफेसर, सीएसई विभाग, अन्ना विश्वविद्यालय	
3	डिजिटल इलैक्ट्रॉनिक्स और माइक्रोप्रोसेसर	डॉ. वी. जयलक्ष्मी, प्रोफेसर, ईसीई विभाग, अन्ना विश्वविद्यालय	22.01.2024
4	शहरी स्थानीय शासन	डॉ. एन. अंसुमन रब्बोनी, सहायक प्रोफेसर, प्रमुख, लोक प्रशासन विभाग, मद्रास क्रिश्चियन कॉलेज, तांबरम, चैन्नई	08.07.2024
5	परमाणु एवं कण भौतिकी	डॉ. जी. शशिकला, सहायक प्रोफेसर, क्रिस्टल ग्रोथ सेंटर, अन्ना विश्वविद्यालय, चैन्नई	08.07.2024
6	एनजीओ का सतत विकास	डॉ.एल.सुगंती, प्रोफेसर, प्रबंधन अध्ययन विभाग, अन्ना विश्वविद्यालय, चैन्नई	08.07.2024
7	डाटाबेस प्रबंधन तंत्र	डॉ. ई. शनमुगा प्रिया, सहायक प्रोफेसर, सीएसई, अन्ना विश्वविद्यालय, डॉ. पी. वेलविझी, सहायक प्रोफेसर, सीएसई विभाग, अन्ना विश्वविद्यालय	20.01.2025
8	डाटा संरचनाएं	डॉ.एम.देवामणि, सहायक प्रोफेसर, सूचना विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, अन्ना विश्वविद्यालय, चैन्नई	20.01.2025
9	सार्वजनिक वित्तीय प्रशासन	डॉ. एन. अंसुमन रब्बोनी, सहायक प्रोफेसर और प्रमुख, मद्रास क्रिश्चियन कॉलेज, तांबरम, चेन्नई, डॉ.एन.मिल्टन देवदयावु, लोक प्रशासन विभाग, मद्रास क्रिश्चियन कॉलेज (स्वायत्त), चैन्नई, सहायक प्रोफेसर	20.01.2025
10	डिजिटल इलैक्ट्रॉनिक्स और माइक्रोप्रोसेसर	डॉ. पी. शक्तिवेल, प्रोफेसर, ईसीई विभाग, अन्ना विश्वविद्यालय	13.01.2025

स्वयं प्रभा- डीटीएच परियोजना:

केंद्र ने स्वयं प्रभा पोर्टल पर डायरेक्ट-टू-होम (डीटीएच) कार्यक्रम के लिए डीटीएच चैनल नं.-10 के लिए अनुप्रयुक्त विज्ञान के विषयों में कार्यक्रम विकसित करके प्रधानमंत्री के डिजिटल इंडिया में बहुत योगदान दिया है। इस प्रसारण से इच्छुक शिक्षार्थियों को किसी भी समय, कहीं भी और कितनी भी बार सीखने में मदद मिलेगी। डीटीएच कार्यक्रम भारत सरकार के एमएचआरडी टीवी चैनलों पर दैनिक आधार पर उपलब्ध कराए गए हैं। इस परियोजना के अंतर्गत, केंद्र ने दक्ष, चैनल-10, के लिए अनुप्रयुक्त विज्ञान पर गुणवत्तापूर्ण शैक्षिक कार्यक्रम 24x7 आधार पर बीआईएसएजी, गुजरात द्वारा प्रदत्त माध्यम से अपलोड किए जाते हैं।

- **स्वयं प्रभा दक्ष, चैनल-10, उपलब्ध**:
  - **डीडी फ्री डिश- चैनल नं. 263**
  - **डिश टीवी- चैनल नं. 2010**

डीटीएच स्वयं प्रभा- दक्ष, चैनल-10, ईएमआरसी, चैन्नई, 2024-25, स्टूडियो आधारित सामग्री निर्माण की प्रस्थिति।

क्र. सं.	पाठ्यक्रम	शीर्षक/विषय	निर्माण दिनांक	विषय विशेषज्ञ
1	प्रकाशिकी/लेजर और इसके अनुप्रयोग	लेजर रेजोनेटर भाग-II	08.05.2024	डॉ. वी. मसीलामणि
2	प्रकाशिकी/लेजर और इसके अनुप्रयोग	दर समीकरण	10.05.2024	डॉ. वी. मसीलामणि
3	प्रकाशिकी/लेजर और इसके अनुप्रयोग	हे-ने लेजर	10.05.2024	डॉ. वी. मसीलामणि
4	प्रकाशिकी/लेजर और इसके अनुप्रयोग	सीओ2 लेजरों का डिजाइन विवरण	23.05.2024	डॉ. वी. मसीलामणि
5	प्रकाशिकी/लेजर और इसके अनुप्रयोग	लेजर के अनुप्रयोग	23.05.2024	डॉ.वी.मसीलामणि
6	प्रकाशिकी/लेजर और इसके अनुप्रयोग	मेट्रोलॉजी में लेजर अनुप्रयोग-भाग-1	23.05.2024	डॉ.वी.मसीलामणि
7	प्रकाशिकी/लेजर और इसके अनुप्रयोग	मेट्रोलॉजी में लेजर अनुप्रयोग-भाग-2	27.05.2024	डॉ.वी.मसीलामणि
8	प्रकाशिकी/लेजर और इसके अनुप्रयोग	सुदूर संवेदन में लेजर के अनुप्रयोग	27.05.2024	डॉ.वी.मसीलामणि
9	प्रकाशिकी/लेजर और इसके अनुप्रयोग	होलोग्राफी- भाग-1	27.05.2024	डॉ.वी.मसीलामणि
10	प्रकाशिकी/लेजर और इसके	होलोग्राफी- भाग-2	29.05.2024	डॉ.वी.मसीलामणि

	अनुप्रयोग			
11	प्रकाशिकी/लेजर और इसके अनुप्रयोग	लेजर के सक्रिय अनुप्रयोग-भाग-1	29.05.2024	डॉ.वी.मसीलामणि
12	प्रकाशिकी/लेजर और इसके अनुप्रयोग	लेजर के सक्रिय अनुप्रयोग-भाग-2	31.05.2024	डॉ.वी.मसीलामणि
13	प्रकाशिकी/लेजर और इसके अनुप्रयोग	ऊर्जा के विविध स्रोत	31.05.2024	डॉ.वी.मसीलामणि
14	प्रकाशिकी/लेजर और इसके अनुप्रयोग	लेजर फ्यूजन प्रौद्योगिकी	03.06.2024	डॉ.वी.मसीलामणि
15	प्रकाशिकी/लेजर और इसके अनुप्रयोग	सीओ2 लेजर के अनुप्रयोग	03.06.2024	डॉ.वी.मसीलामणि
16	प्रकाशिकी/लेजर और इसके अनुप्रयोग	आधुनिक संचार के सिद्धांत	05.06.2024	डॉ.वी.मसीलामणि
17	प्रकाशिकी/लेजर और इसके अनुप्रयोग	लेजर संचार	05.06.2024	डॉ.वी.मसीलामणि
18	प्रकाशिकी/लेजर और इसके अनुप्रयोग	लेजर के चिकित्सा अनुप्रयोग-भाग-1	06.06.2024	डॉ.वी.मसीलामणि
19	प्रकाशिकी/लेजर और इसके अनुप्रयोग	लेज़र के चिकित्सा अनुप्रयोग-भाग-2	06.06.2024	डॉ.वी.मसीलामणि
20	बीएससी कंप्यूटर साइंस (कृत्रिम बुद्धिमत्ता)	एल1-बुद्धिमान अनुकूलन एल्गोरिदम-भाग-I	19.06.2024	डॉ.पी.गणेश कुमार
21	बीएससी कंप्यूटर साइंस (कृत्रिम बुद्धिमत्ता)	एल 2-बुद्धिमान अनुकूलन एल्गोरिदम-भाग-2	20.06.2024	डॉ.पी.गणेश कुमार
22	बीएससी कंप्यूटर साइंस (कृत्रिम बुद्धिमत्ता)	एल 3- सॉफ्ट कंप्यूटिंग का परिचय	11.07.2024	डॉ.पी.गणेश कुमार
23	बीएससी कंप्यूटर साइंस (कृत्रिम बुद्धिमत्ता)	एल 4-सॉफ्ट कंप्यूटिंग सादृश्य	11.07.2024	डॉ.पी.गणेश कुमार
24	बीएससी कंप्यूटर साइंस (कृत्रिम बुद्धिमत्ता)	एल5-एआई का परिचय (परिभाषा, समयरेखा, वर्तमान और भविष्य के रुझान)	19.07.2024	डॉ. बामा
25	बीएससी कंप्यूटर साइंस (कृत्रिम बुद्धिमत्ता)	एल 6-बुद्धिमान एजेंट और पर्यावरण	19.07.2024	डॉ. बामा
26	बीएससी कंप्यूटर साइंस (कृत्रिम बुद्धिमत्ता)	एल 7-सी का इतिहास	23.07.2024	डॉ.एस.चित्रा (एमआईटी)

27	बीएससी कंप्यूटर साइंस (कृत्रिम बुद्धिमत्ता)	एल-8 समस्या निर्माण और खोज रणनीति	29.07.2024	डॉ. बामा
28	बीएससी कंप्यूटर साइंस (कृत्रिम बुद्धिमत्ता)	एल-9 समान खोज-चौड़ाई प्रथम और गहराई प्रथम	29.07.2024	डॉ. बामा
29	बीएससी कंप्यूटर साइंस (कृत्रिम बुद्धिमत्ता)	एल-10 कृत्रिम तंत्रिका नेटवर्क का परिचय	29.07.2024	डॉ.पी.गणेश कुमार
30	बीएससी कंप्यूटर साइंस (कृत्रिम बुद्धिमत्ता)	एल-11 बेसिक एएनएन मॉडल	29.07.2024	डॉ.पी.गणेश कुमार
31	बीएससी कंप्यूटर साइंस (कृत्रिम बुद्धिमत्ता)	एल-12 बैक प्रोपेगेशन न्यूरल नेटवर्क	30.07.2024	डॉ.पी.गणेश कुमार
32	बीएससी कंप्यूटर साइंस (कृत्रिम बुद्धिमत्ता)	एल-13 बैक प्रोपेगेशन न्यूरल नेटवर्क के डिज़ाइन पैरामीटर	31.07.2024	डॉ.पी.गणेश कुमार
33	बीएससी कंप्यूटर साइंस (कृत्रिम बुद्धिमत्ता)	एल-14 मैटलैब -एक वैज्ञानिक कंप्यूटिंग टूल-(भाग-1) (लिखित)	31.07.2024	डॉ.पी.गणेश कुमार
34	बीएससी कंप्यूटर साइंस (कृत्रिम बुद्धिमत्ता)	एल-16-"सी प्रोग्रामिंग शैली"	02.08.2024	डॉ.एस.चित्रा (एमआईटी)
35	बीएससी कंप्यूटर साइंस (कृत्रिम बुद्धिमत्ता)	एल-17- यूनिफॉर्म्ड सर्च तकनीकें यूसीएस, डीएल, आईडीएल-भाग-1	07.08.2024	डॉ. बामा
36	बीएससी कंप्यूटर साइंस (कृत्रिम बुद्धिमत्ता)	एल-18- यूनिफॉर्म्ड सर्च तकनीक यूसीएस, डीएल, आईडीएल-भाग-2	07.08.2024	डॉ. बामा
37	बीएससी कंप्यूटर साइंस (कृत्रिम बुद्धिमत्ता)	एल-20- मैटलैब एक वैज्ञानिक कंप्यूटिंग टूल-(लैब-1)	20.08.2024	डॉ.पी.गणेश कुमार
38	बीएससी कंप्यूटर साइंस (कृत्रिम बुद्धिमत्ता)	एल-22- मैटलैब एक वैज्ञानिक कंप्यूटिंग टूल-(लैब-2)	04.09.2024	डॉ.पी.गणेश कुमार
39	बीएससी कंप्यूटर साइंस (कृत्रिम बुद्धिमत्ता)	एल-23- सूचित खोज - लालची सर्वोत्तम प्रथम खोज	09.09.2024	डॉ. बामा
40	बीएससी कंप्यूटर साइंस	एल-24- सूचित खोज -	09.09.2024	डॉ. बामा

	(कृत्रिम बुद्धिमत्ता)	ए* खोज		
41	बीएससी कंप्यूटर साइंस (कृत्रिम बुद्धिमत्ता)	एल-25- चर और डाटा प्रकार	20.09.2024	डॉ.एस.चित्रा (एमआईटी)
42	बीएससी कंप्यूटर साइंस (कृत्रिम बुद्धिमत्ता)	एल-26- प्रतीकात्मक स्थिरांक, ओवरफ्लो और अंडरफ्लो	20.09.2024	डॉ.एस.चित्रा (एमआईटी)
43	बीएससी कंप्यूटर साइंस (कृत्रिम बुद्धिमत्ता)	एल-27- हिल क्लाइंबिंग एल्गोरिथ्म	25.09.2024	डॉ. बामा
44	बीएससी कंप्यूटर साइंस (कृत्रिम बुद्धिमत्ता)	एल-29-अंकगणित, संबंधपरक, तार्किक ऑपरेटर	21.10.2024	डॉ.एस.चित्रा (एमआईटी)
45	बीएससी कंप्यूटर साइंस (कृत्रिम बुद्धिमत्ता)	एल-30-असाइनमेंट ऑपरेटर, वेतन वृद्धि और कमी ऑपरेटर, सशर्त ऑपरेटर	21.10.2024	डॉ.एस.चित्रा (एमआईटी)
46	बीएससी कंप्यूटर साइंस (कृत्रिम बुद्धिमत्ता)	एल-31-बिटवाइज ऑपरेटर, विशेष ऑपरेटर	21.10.2024	डॉ.एस.चित्रा (एमआईटी)
47	बीएससी कंप्यूटर साइंस (कृत्रिम बुद्धिमत्ता)	एल-38- डाटा संरचना और एल्गोरिदम का परिचय और अवलोकन-भाग-1	15.11.2024	डॉ.डेजे
48	बीएससी कंप्यूटर साइंस (कृत्रिम बुद्धिमत्ता)	एल-39- डाटा संरचना और एल्गोरिदम का परिचय और अवलोकन-भाग-2	15.11.2024	डॉ.डेजे
49	बीएससी कंप्यूटर साइंस (कृत्रिम बुद्धिमत्ता)	एल-44-एल्गोरिदम की जटिलता	16.12.2024	डॉ.डेजे
50	बीएससी कंप्यूटर साइंस (कृत्रिम बुद्धिमत्ता)	एल-45-सारणी	16.12.2024	डॉ.डेजे
51	बीएससी कंप्यूटर साइंस (कृत्रिम बुद्धिमत्ता)	एल-46-मैटलैब का उपयोग करके बैक प्रोपेगेशन न्यूरल नेटवर्क का कार्यान्वयन (सिद्धांत)	18.12.2024	डॉ.पी.गणेश कुमार
52	बीएससी कंप्यूटर साइंस (कृत्रिम बुद्धिमत्ता)	एल-47-मैटलैब का उपयोग करके बैक	18.12.2024	डॉ.पी.गणेश कुमार

		प्रोपेगेशन न्यूरल नेटवर्क का कार्यान्वयन (लैब)		
53	बीएससी कंप्यूटर साइंस (कृत्रिम बुद्धिमत्ता)	एल-48-बैक प्रोपेगेशन न्यूरल नेटवर्क का अनुप्रयोग: नेटवर्क सुरक्षा (सिद्धांत और प्रयोगशाला)	18.12.2024	डॉ.पी.गणेश कुमार
54	बीएससी कंप्यूटर साइंस (कृत्रिम बुद्धिमत्ता)	एल-49-बैक प्रोपेगेशन न्यूरल नेटवर्क का अनुप्रयोग: स्वास्थ्य देखभाल (सिद्धांत और प्रयोगशाला)	18.12.2024	डॉ.पी.गणेश कुमार
55	बीएससी कंप्यूटर साइंस (कृत्रिम बुद्धिमत्ता)	एल-50-ज्ञान प्रतिनिधित्व	18.12.2024	डॉ. बामा
56	बीएससी कंप्यूटर साइंस (कृत्रिम बुद्धिमत्ता)	एल-51-खोज तकनीकें (पुनरावृत्ति)	18.12.2024	डॉ. बामा
57	बीएससी कंप्यूटर साइंस (कृत्रिम बुद्धिमत्ता)	एल-52-ऐरे एडीटी सम्मेलन और विलोपन संचालन	19.12.2024	डॉ.डेजे
58	बीएससी कंप्यूटर साइंस (कृत्रिम बुद्धिमत्ता)	एल-53-ऐरे एडीटी खोज और सॉर्टिंग ऑपरेशन	19.12.2024	डॉ.डेजे
59	बीएससी कंप्यूटर साइंस (कृत्रिम बुद्धिमत्ता)	एल-54-सी में पॉइंटर्स और संरचनाएं: एक रिफ्रेशर	19.12.2024	डॉ.डेजे
60	बीएससी कंप्यूटर साइंस (कृत्रिम बुद्धिमत्ता)	एल-55-लिंक्ड सूची एडीटी- प्रकार, निर्माण और ट्रैवर्सल	19.12.2024	डॉ.डेजे
61	बीएससी कंप्यूटर साइंस (कृत्रिम बुद्धिमत्ता)	एल-56-डीप न्यूरल नेटवर्क (भाग-I)	19.12.2024	डॉ.पी.गणेश कुमार
62	बीएससी कंप्यूटर साइंस (कृत्रिम बुद्धिमत्ता)	एल-57-डीप न्यूरल नेटवर्क (भाग-II)	19.12.2024	डॉ.पी.गणेश कुमार
63	बीएससी कंप्यूटर साइंस (कृत्रिम बुद्धिमत्ता)	एल-63-स्वरूपित इनपुट और आउटपुट	09.01.2025	डॉ.एस.चित्रा (एमआईटी)
64	बीएससी कंप्यूटर साइंस (कृत्रिम बुद्धिमत्ता)	एल-64-निर्णय लेने का वक्तव्य-भाग-1	09.01.2025	डॉ.एस.चित्रा (एमआईटी)
65	बीएससी कंप्यूटर साइंस	एल-65-प्रस्ताव तर्क के	13.01.2025	डॉ. बामा

	(कृत्रिम बुद्धिमत्ता)	साथ तर्क- वम्पस विश्व उदाहरण		
66	बीएससी कंप्यूटर साइंस (कृत्रिम बुद्धिमत्ता)	एल-66-प्रेडिकेट लॉजिक समाधान	13.01.2025	डॉ. बामा
67	बीएससी कंप्यूटर साइंस (कृत्रिम बुद्धिमत्ता)	एल-67-स्टैक एडीटी- ऐरे प्रतिनिधित्व	24.01.2025	डॉ.डेजे
68	बीएससी कंप्यूटर साइंस (कृत्रिम बुद्धिमत्ता)	एल-68-स्टैक एडीटी- लिंक्ड सूची प्रतिनिधित्व	24.01.2025	डॉ.डेजे
69	बीएससी कंप्यूटर साइंस (कृत्रिम बुद्धिमत्ता)	एल-69-स्टैक अनुप्रयोग- रिकर्सन और हनोई टावर्स (भाग-I)	24.01.2025	डॉ.डेजे
70	बीएससी कंप्यूटर साइंस (कृत्रिम बुद्धिमत्ता)	एल-70-स्टैक अनुप्रयोग (भाग-II)	25.01.2025	डॉ.डेजे
71	बीएससी कंप्यूटर साइंस (कृत्रिम बुद्धिमत्ता)	एल -71-कतार- सारणी प्रतिनिधित्व	25.01.2025	डॉ.डेजे
72	बीएससी कंप्यूटर साइंस (कृत्रिम बुद्धिमत्ता)	एल-72-वृत्ताकार सारणी के रूप में कतार	25.01.2025	डॉ.डेजे
73	बीएससी कंप्यूटर साइंस (कृत्रिम बुद्धिमत्ता)	एल-73-कतार-लिंक्ड प्रतिनिधित्व	25.01.2025	डॉ.डेजे
74	बीएससी कंप्यूटर साइंस (कृत्रिम बुद्धिमत्ता)	एल-74-सक्रियण कार्य	30.01.2025	डॉ.प्रिया अय्यर
75	बीएससी कंप्यूटर साइंस (कृत्रिम बुद्धिमत्ता)	एल-75-निर्णय लेने का वक्तव्य-भाग-2	31.01.2025	डॉ.एस.चित्रा (एमआईटी)
76	बीएससी कंप्यूटर साइंस (कृत्रिम बुद्धिमत्ता)	एल-76-निर्णय लेने का वक्तव्य-भाग-3	31.01.2025	डॉ.एस.चित्रा (एमआईटी)
77	बीएससी कंप्यूटर साइंस (कृत्रिम बुद्धिमत्ता)	एल-79- व्हाइल डू व्हाइल स्टेटमेंट्स	04.03.2025	डॉ.एस.चित्रा (एमआईटी)
78	बीएससी कंप्यूटर साइंस (कृत्रिम बुद्धिमत्ता)	एल-80-स्टेटमेंट और जंप के लिए	04.03.2025	डॉ.एस.चित्रा (एमआईटी)
79	बीएससी कंप्यूटर साइंस (कृत्रिम बुद्धिमत्ता)	एल-85-सिग्मॉइड फंक्शन	09.04.2025	डॉ.प्रिया अय्यर
80	बीएससी कंप्यूटर साइंस (कृत्रिम बुद्धिमत्ता)	एल-86-तान्ह और रीएलयू	15.04.2025	डॉ.प्रिया अय्यर
81	बीएससी कंप्यूटर साइंस (कृत्रिम बुद्धिमत्ता)	एल-87-मशीन लर्निंग	21.04.2025	डॉ.प्रिया अय्यर

82	बीएससी कंप्यूटर साइंस (कृत्रिम बुद्धिमत्ता)	एल-88-एमएल उपकरण और पायथन	22.04.2025	डॉ.प्रिया अय्यर
83	बीएससी कंप्यूटर साइंस (कृत्रिम बुद्धिमत्ता)	एल -89-टेंसरफ्लो फ्रेमवर्क	22.04.2025	डॉ.प्रिया अय्यर

बजट/वित्त

क्र. सं.	परियोजना	प्रारंभिक जमा 01.04.2024 (रु. में)	प्राप्त राशि 2024-25 (रु. में)	कुल प्राप्तियां (रु. में)	व्यय खर्च (रु. में)	अव्ययित शेष राशि 31.03.2025 (रु. में)
1	स्वयं प्रभा डीटीएच-परिचालन लागत	35,08,259	शून्य	35,08,259	20,17,089	14,91,170
2	स्वयं प्रभा-डीटीएच-नवीन सामग्री निर्माण	- 4,54,798	4,87,000	32202	27,500	4,702
3	मूक्स ई-कंटेंट	26,82,475	32,16,013	58,98,488	34,94,395	24,04,093
4	मूक्स-क्षेत्रीय भाषा में अनुवाद (तमिल डबिंग)	1,17,439	शून्य	1,17,439	1,48,672	(-) 31,233

प्रशिक्षण और कार्यशाला

स्वयं मूक्स और स्वयंप्रभा-डीटीएच अभिविन्यास कार्यक्रम- निदेशक, ईएमआरसी और अकादमिक समन्वयक-डीटीएच द्वारा अन्य संस्थान संकायों को दी गई प्रस्तुति:

1. 04.04.2024 को मानविकी और विज्ञान संकाय-मीनाक्षी उच्च शिक्षा और अनुसंधान अकादमी (एमएएचईआर), पश्चिम केके नगर, चैन्नई में स्वयंप्रभा और मूक्स-शिक्षा का एक एकीकृत भाग पर संकाय विकास कार्यक्रम।
2. 03.06.2024 को एमओपी वैष्णव कॉलेज फॉर वूमैन में संकाय विकास- स्वयं प्रभा और एमओओसी-शिक्षा का एक अभिन्न अंग कार्यक्रम।
3. 18.06.2024 को डीजी वैष्णव कॉलेज, चैन्नई में ई-कंटेंट निर्माण कार्यक्रम।

4. 06.09.2024 को मदर टेरेसा विश्वविद्यालय, कोडाइकनाल (मदुरै परिसर) में ई कंटेंट-स्वयं प्रभा और मूक्स पर संकाय विकास कार्यक्रम।
5. संकाय विकास कार्यक्रम- स्वयं प्रभा और मूक्स-शिक्षा का एक अभिन्न अंग, 28.09.2024 को हिंदुस्तान कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड साइंस, पादुर, केलंबक्कम, चेन्नई में कार्यक्रम।
6. संकाय विकास कार्यक्रम- स्वयंप्रभा और मूक्स-शिक्षा का एक अभिन्न अंग, 06.03.2025 को जस्टिस बशीर अहमद सईद महिला कॉलेज, चेन्नई-18 में कार्यक्रम।
7. संकाय विकास कार्यक्रम- स्वयंप्रभा और मूक्स-शिक्षा का एक अभिन्न अंग, 06.03.2025 को भारत विश्वविद्यालय, सेलयूर, चेन्नई में कार्यक्रम।

कार्यशाला आयोजन और उसमें सहभागिता:

क. कार्यशाला आयोजित

1. ईएमआरसी, चैन्नई ने राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम, नेटफ्लिक्स और पर्ल एकेडमी के साथ मिलकर 4 से 9 नवंबर, 2024 तक "द वॉयसबॉक्स" शीर्षक से वॉयस ओवर पर छह दिवसीय कार्यशाला आयोजित की। इस कार्यशाला को वॉयस ओवर तकनीकों के कौशल को बढ़ाने के लिए राष्ट्रीय प्रशिक्षक द्वारा किया गया।
2. "फाउंडेशनल डाटा साइंस" पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला/सीईसी के शोधकर्ताओं की बैठक 27 से 29 मार्च, 2025 तक कलाम इनोवेशन ड्रीम स्पेस सेमिनार हॉल और रामानुजम कंप्यूटिंग सेंटर, अन्ना विश्वविद्यालय, चैन्नई के भवन कंप्यूटर लैब में आयोजित की गई। कार्यशाला का आयोजन ईएमआरसी, अन्ना विश्वविद्यालय, चैन्नई द्वारा शैक्षिक संचार संकाय (सीईसी), नई दिल्ली के सहयोग से किया गया था।

ख. कार्यशाला में सहभागिता

1. डॉ. दामोधरन उमापति, शैक्षणिक समन्वयक, ने 16.05.2024 को ईएमआरसी-कालीकट, कालीकट विश्वविद्यालय, केरल में स्वयं प्रभा 2.0 कार्यशाला में भाग लिया।
2. श्रीमती ई. सुथंथरा देवी, व्यावसायिक सहायक (पुस्तकालय), ने पेंसिलबिट्ज के सहयोग से अगरुचंद मनमुल्ल जैन कॉलेज, मीनांबकम, चैन्नई के लेखा एवं वित्त विभाग द्वारा आयोजित "शिक्षण के लिए एआई उपकरण" विषय पर पांच दिवसीय ऑनलाइन एफडीपी, 20 से 24 जनवरी, 2025 तक (दोपहर 2 से शाम 4 बजे तक), में भाग लिया।
3. श्रीमती ई. सुथंथरा देवी, व्यावसायिक सहायक (पुस्तकालय), ने शेवेलियर टी. थॉमस

एलिजाबेथ महिला कॉलेज (पेरंबूर, चैन्नई) में भाग लिया, और एक पेपर प्रस्तुत किया, जो गुरुवार, 6 फरवरी 2025 को कॉलेज के जेजेके ऑडिटोरियम में "शैक्षणिक और अनुसंधान पुस्तकालयाध्यक्षता में एआई-संचालित नवाचारों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन" आयोजित किया गया। पेपर का शीर्षक: एआई और पुस्तकालय विस्तार गतिविधियाँ और आउटरीच कार्यक्रम रहा।

4. श्रीमती ई. सुथंथरा देवी, व्यावसायिक सहायक (पुस्तकालय), ने 07.03.2025 (2:30-5:00 बजे), पुस्तकालय और सूचना विज्ञान विभाग, पेरियार विश्वविद्यालय, सेलम द्वारा आयोजित "वर्तमान युग में व्यावसायिक कौशल को बढ़ाने" पर अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार में भाग लिया।

5. श्रीमती ई. सुथंथरा देवी, व्यावसायिक सहायक (पुस्तकालय), ने 12 मार्च, 2025 (2.30-4.15) को डॉ. गोपाकुमार वी., प्रमुख, ज्ञान केंद्र, केयूडीएसआईटी, तिरुवनंतपुरम द्वारा "डाटा विजुअलाइजेशन टूल्स और तकनीक" पर डेलनेट वेबिनार में भाग लिया।

उपलब्धियां/पुरस्कार

ईएमआरसी, चैन्नई ने "कैटल ऑफ बारगुर हिल्स" नामक एक वृत्तचित्र फिल्म का निर्माण किया। वृत्तचित्र फिल्म को यूजीसी, सीईसी और ईएमआरसी- जोधपुर द्वारा संयुक्त रूप से 4-6 दिसंबर, 2024 को आयोजित 16वें प्रकृति फिल्म महोत्सव में मानवाधिकार श्रेणी में स्क्रीनिंग के लिए चुना गया। यह वृत्तचित्र भारत के पश्चिमी तमिलनाडु में इरोड जिले के एंथियुर तालुक में बरगुर वन पहाड़ियों में बारगुर मवेशियों प्रजातियों के बारे में है। यह फिल्म बारगुर पहाड़ियों के क्षेत्र में चरवाहे समुदायों द्वारा प्रदान की गई तथ्यात्मक जानकारी के आधार पर कठिनाइयों, वर्तमान स्थिति और अभ्यावेदन का दस्तावेजीकरण करती है। इस फिल्म का निर्देशन ईएमआरसी के निदेशक डॉ. एस. अरुलचेलवन ने किया। इस वृत्तचित्र फिल्म का निर्माण श्री डी. विनोथ राजेश, ईएमआरसी, अन्ना विश्वविद्यालय, चैन्नई द्वारा किया गया।

विविध गतिविधियां/ विवरण

1. ईएमआरसी, चैन्नई के निदेशक डॉ. एस. अरुलचेलवन ने सीईसी और यूजीसी की निम्नलिखित बैठकों में भाग लिया-

   1.1. यूजीसी 35 शीर्ष के अंतर्गत अनुदान सहायता की आवश्यकता पर चर्चा हेतु दिनांक 29.01.2025 को ऑनलाइन बैठक आयोजित की गई।

   1.2. वित्तीय वर्ष-2025-2026 हेतु बजट अनुमान हेतु यूजीसी की ऑनलाइन बैठक दिनांक 05.05.2025 को हुई।

   1.3. 106वीं राष्ट्रीय समन्वय समिति 14-15 नवंबर, 2024 को सावित्रीबाई फूले पुणे

विश्वविद्यालय में हुई।

1.4. 16वां प्रकृति अंतर्राष्ट्रीय वृत्तचित्र फिल्म महोत्सव 4 से 6 दिसंबर, 2024 को जय नारायण व्यास स्मृति भवन, जोधपुर में आयोजित किया गया।

2. ईएमआरसी, चैन्नई की 21वीं प्रबंधन बोर्ड बैठक 26.07.2024 को की गई।

3. सीईसी की डिजिटल शिक्षा शब्दावली तैयार करने के लिए ईएमआरसी, चैन्नई को पंद्रह शब्द दिए गए थे। शब्दों का विवरण क्षेत्र के संबंधित विशेषज्ञ द्वारा तैयार किया गया, और सीईसी के पूर्वावलोकन के बाद सीईसी को प्रस्तुत किया गया।

4. यूजीसी अनुरक्षण अनुदान के अंतर्गत "विशेष सहायक" पदनाम पर नई नियुक्ति का एक अस्थायी पद अक्तूबर, 2024 को सृजित किया गया।

5. एनएएसी मान्यता, एनबीए मान्यता प्राप्ति के लिए संयोजक विश्वविद्यालय को केंद्र की गतिविधि का विवरण प्रस्तुत किया गया।

6. तमिलनाडु के सभी कला और विज्ञान विश्वविद्यालयों को स्वयं मूक्स पाठ्यक्रम प्रचार पत्र के भेजे गए। मद्रास विश्वविद्यालय, पेरियार विश्वविद्यालय, अलगप्पा विश्वविद्यालय, अन्नामलाई विश्वविद्यालय, तिरुवल्लुवर विश्वविद्यालय, मदुरै कामराज विश्वविद्यालय के संबद्ध कॉलेजों को पाठ्यक्रम प्रचार के ईमेल भेजे गए। भारत में लोक प्रशासन पाठ्यक्रम प्रदान करने वाले कॉलेजों को पाठ्यक्रम प्रचार पत्र भेजे गए।

ईएमआरसी- डिब्रूगढ़

संयोजक संस्थान: डिब्रूगढ़ विश्वविद्यालय, डिब्रूगढ़

संक्षिप्त परिचय

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी), भारत सरकार द्वारा वर्ष 2012 में "ऑडियो-वीडियो/मल्टीमीडिया कार्यक्रमों के उत्पादन और प्रसार के उद्देश्य से, प्रासंगिक अनुसंधान का संचालन, आवश्यक मानवशक्ति का प्रशिक्षण और शिक्षा के लिए इलेक्ट्रॉनिक मीडिया और आईसीटी के अधिकतम उपयोग के लिए विश्वविद्यालय प्रणाली में संबंधित संस्कृति को बढ़ावा देना" के उद्देश्य वाले केंद्र, डिब्रूगढ़ विश्वविद्यालय को शैक्षिक मल्टीमीडिया अनुसंधान केंद्र (ईएमआरसी) प्रदान किया गया। डिब्रूगढ़ विश्वविद्यालय के अधिकारियों ने विश्वविद्यालय परिसर में ईएमआरसी को एक उपयुक्त बुनियादी ढांचा आवंटित किया है। वर्ष 2015 में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी), शैक्षिक संचार संकाय (सीईसी) और डिब्रूगढ़ विश्वविद्यालय के बीच एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। केंद्र का संचालन डिब्रूगढ़ विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति और सीईसी के निदेशक की संयुक्त अध्यक्षता में प्रबंधन बोर्ड द्वारा किया जाता है। ईएमआरसी, डिब्रूगढ़ विश्वविद्यालय में स्टूडियो "प्रज्ञाविजन" का उद्घाटन 22 अक्तूबर, 2021 को सीईसी के निदेशक प्रो. जगत भूषण नड्डा ने किया।

वर्तमान में, डिब्रूगढ़ विश्वविद्यालय का ईएमआरसी परियोजना के तहत चल रहा है और यूजीसी ने इसकी अवधि वर्ष 2028 तक बढ़ा दी है।

निर्माण विवरण

वर्ष 2024-25 में ईएमआरसी, डीयू द्वारा निर्मित कार्यक्रम निम्न सूचीबद्ध हैं-

- **स्वयं स्नातक मूक्स= 04**

  ईएमआरसी डिब्रूगढ़ विश्वविद्यालय ने वर्ष 2024 में 4 नवीन मूक्स पाठ्यक्रमों का निर्माण पूरा कर लिया। ये पाठ्यक्रम निम्न हैं:

  1. वैश्विक राजनीति: डॉ. ओब्जा बोरा हजारिका
  2. कला प्रशंसा: एक परिचय- डॉ. काकोली गोगोई
  3. समकालीन विश्व में मुद्दे: डॉ. चंदन कुमार सरमा
  4. कार्य का समाजशास्त्र: डॉ. उपासना सरमाह

- **स्वयं स्नातक मूक्स, पुन: संचालित= 04**

सीईसी ने ईएमआरसी, डिब्रूगढ़ को वर्ष 2025 में पुन: से 4 पाठ्यक्रम संचालन का प्रस्ताव दिया और यह वर्तमान में संचालित किए जा रहे हैं। इन पाठ्यक्रम के शीर्षक इस प्रकार हैं:

1. प्रोग्रामिंग इन पायथन- डॉ. रिजवान रहमान
2. इंट्रोडक्शन टू इकोनॉमैट्रिक्स- प्रो. डी. के. चक्रवर्ती
3. रियल एनालिसिस- प्रो. सुराजीत बोरकोटोकी
4. डायरेक्ट टैक्स: लॉ एंड प्रैक्टिस- प्रो. सुभ्रांग्शु शेखर सरकार

- **स्वयं स्नातक मूक्स पाठ्यक्रम उन्नयन= 02**

  सीईसी ने ईएमआरसी, डिब्रूगढ़ को 2025 में फिर से 2 कोर्स चलाने का प्रस्ताव दिया है, और यह वर्तमान में चल रहा है। इन कोर्स के शीर्षक हैं:

  1. प्रोग्रामिंग इन पायथन- डॉ. रिजवान रहमान
  2. रियल एनालिसिस- प्रो. सुराजीत बोरकोटोकी

बजट/वित्त

ईएमआरसी, डीयू को समय-समय पर यूजीसी और सीईसी, नई दिल्ली से अनुदान प्राप्त हुआ है। वित्तीय वर्ष 2024-25 में ईएमआरसी, डीयू को प्राप्त अनुदानों की सूची निम्न है:

- वित्तीय वर्ष 2023-24 में "प्रोग्रामिंग इन पायथन" शीर्षक मूक्स के विकास के लिए सीईसी से 3,82,500/- रु. (तीन लाख बयासी हजार पांच सौ रु. मात्र) प्राप्त हुए।
- वित्तीय वर्ष 2023-24 में "कार्य का समाजशास्त्र" शीर्षक से मूक्स के विकास के लिए सीईसी से 7,59,375/- रु. (सात लाख उनसठ हजार तीन सौ पचहत्तर रु. मात्र) प्राप्त हुए।
- वित्तीय वर्ष 2023-24 में मूक्स के पुनः संचालन के लिए सीईसी से 11,60,000/- रु. (ग्यारह लाख साठ हजार रु. मात्र) प्राप्त हुए।
- मूक्स पाठ्यक्रमों के विकास के लिए सीईसी से 32,79,376/- रु. (बत्तीस लाख उनहत्तर हजार तीन सौ छिहत्तर रु. मात्र) प्राप्त हुए।
- जुलाई, 2024 सत्र के लिए 07 मूक्स प्रदान करने हेतु सीईसी से रु. 7,90,000/- (सात लाख नब्बे हजार रु. मात्र) प्राप्त हुए।
- यूजीसी सामान्य परिसम्पत्ति अनुदान 35 शीर्ष के अंतर्गत रु. 1,60,000/- (एक लाख साठ हजार रु. मात्र) प्राप्त हुए।

- यूज़ीसी सामान्य परिसम्पत्ति अनुदान 35 शीर्ष के अंतर्गत रु. 3,20,000/- (तीन लाख बीस हजार रु. मात्र) प्राप्त हुए।
- यूज़ीसी सामान्य परिसम्पत्ति अनुदान से 35 शीर्ष के अंतर्गत रु. 15,20,000/- (15 लाख बीस हजार रु. मात्र) प्राप्त हुए।
- 31 शीर्ष के अंतर्गत यूज़ीसी अनुदान सहायता से रु. 10,00,000/- (केवल दस लाख रु. मात्र) प्राप्त हुए।
- 'डायरेक्ट टैक्स: लॉ एंड प्रैक्टिस' शीर्षक वाले मूक्स की प्रस्तुति भुगतान के लिए सीईसी से रु. 1,20,000/- (एक लाख बीस हजार रु. मात्र) प्राप्त हुए।

विविध गतिविधियां / विवरण

जन संचार और पत्रकारिता के छात्र स्टूडियो को देखने आते हैं, और प्रशिक्षण सत्र मे भी सम्मिलित होते हैं।

ईएमआरसी- ईएफएल्यू हैदराबाद

संयोजक संस्थान: अंग्रेजी और विदेशी भाषा विश्वविद्यालय (ईएफएल्यू), हैदराबाद (तेलंगाना)

संक्षिप्त परिचय

शैक्षिक मल्टीमीडिया अनुसंधान केंद्र (ईएमआरसी) की स्थापना वर्ष 1983 में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, यूजीसी, नई दिल्ली द्वारा अंग्रेजी और विदेशी भाषा विश्वविद्यालय, ईएफएल्यू, हैदराबाद में एक विभाग के रूप में की गई थी।

ईएमआरसी की स्थापना का एकमात्र उद्देश्य दृश्य-श्रव्य प्रारूपों में डिजिटल रूप से सक्षम और मल्टीमीडिया संवहन गुणवत्ता वाली उच्च शैक्षणिक सामग्री निर्माण करना था, जिसे टेलीविजन सहित विभिन्न डिजिटल प्लेटफार्म पर स्ट्रीम और प्रसारित किया जाना था।

ईएमआरसी-ईएफएल्यू, हैदराबाद, देश के अग्रणी मीडिया केंद्रों में से एक है, जिसके पास स्नातक और स्नातकोत्तर छात्रों के लिए विभिन्न विषयों पर लगभग 4000 गुणवत्तायुक्त उच्च शैक्षणिक ऑडियो/वीडियो सामग्री है।

ईएमआरसी ईएफएल्यू, हैदराबाद ने यूजीसी के तहत दूरदर्शन प्राइम चैनल- डीडी पर प्रसारित कुछ बहुत लोकप्रिय श्रृंखलाओं का निर्माण किया है। इनमें करियर काउंसलिंग, एपी में बौद्ध धर्म, द परस्यूट, न्यू होराइजन्स आदि पर श्रृंखलाएं शामिल हैं। केंद्र ने हैदराबाद और देश के अन्य स्थानों पर स्थापित प्रतिष्ठित राष्ट्रीय संस्थानों के साथ मिलकर निर्माण किया है।

केंद्र ने पूरे भारत में वार्षिक यूजीसी-सीईसी वीडियो महोत्सवों में सर्वश्रेष्ठ ऑडियो वीडियो (टीवी) निर्माण के लिए 27 राष्ट्रीय पुरस्कार जीते हैं।

केंद्र में स्वीकृत कर्मचारियों की संख्या अड़तीस है, जिसमें सुयोग्य और प्रशिक्षित निर्माता, निर्माण और तकनीकी कर्मचारी शामिल हैं, जो केंद्र के अहम संसाधन है, साथ ही फ्रीलांसर, विषय विशेषज्ञ, पेशेवर पटकथा लेखक, कथावाचक और संगीतकारों का सहयोग भी प्राप्त है, जो इस क्षेत्र में उपलब्ध सर्वश्रेष्ठ हैं, ताकि गुणवत्ता सुनिश्चित की जा सके। केंद्र स्टूडियो और आउटडोर शूटिंग सुविधाओं से सुसज्जित है, जिसमें एक पूर्ण विकसित टीवी स्टूडियो और ऑडियो स्टूडियो शामिल हैं। केंद्र ने एफसीपी नॉन-लीनियर एडिट सूट के रूप में अत्याधुनिक पोस्ट प्रोडक्शन उपकरण हासिल किए हैं। केंद्र वर्तमान में एक्सडीकैम कैमकॉर्डर और एसडीआई कैमरों पर काम कर रहा है, और आउटपुट ऑप्टिक डिस्क पर लिया जाता है।

गतिरोध से बचने और आधुनिक संचार प्रौद्योगिकियों की गति के साथ तालमेल बनाए रखने के लिए, केंद्र मल्टीमीडिया की मदद से ई-सामग्री निर्माण की दिशा में कार्यरत है। केंद्र ने अब तक एनएमई-आईसीटी के चरण-I और चरण-II के तहत 2114 ई-सामग्री कार्यक्रम तैयार किए हैं। केंद्र मैसिव ओपन ऑनलाइन कोर्स (मूक्स) के निर्माण में भी संलग्न है। ये पाठ्यक्रम स्वयं

प्लेटफॉर्म पर प्रस्तुत किए जाते हैं। अब तक ईएमआरसी-ईएफएल्यू, हैदराबाद ने विभिन्न विषयों में 110 मूक्स (41 पुनर्प्रयोज्य, 01 नवीन और 68 पुन: संचालित) पाठ्यक्रम प्रस्तुत किए हैं।

केंद्र को स्वयं प्रभा डायरेक्ट टू होम (डीटीएच) चैनल-01 आवंटित किया गया है, जिसका नाम "वागीश" डीटीएच चैनल है। यह चैनल सीईसी, नई दिल्ली के 10 चैनलों में दर्शक संख्या के मामले में दूसरे नंबर पर है।

निर्माण विवरण

स्वयं मूक्स

ईएमआरसी-ईएफएल्यू ने स्वयं के तहत 110 मूक्स (41 पुनर्प्रयोज्य, 01 नवीन और 68 पुन: संचालित) पाठ्यक्रम प्रस्तुत किए हैं। पारंपरिक और डिजिटल मीडिया दोनों का उपयोग करके पाठ्यक्रमों का व्यापक प्रचार किया गया है। ये पाठ्यक्रम बहुत लोकप्रिय और इनमें बड़ी संख्या में नामांकन हुए हैं। कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में पोस्टर और फ्लायर्स व्यापक रूप से वितरित किए गए। इसके अलावा, पाठ्यक्रमों के बारे में जानकारी व्हाट्सएप और फेसबुक और ट्विटर जैसे अन्य सोशल मीडिया नेटवर्क के माध्यम से प्रसारित की गई।

ईएमआरसी-ईएफएल्यू ने जुलाई, 2024 से दिसंबर, 2024 सत्र में 10 मूक्स पाठ्यक्रम और जनवरी, 2025-जून, 2025 सत्र में 9 मूक्स पाठ्यक्रम प्रस्तुत किए। इनका विवरण निम्न प्रकार हैं:

सत्र: जुलाई से दिसंबर, 2024

क्र. सं.	पाठ्यक्रम का शीर्षक	पाठ्यक्रम क्रेडिट संख्या	पाठ्यक्रम समन्वयक का नाम	पंजीकृत छात्र
1.	अंग्रेजी में भारतीय साहित्य का परिचय: उपनिवेशवाद से उत्तर-उपनिवेशवाद तक	5	डॉ. जय सिंह	862
2.	सामाजिक मनोविज्ञान	3	डॉ. पी. स्वाति	3734
3.	मानव पोषण और जैव रसायन	4	डॉ. विपर्ती विजया लक्ष्मी	3122
4.	विकासात्मक चुनौतियों वाले बच्चे	3	सुश्री वी कविता किरण	1017
5.	फ्रेंच भाषा में प्रवीणता पाठ्यक्रम	5	डॉ. कंचन चक्रवर्ती	2216
6.	रूसी भाषा में प्रवीणता पाठ्यक्रम	4	डॉ पुष्प रंजन	547
7.	स्पैनिश भाषा में प्रवीणता पाठ्यक्रम	5	डॉ. टी. श्रीवाणी	1059
8.	वस्त्र एवं गुणवत्ता विश्लेषण	5	डॉ. ए. सारदा देवी	925

9.	स्वास्थ्य मनोविज्ञान	4	एएनएन. संयुक्ता	1329
10.	मानवाधिकार, अंतर्राष्ट्रीय कानून और अंतर्राष्ट्रीय मानवीय कानून	3	प्रो. (डॉ.) जी.बी.रेड्डी	1080

सत्र: जनवरी, 2024 से जून,2024

क्र. सं.	पाठ्यक्रम का शीर्षक	पाठ्य क्रम क्रेडिट संख्या	पाठ्यक्रम समन्वयक का नाम	पंजीकृत छात्र
1	असामान्य मनोविज्ञान	6	जी. पद्मजा	5160
2	बाल विकास	3	श्रीमती वी. कविता किरण	1180
3	स्वास्थ्य और रोग में आहार प्रबंधन	3	डॉ. विपार्ती विजया लक्ष्मी	9109
4	अंग्रेजी संचार	2	डॉ. क्षेमा जोस	7502
5	मानव विकास और व्यवहार	3	डॉ. पी. स्वाति	1128
6	निजी अंतर्राष्ट्रीय कानून और वैकल्पिक विवाद समाधान: भारतीय कानूनी स्थिति	3	प्रो. (डॉ.) जी.बी. रेड्डी	1420
7	जर्मन भाषा में प्रवीणता पाठ्यक्रम	5	डॉ. निशांत के नारायणन	1613
8	शेक्सपियर से मिल्टन तक: ब्रिटिश साहित्य का एक अध्ययन	4	डॉ. जय सिंह	1087
9	वस्त्र अध्ययन	5	डॉ. ए. सारदा देवी	669

स्वयं प्रभा डीटीएच वागीश-01

स्वयंप्रभा 33 डीटीएच चैनल का एक समूह है, जो उच्च गुणवत्ता वाले शैक्षिक कार्यक्रमों को प्रसारित करने के लिए समर्पित है। प्रतिदिन, कम से कम (8) घंटे की नवीन सामग्री को दिन में 2 बार दोहराया जाता है, जिससे छात्र अपनी सुविधानुसार समय चुन सकते हैं।

केंद्र का चैनल:

स्वयंप्रभा ह्यूमैनिटीज चैनल-01, वागीश, डीटीएच भारत के स्नातक छात्रों को भाषाओं और साहित्य की उच्च-गुणवत्ता, दृश्य और ग्राफिक रूप से समृद्ध सामग्री प्रसारित करता है। भाषाओं में अंग्रेजी, हिंदी, उर्दू, संस्कृत, फ्रेंच, जर्मन, रूसी, स्पेनिश, तेलुगु और अन्य प्रमुख भारतीय और विदेशी भाषाएं शामिल हैं। इस चैनल के माध्यम से प्रसारित सामग्री स्नातक स्तर पर भारतीय छात्रों के सीखने के अनुभव को बढ़ाती है। इस चैनल की सामग्री को हैदराबाद के अंग्रेजी और विदेशी भाषा विश्वविद्यालय स्थित शैक्षिक मल्टीमीडिया अनुसंधान केंद्र द्वारा संयोजित और प्रबंधित किया जाता है।

- कुल निर्धारित पाठ्यक्रम: 21

1. बी.ए. ऑनर्स अंग्रेजी
2. स्नातक सामान्य अंग्रेजी
3. फ्रेंच प्रवीणता पाठ्यक्रम
4. स्पैनिश प्रवीणता पाठ्यक्रम
5. जर्मन प्रवीणता पाठ्यक्रम
6. रूसी प्रवीणता पाठ्यक्रम
7. बी.ए. हिंदी साहित्य
8. स्नातक हिंदी भाषा
9. बी. एड. अंग्रेजी
10. बी.ए. उर्दू प्रथम वर्ष
11. बी.ए. उर्दू द्वितीय वर्ष
12. बी.ए. उर्दू तृतीय वर्ष
13. बी.ए. संस्कृत प्रथम वर्ष
14. बी.ए. संस्कृत द्वितीय वर्ष
15. बी.ए. संस्कृत तृतीय वर्ष
16. स्नातक तेलुगु प्रथम वर्ष सत्र-1
17. स्नातक तेलुगु प्रथम वर्ष सत्र-2
18. स्नातक तेलुगु द्वितीय वर्ष सत्र-1
19. स्नातक तेलुगु द्वितीय वर्ष सत्र-2
20. स्नातक तेलुगु प्रथम वर्ष (आंध्र प्रदेश)
21. स्नातक तेलुगु द्वितीय वर्ष (आंध्र प्रदेश)

बजट/वित्त

2024-25 (01.04.2024 से 31.03.2025 तक) का गैर-योजना (आवर्ती अनुदान)

वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए यूजीसी द्वारा आवंटन	: 6,25,13,000/- रु.
वित्त वर्ष 2024-25 के लिए केंद्र को प्राप्त अनुदान	: 6,25,13,000/- रु.
वित्त वर्ष 2024-25 में व्यय खर्च	: 5,46,51,442/- रु.

2024-25 के गैर-योजना (आवर्ती अनुदान) का विवरण

आवंटन (रु. में)	प्रारंभिक शेष पिछले वर्ष (रु. में)	अनुदान प्राप्त (रु. में)	कुलयोग 2+3 (रु. में)	व्यय खर्च (रु. में)	अप्रयुक्त शेष राशि (रु. में)
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
6,25,13,000	(-)1,74,12,141	6,25,13,000	4,51,00,859	5,46,51,442	-95,50,583

योजना (गैर-आवर्ती अनुदान) वर्ष 2024-25 में उपकरणों की खरीद

केनरा बैंक, लालापेट शाखा बैंक खाता संख्या 1286101022663

प्रारंभिक जमा (रु. में)	**अर्जित ब्याज** (रु. में)	**अनुदान प्राप्त** (रु. में)	**कुलयोग 2+3** (रु. में)	**व्यय खर्च** (रु. में)	**अप्रयुक्त शेष राशि** (रु. में)
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
13,819	शून्य	शून्य	13,819	शून्य	13,819

- **पीएफएमएस के माध्यम से उपकरण खरीद के लिए 15,00,000/- रु. प्राप्त हुए, तथा 31.03.2025 को यूजीसी खाते में वापस।**

नियोजित फंड खाता (परामर्श कार्यक्रमों से अर्जित) (2024-25)

भारतीय स्टेट बैंक, ईएफएल यूनिवर्सिटी शाखा, हैदराबाद बैंक खाता संख्या 62098711645

01.04.2024 को प्रारंभिक शेष राशि (रु. में)	**प्राप्तियां** (रु. में)	**कुलयोग** (रु. में)	**व्यय खर्च** (रु. में)	**31.03.2025 तक समापन शेष** (रु. में)
2,42,615	1,48,500	3,91,115	40,451	3,50,664

परियोजना खाता विवरण (2024-25)

भारतीय स्टेट बैंक, ईएफएल यूनिवर्सिटी शाखा, हैदराबाद बैंक खाता संख्या 62111571570

परियोजना का नाम	**01.04.2024 को प्रारंभिक शेष राशि** (रु. में)	**प्राप्तियां** (रु. में)	**कुलयोग** (रु. में)	**व्यय खर्च** (रु. में)	**31.03.2025 तक समापन शेष** (रु. में)
मूक्स	2,33,358	25,98,750	28,32,108	24,62,250	3,69,858
डीटीएच	31,45,946	4,51,512	35,97,458	5,23,750	30,73,708
मूक्स अनुवाद	25,874	शून्य	25,874	शून्य	25,874

प्रशिक्षण और कार्यशाला

- डॉ. एस. सुप्रिया, निर्माता 16 और 17 मई, 2024 को सीईसी, नई दिल्ली द्वारा आयोजित ईएमआरसी कालीकट में कार्यशाला में सम्मिलित हुए।
- ईएमआरसी-ईएफएल्यू ने 12 से 15 जून, 2024 के दौरान मीडिया तकनीकी कर्मचारियों के लिए प्रमोशनल नीति के कार्यान्वयन के लिए ईएमआरसी कालीकट के निदेशक डॉ. दामोदर प्रसाद और सीईसी, नई दिल्ली के लेखा अधिकारी श्री मुकेश प्रसाद को आमंत्रित करके एक बैठक आयोजित की।
- ईएमआरसी-ईएफएल्यू ने 12 जुलाई, 2024 को ईएमआरसी-ईएफएल यूनिवर्सिटी के प्रबंधन बोर्ड की 9वीं बैठक आयोजित की। प्रमोशनल पॉलिसी कार्यान्वयन समिति की कार्यवाही और सिफारिशों की पुष्टि की गई।
- प्रो. टी.टी. श्रीकुमार, प्रभारी निदेशक ने निधियों के अनुवर्तन हेतु 22 से 26 सितंबर, 2024 के दौरान यूजीसी, नई दिल्ली का भ्रमण किया।
- राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम (एनएफडीसी) के संबद्ध प्रशिक्षण साझेदार पर्ल एकेडमी और नेटफ्लिक्स इंडिया के सहयोग से 04 से 09 नवंबर, 2024 को परिसर (ईएमआरसी-ईएफएल्यू) में 6 दिवसीय वॉयसबॉक्स कार्यशाला आयोजित की गई और इसका समन्वयन श्री जे.वी. श्रीराम ने किया।
- प्रो. टी.टी. श्रीकुमार, निदेशक प्रभारी ने 14 और 15 नवंबर, 2024 को ईएमआरसी पुणे में आयोजित 106वीं समन्वय समिति की बैठक में भाग लिया।
- प्रो. टी.टी. श्रीकुमार, (ईएमआरसी, ईएफएल्यू) और डॉ. शत्रुद्ध (सीईसी) ने "आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, शैक्षिक संचार और मीडिया परिवर्तन" पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का समन्वय किया, जिसे शैक्षिक संचार संकाय (सीईसी), नई दिल्ली ने शैक्षिक मल्टीमीडिया अनुसंधान केंद्र (ईएमआरसी) और संचार विभाग, अंग्रेजी और विदेशी भाषा विश्वविद्यालय (ईएफएलयू) के सहयोग से आयोजित किया। यह कार्यक्रम 28 से 30 नवंबर, 2024 तक हैदराबाद में ईएफएल्यू परिसर में किया गया। इस संगोष्ठी ने वैश्विक शैक्षणिक आदान-प्रदान के लिए एक मंच के रूप में कार्य किया। जिसमें केंद्रीय विश्वविद्यालयों, आईआईटी, राज्य विश्वविद्यालयों, संबद्ध कॉलेजों, डीम्ड विश्वविद्यालयों और विदेशों में संस्थानों के विद्वानों द्वारा 60 से अधिक पेपर प्रस्तुतियां, मुख्य भाषण और सामूहिक चर्चाएं शामिल थीं।
- ईएमआरसी के प्रथम तल पर कमरा नं. 14 में इलैक्ट्रॉनिक मीडिया संग्रहालय की स्थापना की गई, जिसमें ईएमआरसी से हटाए गए उपकरण और क्यूआर-कोडेड जानकारी शामिल है। संग्रहालय का उद्घाटन 28 नवंबर, 2024 को सीईसी, नई दिल्ली

के निदेशक प्रो. जे.बी. नड्डा ने किया। श्री जे.वी. श्रीराम द्वारा संजाई गई इस पहल को ईएफएल्यू के बीए (डिजिटल कम्युनिकेशन) छात्रों के सहयोग से जीवंत किया गया।

- प्रो. टी.टी. श्रीकुमार, निदेशक प्रभारी, श्री जे.वी. श्रीराम, निर्माता के साथ 04 से 06 दिसंबर, 2024 तक जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर में 16वें प्रकृति अंतर्राष्ट्रीय वृत्तचित्र फिल्म महोत्सव के पुरस्कार-सह-फिल्म स्क्रीनिंग में सम्मिलित हुए।
- श्री जे.वी. श्रीराम, निर्माता 23 जनवरी, 2025 को केंद्रीय विश्वविद्यालय, एमएएनयूयू द्वारा सामुदायिक रेडियो पर आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला में सम्मिलित हुए।
- श्री जे.वी. श्रीराम, उत्पादक ने राष्ट्रीय कृषि विस्तार प्रबंधन संस्थान (मैनेज) और भारतीय विस्तार शिक्षा संस्थान (ईईआई), हैदराबाद में पूरे भारत से आए कृषि वैज्ञानिकों, अधिकारियों और पशु चिकित्सकों को उत्पादन तकनीकों के साथ-साथ स्वयं मूक्स और स्वयं प्रभा पर सत्र प्रस्तुत किए।
- श्री जे.वी. श्रीराम ने 6 से 7 फरवरी, 2025 तक ईएमआरसी, उस्मानिया विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया और अपनी सेवाएं दीं।
- प्रो. टी.टी. श्रीकुमार, निदेशक प्रभारी, श्री जे. हरिप्रसाद, निर्माता के साथ 20 से 22 मार्च, 2025 को ईएमआरसी, लखनऊ में 26वें सीईसी-यूजीसी शैक्षिक फिल्म महोत्सव में सम्मिलित हुए।
- श्री एस. रमेश चंद्र, निर्माता-II ने सीईसी, नई दिल्ली द्वारा ईएमआरसी चैन्नई में 27 से 29 मार्च, 2025 तक आयोजित 3 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला / शोधकर्ता बैठक में सम्मिलित हुए।

उपलब्धियां/पुरस्कार

- केंद्र के पास अंग्रेजी भाषा, साहित्य, विज्ञान और प्रौद्योगिकी, सामाजिक विज्ञान, कला, संस्कृति, विरासत, मानवता, अर्थशास्त्र, खेल, स्वास्थ्य, चिकित्सा, शिक्षा, मनोविज्ञान, गृह विज्ञान, कानून, बी.एड. (अंग्रेजी), आदि के शिक्षण और सीखने से संबंधित 3743 कार्यक्रमों का संग्रह है।
- केंद्र ने अब तक 110 मूक्स (41 पुनर्प्रयोज्य, 01 नवीन और 68 पुन: संचालित) पाठ्यक्रम प्रस्तुत किए हैं।
- केंद्र स्वयंप्रभा वागीश, डायरेक्ट टू होम (डीटीएच) चैनल-01, को संचालित कर रहा है।
- वर्ष 2024-25 में केंद्र ने निम्नलिखित का निर्माण किया है:
    - मूक्स: 19 (19 पुन: संचालित) पाठ्यक्रम

विविध गतिविधियां/विवरण

तकनीकी संसाधन:

- केंद्र वर्ष 2009 से स्टैन्डर्ड डेफिनेशन (एसडी) आउटपुट के साथ टेप रहित डिजिटल उत्पादन सुविधाओं के साथ काम कर रहा है। इसमें फाइनल कट प्रो (एफसीपी) पर आधारित नॉन-लीनियर एडिट सिस्टम है। ई-कंटेंट निर्माण सॉफ्टवेयर एडोब सी5 पर आधारित है।
- हालांकि, डिजिटल निर्माण में संलग्न केंद्र के लिए इस क्षेत्र में प्रगति के साथ तालमेल रखना सबसे बड़ी चिंता का विषय है। एचडी तकनीक के बड़े पैमाने पर आने के साथ, अब यह जरूरी है कि केंद्र को एचडी सक्षम उपकरणों की आवश्यकता पड़ेगी। हमने इस तरह के उन्नयन के लिए पहले ही एक योजना तैयार कर रखी है।

प्रशिक्षण:

यह केंद्र पत्रकारिता और जनसंचार की पढ़ाई कर रहे छात्रों, स्नातक और स्नातकोत्तर स्तरों पर, को इंटर्नशिप प्रदान करता है। केंद्र एक शैक्षणिक वर्ष में दो बार इंटर्नशिप कार्यक्रम आयोजित करता है, यानी दिसंबर और फिर मई के महीने में। छात्रों को वीडियो/टीवी उत्पादन के सभी पहलुओं पर सिद्धांत पढ़ाए जाते हैं और उन्हें नवीनतम वीडियो गैजेटरी पर व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जाता है। अभ्यास के एक भाग के रूप में, छात्र इंटर्नशिप आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए एक इन-हाउस प्रशिक्षण फिल्म बनाते हैं।

ईएमआरसी- इंफाल

संयोजक संस्थान: मणिपुर विश्वविद्यालय, मणिपुर

संक्षिप्त परिचय

वर्ष 1989 में दृश्य-श्रव्य अनुसंधान केंद्र के रूप में स्थापित, शैक्षिक मल्टीमीडिया अनुसंधान केन्द्र, ईएमएमआरसी, मणिपुर विश्वविद्यालय, इंफाल भारत के पूर्वोत्तर क्षेत्र का पहला मीडिया केंद्र है, तथा देश के 21 मीडिया केंद्रों में से एक है।

अपनी स्थापना के बाद से ही यह केंद्र मल्टीमीडिया कार्यक्रमों के क्षेत्र में अनवरत कार्यरत है। शैक्षिक टेलीविजन कार्यक्रमों के निर्माण से लेकर वृत्तचित्रों, संवर्धन, मूक्स व्याख्यानों और स्वयं पर पाठ्यक्रम प्रस्तुत करने तक, केंद्र ने डिजिटल प्रारूप में ज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों के प्रसार और संरक्षण में बहुत बड़ा योगदान दिया है।

केंद्र विषय विशेषज्ञों, शोधकर्ताओं और शिक्षकों के साथ सक्रिय रूप से सहयोग करता है ताकि ऐसी सामग्री विकसित की जा सके जो न केवल यूजीसी/विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रम के अनुरूप हो बल्कि स्थानीय संस्कृति, भाषाओं और स्वदेशी ज्ञान प्रणालियों को भी प्रतिबिंबित करे। रचनात्मक कहानी वर्णन के साथ अकादमिक उत्कृष्टता को मिलाकर, ईएमआरसी, इंफाल, मणिपुर और पूर्वोत्तर क्षेत्र में शैक्षिक नवाचार के लिए एक केंद्र के रूप में कार्य करता है।

केंद्र का मुख्य कार्य शैक्षिक टेलीविजन कार्यक्रमों का निर्माण और देशभर के शिक्षार्थियों के लिए पाठ्यक्रम आधारित इलैक्ट्रॉनिक रूप से प्रारूप में ई-सामग्री निर्माण करना है।

निर्माण विवरण

केंद्र के पास पूर्ण रूप वाली निर्माण सुविधा उपलब्ध है, जो इसे मीडिया निर्माण के सभी चरणों- अवधारणा विकास से लेकर पोस्ट-प्रोडक्शन तक संभालने में सक्षम बनाती है। पूर्ण रूप से सुसज्जित निर्माण सुविधा के साथ, केंद्र सभी चरणों- स्क्रिप्ट लेखन और फिल्मांकन से लेकर संपादन और प्रस्तुति तक का प्रबंधन करता है। केंद्र को मणिपुर और क्षेत्र में सुलभ, आकर्षक और समावेशी शिक्षा के लिए मीडिया को एक उपकरण के रूप में उपयोग करने का गौरव और विशेषाधिकार प्राप्त है। केंद्र इसको सुनिश्चित करने के लिए विश्वविद्यालय के संकाय, शोधकर्ताओं और स्थानीय प्रतिभाओं के साथ मिलकर सामग्री अकादमिक रूप से समृद्ध और सांस्कृतिक रूप से प्रासंगिक बनाने के लिए कार्यरत है।

निर्माण प्रक्रिया को जारी रखते हुए, केंद्र ने शैक्षणिक वर्ष 2024-2025 में निम्नलिखित प्रमुख क्षेत्र में शैक्षिक सामग्री निर्मित की है।

1. **पाठ्यक्रम-आधारित वीडियो व्याख्यान-** विभिन्न विषयों के स्नातक और स्नातकोत्तर छात्रों के लिए तैयार ये व्याख्यान विश्वविद्यालय पाठ्यक्रम के अनुरूप निर्मित किए गए हैं।

   वर्तमान में, केंद्र बीएससी बायोकेमिस्ट्री के एक पेपर "सेल बायोलॉजी" और एक सामान्य वैकल्पिक पाठ्यक्रम- इंवायरमेंटल इश्यूज इन इंडिया, जो एक स्नातक पाठ्यक्रम है, पर सामग्री निर्माण में कार्यरत है।

2. **वृत्तचित्र फिल्में-** शैक्षणिक, वैज्ञानिक, सांस्कृतिक और सामाजिक विषयों पर केंद्रित ये वृत्तचित्र राष्ट्रीय प्रासंगिकता वाले स्थानीय और क्षेत्रीय विषयों का अंवेषण करते हैं।

   इस श्रेणी के अंतर्गत निम्नलिखित वीडियो निर्मित किए गए हैं-

   - जिंगर इन मणिपुर
   - जिंगर प्रोसेसिंग
   - द स्पेसीज- मशरूम (भाग-1)
   - द स्पेसीज- मशरूम (भाग-2)
   - फ्लोरा ऑफ मणिपुर यूनिवर्सिटी
   - द फल्क्स- सोएल
   - वीडियो कार्यक्रम की निम्नलिखित श्रृंखला मणिपुरी डांस स्टेप्स फॉर बिगनर्स- डांस ऑफ- लाई हाओराओबा-
     - ✓ लाइचिंग जागोई एंड होइरौ होया लाओबा
     - ✓ हकचांग साबा
     - ✓ युमसारोल भाग-2
     - ✓ पामयानलोल
     - ✓ नुंगसी नुंगवॉन
     - ✓ लाईचिंग जागोई एंड लाई टोंगबा
     - ✓ मुकना सनाबा एंड कांगजेई सनाबा
     - ✓ लाई नुपी थिबा एंड लाई काबा
     - ✓ ताल प्रवंद
     - ✓ ताल प्रवंद- फुल डांस
     - ✓ श्री कृष्ण वंदना
     - ✓ श्री कृष्ण वंदना- फुल डांस
     - ✓ श्री कृष्ण रूप
     - ✓ श्री कृष्ण रूप- फुल डांस
     - ✓ लाईचिंग जागोई (फुल डांस)
     - ✓ पौसा जागोई (फुल डांस)
     - ✓ थौगल जागोई (फुल डांस)

- ✓ लाईचिंग जागोई- भाग-1
- ✓ लाईचिंग जागोई- भाग-2
- ✓ लाईचिंग जागोई- भाग-3
- ✓ पौसा जागोई एपिसोड भाग-1
- ✓ पौसा जागोई भाग-2
- ✓ पौसा जागोई भाग-3
- ✓ थोगल जागोई भाग-1
- ✓ थोगल जागोई भाग-2
- ✓ थोगल जागोई भाग-3
- ✓ थोगल जागोई भाग-4

3. **लघु फिल्में एवं जन जागरूकता सामग्री-** ये प्रस्तुतियां सामाजिक मुद्दों, स्वदेशी प्रथाओं और पर्यावरण संबंधी चिंताओं को रचनात्मक रूप से संबोधित करती हैं, जिससे शिक्षा दिलचस्प और प्रासंगिक बनती है।

   अब तक केंद्र ने एक लघु फिल्म "माई बॉटल" का निर्माण किया है, जो अपशिष्ट प्रबंधन, विशेष रूप से एकल-उपयोग प्लास्टिक पर आधारित है। यह फिल्म हवा, मिट्टी और पानी में एकल-उपयोग प्लास्टिक के प्रभाव का आलोचनात्मक विश्लेषण करती है, जो हमारे पारिस्थितिकी तंत्र में गंभीर प्रदूषण का कारण बनता है, और जैव विविधता के नुकसान के लिए भी महत्वपूर्ण कारकों में से एक है।

4. **परियोजना निर्माण-** ईएमआरसी संवादी और दृश्य अपील के साथ वीडियो मॉड्यूल और पूरक सामग्री निर्माण करके स्वयं और स्वयं प्रभा जैसे राष्ट्रीय ई-लर्निंग प्लेटफॉर्म में योगदान देता है।

1. स्वयं मूक्स-

1. जुलाई, 2024 सत्र

जुलाई, 2024 सेमेस्टर में स्वयं प्लेटफॉर्म पर 11 मूक्स पाठ्यक्रम प्रस्तुत किए गए। ये पाठ्यक्रम निम्न हैं-

फिटनेस प्रबंधन, मानवाधिकार और मानवीय कानून, सामान्य माइक्रोबायोलॉजी, प्लांट बायोकेमिस्ट्री और प्लांट बायोटेक्नोलॉजी, शैक्षिक प्रौद्योगिकी, आधुनिक पश्चिम का उदय-I, विपणन प्रबंधन का परिचय-1, सार्वजनिक वित्त, नारीवाद: सिद्धांत और व्यवहार, इंटरमीडिएट माइक्रोइकोनॉमिक्स-I, विकासात्मक मनोविज्ञान पाठ्यक्रम निर्मित किए गए हैं।

इनमें कुल पंजीकृत छात्रों की संख्या 12,683 रही है।

2. जनवरी, 2025 सत्र

जनवरी, 2025 सत्र में स्वयं प्लेटफॉर्म पर 13 मूक्स पाठ्यक्रम प्रस्तुत किए गए। ये पाठ्यक्रम निम्न हैं-

कोशिका जीव विज्ञान, पोषण और नैदानिक जैव रसायन, मानवाधिकार, कानून और आपराधिक न्याय, खेल प्रशासन और प्रबंधन, विकास अर्थशास्त्र, लिंग और हिंसा, भारत का इतिहास-VII (सी. 1605-1750), आधुनिक यूरोप का इतिहास-I (सी. 1780-1939), संयुक्त राज्य अमेरिका का इतिहास-I (सी.1776-1945), भारतीय राजनीतिक विचार-II, मध्यवर्ती सूक्ष्म अर्थशास्त्र-II, भारत में राष्ट्रवाद, महिला शक्ति और राजनीति पाठ्यक्रम निर्मित किए गए हैं।

इनमें कुल कुल नामांकित छात्रों की संख्या 12,319 है।

ii. स्वयं प्रभा

केंद्र स्वयं प्रभा, चैनल 4- सारस्वत, पर प्रसारित होने वाले बी.एड. (अंग्रेजी) पाठ्यक्रम के लिए डिजिटल सामग्री के निर्माण के लिए भी कार्यरत है।

अब तक, केंद्र ने दो प्रथम वर्ष के पाठ्यक्रमों- सीखना और पढ़ाना, एक मुख्य पाठ्यक्रम, और सूचना और प्रौद्योगिकी का अनुप्रयोग- एक व्यावहारिक- आधारित पाठ्यक्रम, के निर्माण में अपेक्षित सफलता हासिल कर ली है। केंद्र अन्य पाठ्यक्रम भी तैयार कर रहा है जो इग्नू पाठ्यक्रम अनुरूप, बी.एड. प्रथम वर्ष के कार्यक्रम का हिस्सा हैं। पाठ्यक्रम-चाइल्डहुड एंड ग्रोइंग अप, कंटेपरेरी इंडिया एंड एजुकेशन, पेडागॉजी ऑफ साइंस, पेडागॉजी ऑफ मैथेमेटिक्स आदि हैं। उच्च शिक्षा चैनल में प्रसारित किए जाने वाले दृश्य-श्रव्य वीडियो निर्मित करने के लिए केंद्र को कुल 12 पाठ्यक्रम सौंपे गए थे।

बजट/वित्त

वर्ष 2024-25, ईएमआरसी, मणिपुर विश्वविद्यालय, इंफाल में विभिन्न शीर्षों में प्राप्त अनुदान और व्यय निम्न दर्शाया गया है:

(लाख रु. में)

क्र. सं.	लेखा शीर्ष	प्राप्त अनुदान	व्यय खर्च
1	वेतन (36)	238.34	240.58*
2	आवर्ती (31)	88.94	111.10*
3	पूंजीगत संपत्ति (35)	20.00	12.67
4	स्वयं- मूक्स परियोजना	183.96	237.51*
5	स्वयं प्रभा	10.00	2.24

ध्यानार्थ:

*व्यय खर्च को अव्ययित निधि से पूरा किया गया।

उपरोक्त व्यय खर्च में अग्रिम राशि शामिल नहीं है।

प्रशिक्षण और कार्यशाला

- डिजिटल शिक्षण-शिक्षण प्रणाली के साथ व्यावसायिक कौशल को एकीकृत करने के लिए ईएमआरसी, एमयू द्वारा 25 अप्रैल, 2024 को कोर्ट भवन, मणिपुर विश्वविद्यालय में "स्वयं प्रभा डीटीएच चैनल के लिए सामग्री विकास पर एक दिवसीय परामर्श कार्यक्रम और 25वें सीईसी-यूजीसी शैक्षिक फिल्म महोत्सव 2024 में पुरस्कार विजेताओं का सम्मान" आयोजित किया गया।
- केएसएच तेजकेश्वर सिंह, निर्माता, ईएमआरसी, मणिपुर विश्वविद्यालय सीईसी, नई दिल्ली और ईएमआरसी, कालीकट द्वारा आयोजित "स्वयं प्रभा 2.0 पर कार्यशाला" में ईएमआरसी, मणिपुर विश्वविद्यालय के नामित के सदस्य के रूप में 16 और 17 मई, 2024 को ईएमआरसी, कालीकट में सम्मिलित हुए।
- डॉ. सीएच. बेथोलिया, जूनियर रिसर्च ऑफिसर, ईएमआरसी ने 07 दिसंबर, 2024 को मणिपुर के हियांगथांग स्थित कामाख्या पेमटन कॉलेज में मूक्स प्रस्ताव के विकास और प्रस्तुति पर एक दिवसीय कार्यशाला में भाग लिया और स्वयं-मूक्स: शिक्षा का नया चेहरा विषय पर व्याख्यान दिया।
- डॉ. सीएच. बेथोलिया, जूनियर रिसर्च ऑफिसर ईएमआरसी ने 26 फरवरी, 2025 को एनजी मणि कॉलेज, खुरई काहिरेंथोंग, इंफाल, मणिपुर में स्वयं माध्यम से सीखने को बढ़ाने पर एक दिवसीय कार्यशाला में भाग लिया: एक मेंटरशिप और कैरियर मार्गदर्शन और विषय पर एक व्याख्यान- शिक्षा में मूक्स और इसकी प्रासंगिकता प्रस्तुत किया।
- डॉ. सीएच. बेथोलिया, जूनियर रिसर्च ऑफिसर, ईएमआरसी 27, 28 और 29 मार्च, 2025 को ईएमआरसी चैन्नई में डाटा विज्ञान के मूल सिद्धांतों पर 3 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला / शोधकर्ताओं की बैठक में सम्मिलित हुई।
- सीएच. संजीता देवी 5 से 11 मई, 2024 तक मणिपुर राज्य फिल्म और टेलीविजन संस्थान, पैलेस परिसर इंफाल द्वारा आयोजित "पटकथा लेखन के मूल सिद्धांतों पर 7 दिवसीय मास्टरक्लास" में सम्मिलित हुई।

उपलब्धियां/पुरस्कार

- ईएमएमआरसी मणिपुर विश्वविद्यालय, इंफाल को फिल्म "सॉइल- द फ्लक्स" में प्रतिष्ठित सर्वश्रेष्ठ अनुसंधान पुरस्कार मिला।
- 20-22 मार्च, 2025 को लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ में आयोजित सीईसी के 26वें सीईसी- शैक्षिक फिल्म महोत्सव में लघु फिल्म श्रेणी में "माई बॉटल" को एक प्रशस्ति पत्र पुरस्कार मिला।

विविध गतिविधियां / विवरण

- मणिपुर विश्वविद्यालय, इंफाल द्वारा आयोजित महत्वपूर्ण कार्यक्रमों के यादगार क्षणों को कैद करने में केंद्र गर्व के साथ अपनी विशेषज्ञता प्रदान करता है।
- मणिपुर विश्वविद्यालय के अंतर्गत विभिन्न विभागों और कॉलेजों के संकाय सदस्यों को रचनात्मक लेखन में संलग्न, प्रोत्साहित, और मार्गदर्शन देने के लिए नियमित गम्यता कार्यक्रम आयोजित करता है।

ईएमआरसी- इंदौर

संयोजक संस्थान: देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इंदौर (मध्य प्रदेश)

संक्षिप्त परिचय

देवी अहिल्या विश्वविद्यालय (डीएवीवी), इंदौर स्थित शैक्षिक मल्टीमीडिया अनुसंधान केंद्र (ईएमआरसी), विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) द्वारा देशव्यापी कक्षा योजना के तहत स्थापित प्रमुख मीडिया केंद्रों में से एक है। वर्ष 1991 में स्थापित, ईएमआरसी, इंदौर उच्च गुणवत्ता वाली शैक्षिक मल्टीमीडिया सामग्री निर्माण के लिए समर्पित है, जिसमें- ई-लर्निंग मॉड्यूल, वृत्तचित्र, लघु फिल्में, शैक्षिक टीवी कार्यक्रम और मुख्य रूप से उच्च शिक्षा के लिए सीईसी-यूजीसी के मूक्स पाठ्यक्रम शामिल हैं।

मध्य प्रदेश के प्रमुख राजकीय विश्वविद्यालय, डीएवीवी से संचालित, ईएमआरसी, इंदौर पारंपरिक शिक्षा और आधुनिक प्रौद्योगिकी-संवर्धित शिक्षा के बीच समावेषी उद्देश्य से कार्यरत है। यह नियमित रूप से स्वयं प्लेटफॉर्म, स्वयं प्रभा डीटीएच चैनल और सीईसी-यूजीसी मूक्स के लिए सामग्री निर्माण में योगदान करता है, जो भारत के डिजिटल लर्निंग मिशन के तहत होता है।

अत्याधुनिक दृश्य-श्रव्य उत्पादन सुविधाओं और अनुभवी पेशेवर टीम के साथ, ईएमआरसी को शैक्षिक प्रसारण में अपने रचनात्मक और शैक्षणिक योगदान के लिए राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त है।

शैक्षिक दृश्य-श्रव्य सामग्री के निर्माण के अलावा ईएमआरसी, इंदौर दो (एम.एस.सी. इलैक्ट्रॉनिक मीडिया, एकीकृत 05 वर्षीय स्नातक और एमबीए मीडिया प्रबंधन 2 वर्षीय स्नातकोत्तर) पाठ्यक्रम प्रदत्त कर रहा है। ईएमआरसी, इंदौर मीडिया अध्ययन के लिए अनुसंधान केंद्र के रूप में कार्यरत है। केंद्र द्वारा 13 छात्रों को पीएचडी प्रदान की गई, और 07 परीक्षार्थी अध्ययनरत हैं।

निर्माण विवरण

अप्रैल, 2024 से मार्च, 2025 तक मूक्स पाठ्यक्रम निर्माण

क्र. सं.	पाठ्यक्रम का शीर्षक	मॉड्यूल की कुल संख्या	पाठ्यक्रम क्रेडिट
1	सोशल रिसर्च मैथड-I	57	5

जुलाई, 2024 से अक्तूबर, 2024 तक प्रस्तुत मूक्स पाठ्यक्रम

क्र. सं.	पाठ्यक्रम का शीर्षक	मॉड्यूल की कुल संख्या	पाठ्यक्रम क्रेडिट
1	बेसिक्स ऑफ डिजिटल मार्केटिंग	50	4
2	कंप्यूटर फंडामेंटल्स	65	4
3	फंक्शनल फूड्स एंड न्यूट्रास्यूटिकल्स	40	4
4	इंकम टैक्स लॉ एंड प्रैक्टिस	55	5
5	इंट्रोडक्शन टू एडवरटाइजिंग	38	3
6	प्लांट फिजियोलॉजी एंड प्लांट टिश्यू कल्चर	46	4
7	सोश्योलॉजिकल रिसर्च मैथड्स-II	57	5

जनवरी 2025 से अप्रैल 2025 तक प्रस्तुत मूक्स पाठ्यक्रम

क्र. सं.	पाठ्यक्रम का शीर्षक	मॉड्यूल की कुल संख्या	पाठ्यक्रम क्रेडिट
1	रिटेल एंड चैनल मैनेजमेंट	47	4
2	बेसिक्स ऑफ फोटोग्राफी हिंदी में	35	3
3	इंफोर्मेशन सिक्योरिटी एंड साइबर फोरेंसिक	48	4
4	मैक्रोइकोनॉमिक्स	58	5
5	फाइनेंसियल एकाउंटिंग	57	5
6	इंवायरमेंटल स्टडीज	32	2
7	माइक्रोइकोनॉमिक्स	60	5
8	अंडरस्टैंडिंग पॉलिटिकल थ्योरी	56	5
9	सोश्योलॉजिकल रिसर्च मैथड्-I	57	5
10	प्रिसिंपल्स ऑफ मार्केटिंग	57	5

बजट/ वित्त

वर्ष 2024-2025 के आय और व्यय का विवरण:

लेखा शीर्ष	प्राप्त अनुदान (रु. में)	व्यय खर्च (रु. में)
31	51,15,000/-	42,91,720/-
35	30,00,000/-	29,95,226/-
36	2,37,00,000/-	2,25,50,668/-
मूक्स पाठ्यक्रम	49,06,000/-	44,16,400/-

प्रशिक्षण और कार्यशाला

- उक्त अवधि में ईएमआरसी, डीएवीवी, इंदौर द्वारा कोई प्रशिक्षण कार्यक्रम या कार्यशाला आयोजित नहीं की गई।

उपलब्धियां / पुरस्कार

- ईएमआरसी, इंदौर के पूर्व छात्र श्री आयुष सक्सेना की फीचर फिल्म "12वीं फेल" को सर्वश्रेष्ठ पटकथा का आईफा (आईआईएफए) पुरस्कार मिला।

विविध गतिविधियां / विवरण

- उक्त अवधि में विभिन्न कॉलेजों के छात्रों ने शैक्षणिक प्रदर्शन के तहत ईएमआरसी, डीएवीवी का दौरा किया। इन छात्रों को केंद्र के कामकाज, बुनियादी ढांचे और शैक्षिक सामग्री निर्माण की प्रक्रिया के बारे में जानकारी दी गई।
- उन्हें मूक्स पाठ्यक्रम की पहल और स्वयं प्लेटफॉर्म से परिचित कराने के लिए विशेष सत्र आयोजित किए गए, जिसमें भारत में सुलभ और गुणवत्तापूर्ण डिजिटल शिक्षा को बढ़ावा देने में इसकी भूमिका पर प्रकाश डाला गया।
- उच्च क्षमता वाले कैमरे और उन्नत ऑडियो-विजुअल संपादन सॉफ्टवेयर की खरीद की गई, जिससे शैक्षिक सामग्री निर्माण की गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार हुआ है।

ईएमआरसी- जोधपुर

संयोजक संस्थान: जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर (राजस्थान)

संक्षिप्त परिचय

जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर में शैक्षिक मल्टीमीडिया अनुसंधान केंद्र (ईएमआरसी) यूजीसी-सीडब्ल्यूसीआर के लिए शैक्षिक फिल्मों का निर्माण और अनुसंधान केंद्र है, जो इलैक्ट्रॉनिक मीडिया के क्षेत्र में अपने योगदान के लिए राष्ट्रीय मान्यता प्राप्त है। केंद्र विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा पूरी तरह से वित्त पोषित है। एवीआरसी परियोजना (अब शैक्षिक मल्टीमीडिया अनुसंधान केंद्र) को वर्ष 1985 में यूजीसी द्वारा मंजूरी दी गई थी। तब से केंद्र शैक्षिक वीडियो कार्यक्रम निर्माण में सक्रिय है। वर्तमान में केंद्र शिक्षा मंत्रालय के स्वयं और स्वयं प्रभा की परियोजनाओं की जरूरत अनुसार कार्यों को कर रहा है।

निर्माण विवरण

i. **<u>स्वयं प्रभा डीटीएच चैनल-03 "प्रबोध" (सामाजिक और व्यवहारिक विज्ञान)</u>:** वर्ष 2024-25 के दौरान ईएमएमआरसी, जोधपुर ने स्वयं प्रभा डीटीएच चैनल-03 "प्रबोध" (सामाजिक और व्यवहारिक विज्ञान) के लिए निम्नलिखित 25 शैक्षिक वीडियो कार्यक्रम निर्मित किए हैं:-

क्र. सं.	कार्यक्रम का शीर्षक	विषय	अवधि	विषय विशेषज्ञ का नाम
वर्ष: 2024-2025				
1.	साख्यिकी: अर्थ, कार्य तथा सीमाएं	सोशल वर्क	35'00”	प्रो. के. एन. व्यास
2.	लिंग आधारित हिंसा	सोशल वर्क	36'29"	प्रो. के. एन. व्यास
3.	लैंगिक भेदभाव	सोशल वर्क	35'12"	प्रो. के. एन. व्यास
4.	अनुसूचित जनजातियां	सोशल वर्क	36'27”	प्रो. के. एन. व्यास
5.	सामाजिक समस्याएं- अवधारणा और प्रकृति	सोशल वर्क	33'46”	प्रो. के. एन. व्यास
6.	सामाजिक समस्याएं- प्रकार, उत्पत्ति और अभिव्यक्ति	सोशल वर्क	33'34"	प्रो. के. एन. व्यास
7.	लिंग को समझना	सोशल वर्क	32'53”	प्रो. के. एन. व्यास
8.	सामुदायिक स्वास्थ्य	सोशल वर्क	35'15"	प्रो. के. एन. व्यास
9.	अन्य पिछड़ा वर्ग	सोशल वर्क	34'47”	प्रो. के. एन. व्यास
10.	वृद्ध व्यक्तियों की समस्या: प्रकृति और सीमा	सोशल वर्क	36'30”	प्रो. के. एन. व्यास
11.	प्रजनन एवं बाल स्वास्थ्य	सोशल वर्क	32'52"	प्रो. के. एन. व्यास
12.	अल्पसंख्यक	सोशल वर्क	32'37”	प्रो. के. एन. व्यास
13.	सड़क पर रहने वाले कामकाजी बच्चे	सोशल वर्क	32'18”	प्रो. के. एन. व्यास

ii. **<u>स्वयं परियोजना</u>:** केंद्र द्वारा वर्ष 2024-2025 में निम्नलिखित मूक्स पाठ्यक्रम निर्मित और प्रस्तुत किए:-

क्र. सं.	पाठ्यक्रम का नाम	पाठ्यक्रम क्रेडिट	नवीन/पुनः संचालित	कुल मॉड्यूल	पाठ्यक्रम समन्वयक
जनवरी- जून 2024 सत्र					
1.	स्टेट्स्टिक्स फॉर बिजनेस डिसीजन्स	4	पुनः संचालित	40	प्रो. करुणेश सक्सेना
2.	अर्थ सिस्टम साइंस	4	पुनः संचालित	36	प्रो. एम.एस. सिसोदिया
3.	कॉरपोरट एकाउंटिंग	5	पुनः संचालित	56	सीए अमिता बिस्सा
4.	बॉयोसाइकोलॉजी	5	पुनः संचालित	50	डॉ. हेमलता जोशी
5.	बिजनेस कम्यूनिकेशन	4	पुनः संचालित	40	डॉ. मीता निहलानी
जुलाई-दिसंबर 2024 सत्र					
6.	ई-कॉमर्स	4	पुनः संचालित	40	प्रो. करुणेश सक्सेना
7.	फंडामेंटल्स ऑफ इंटरप्रिन्योरशिप	4	पुनः संचालित	40	डॉ. मीता निहलानी
8.	कॉस्ट एकाउंटिंग	5	पुनः संचालित	50	सीए अमिता बिस्सा
जनवरी-जून 2025 सत्र					
9.	रिसर्च मैथडोलॉजी	4	नवीन	40	प्रो. करुणेश सक्सेना
10.	पॉजिटिव साइकोलॉजी	4	नवीन	40	डॉ. हेमलता जोशी
11.	एडवर्टाइजिंग	4	पुनः संचालित	51	डॉ. मीता निहलानी
12.	फंडामेंटल्स ऑफ फाइनेंसियल मैनेजमेंट	4	पुनः संचालित	48	सीए अमिता बिस्सा

बजट / वित्त

i. **<u>यूजीसी से प्राप्त अनुदान के आय और व्यय का विवरण</u>:**

(लाख रु. में)

शीर्ष	स्वीकृत बजट	अनुदान प्राप्त	व्यय खर्च
36 (वेतन और सेवानिवृत्ति लाभ)	194.70	194.70	238.83
31 (पेंशन एवं विविध व्यय खर्च)	53.24	53.24	80.66
35 (सामान्य संपत्ति)	30.00	30.00	23.49

ii. **<u>स्वयं प्रभा डीटीएच चैनल-03 के लिए सीईसी से प्राप्त धनराशि के आय-व्यय का विवरण</u>:**

(लाख रु. में)

शीर्ष	प्रारंभिक शेष 01.04.2024 तक	अनुदान प्राप्त 2024-25 में	31.03.2025 तक व्यय खर्च	31.03.2025 तक शेष राशि
परिचालन एवं रखरखाव लागत	73.25	0.00	03.73	69.52
नवीन सामग्री निर्माण	2.69	0.00	2.59	0.10

iii. **<u>मूक्स परियोजना के लिए सीईसी से प्राप्त धनराशि के आय-व्यय का विवरण</u>:**

(लाख रु. में)

शीर्ष	प्रारंभिक शेष 01.04.2024 तक	अनुदान प्राप्त 2024-25 में	31.03.2025 तक व्यय खर्च	31.03.2025 तक शेष राशि
नवीन मूक्स	24.58	0.71	10.08	15.21

प्रशिक्षण और कार्यशालाएं:

- 31 अगस्त, 2024 को जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर के प्रबंधन अध्ययन विभाग के पीएचडी छात्रों के लिए मूक्स, स्वयं और स्वयं प्रभा के बारे में जागरूकता कार्यशाला आयोजित की गई।
- 19 दिसंबर, 2024 को जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर के बी.कॉम. अकाउंटिंग और फिनटेक के छात्रों के लिए मूक्स, स्वयं और स्वयं प्रभा के बारे में जागरूकता कार्यशाला आयोजित की गई।
- 27 जनवरी, 2025 को महिला पीजी महाविद्यालय, जोधपुर की छात्राओं और शिक्षकों के लिए स्वयं-मूक्स, और स्वयं प्रभा के बारे में जागरूकता कार्यशाला आयोजित की गई।

विविध गतिविधियां/विवरण

- शैक्षिक संचार संकाय (सीईसी) द्वारा ईएमएमआरसी, जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर के सहयोग से 16वें प्रकृति अंतर्राष्ट्रीय वृत्तचित्र फिल्म महोत्सव का आयोजन, 4 से 6 दिसंबर 2024 तक, जय नारायण व्यास स्मृति भवन टाउन हॉल, जोधपुर में किया गया। तीन दिवसीय भव्य महोत्सव का उद्घाटन के श्री हरिभाऊ बागड़े, माननीय राज्यपाल, राजस्थान ने किया।

ईएमआरसी- कोलकाता

संयोजक संस्थान: सेंट जेवियर्स कॉलेज (स्वायत्त), कोलकाता

संक्षिप्त परिचय

शैक्षिक मल्टीमीडिया अनुसंधान केंद्र, सेंट जेवियर्स कॉलेज (स्वायत्त), छात्र सशक्तिकरण हेतु शिक्षा को बढ़ाने के लिए प्रौद्योगिकी की शक्ति के साथ कार्यरत है। स्थापना के बाद से, यह विभिन्न गतिविधियों में सक्रिय है, जो अभिनव शिक्षण और सीखने के तरीकों को बढ़ावा देते हैं।

केंद्र की सर्वोत्तम कार्य पद्धति में से एक है, सर्वोत्तम प्रौद्योगिकी के उपयोग से न केवल विषय-वस्तु को परिष्कृत करना, बल्कि विषय-वस्तु प्रसारित करने के माध्यम को भी परिष्कृत करना, मुख्य रूप से शिक्षा मंत्रालय के वृहत् मुक्त ऑनलाइन पाठ्यक्रम (मूक्स) स्वयं प्लेटफॉर्म के माध्यम से कार्यरूप देना।

ये गतिविधियां प्रकाश डालती हैं कि केंद्र ने मूक्स की गुणवत्तापूर्ण विषय-वस्तु निर्माण के क्षेत्र में कितनी प्रगति की है, जिससे न केवल देश में, बल्कि बाहर भी सबसे योग्य शिक्षार्थियों को सर्वोत्तम संसाधन उपलब्ध कराए जा रहे हैं।

निर्माण विवरण

केंद्र ने तीन सत्रों में निम्नानुसार पाठ्यक्रम प्रस्तुत किए हैं:

2024 (**जनवरी-जून सत्र**)

ईएमआरसी	**पाठ्यक्रम (स्ना./स्नातको.)**	**पाठ्यक्रम शीर्षक**	**पाठ्यक्रम समन्वयक**
कोलकाता	स्नातक	पॉलिटिक्स थ्योरी: कॉन्सेप्ट्स & डिबेट्स	डॉ. सिबाजी प्रतिम बासु
कोलकाता	स्नातक	इंट्रोडक्शन टू सोश्योलॉजी-I	डॉ. सरबनी बंदोपाध्याय
कोलकाता	स्नातक	मैकिंग ऑफ कंटम्परेरी इंडिया	डॉ. सौमित्र श्रीमणि
कोलकाता	स्नातक	कंस्ट्टीट्यूशनल गवर्मेंट & डेमोक्रेसी इन इंडिया	प्रो. अमिताभ रे
कोलकाता	स्नातक	सोश्योलॉजी ऑफ मीडिया	डॉ. इप्सिता बारत
कोलकाता	स्नातक	इकोनॉमैट्रिक्स	डॉ. पार्थो प्रतिम घोष
कोलकाता	स्नातक	पॉलिटिकल प्रोसेस इन इंडिया	डॉ. झुमपा मुखर्जी
कोलकाता	स्नातक	इंट्रोडक्शन टू सोश्योलॉजी-II	प्रो. कस्तुरी सिन्हा घोष
कोलकाता	स्नातक	एडवर्टीजमेंट एंड मीडिया	डॉ. मनाली भट्टाचार्य
कोलकाता	स्नातक	आस्पेक्ट्स ऑफ यूरोपियन हिस्ट्री (1780-1939)	प्रो. सुभाष रंजन चक्रवर्ती
कोलकाता	स्नातकोत्तर	ऑपरेशंस रिसर्च	प्रो. बिभाष चंद्र गिरि
कोलकाता	स्नातकोत्तर	पार्शियल डिफ्रेंशियल इक्वेशंस	डॉ. अलका दास

कोलकाता	स्नातकोत्तर	न्यूमैरिकल एनालिसिस	डॉ. मधुमंगल पाल
कोलकाता	स्नातकोत्तर	फंक्शनल एनालिसिस	डॉ. मंटू साहा
कोलकाता	स्नातकोत्तर	लॉ एंड जस्टिस इन ए ग्लोबलाइजिंग वर्ल्ड	प्रो. श्रीकृष्णा देवा राव

2024 (जुलाई-दिसंबर सत्र)

ईएमआरसी	पाठ्यक्रम (स्ना./स्नातको.)	पाठ्यक्रम शीर्षक	पाठ्यक्रम समन्वयक
कोलकाता	स्नातक	जूनियर कोर्स इन कत्थक	प्रो. अमिता दत्त
कोलकाता	स्नातक	प्लांट फिजियोलॉजी एंड मैटाबॉलिज्म	डॉ. सुदेशना श्याम चौधरी
कोलकाता	स्नातक	एडवांस्ड माइक्रोबायोलॉजी	डॉ. अरूप कुमार मित्रा
कोलकाता	स्नातक	हिस्ट्री ऑफ इंडिया (1206-1550)	डॉ. टिन्नी गोस्वामी
कोलकाता	स्नातक	डेमोक्रेटिक अवेयरनैस विथ लीगल लिट्रेसी	डॉ. पार्था प्रतिम पॉल
कोलकाता	स्नातक	हिस्ट्री ऑफ इंडिया (750-1206)	डॉ. झूमा सान्याल
कोलकाता	स्नातक	एडमिनिस्ट्रेशन एंड पब्लिक पॉलिसी: कंसेप्ट्स एंड थ्योरीज	डॉ. एसिता सुर
कोलकाता	स्नातक	इंडियन गवर्मेंट एंड पॉलिटिक्स	डॉ. अरुंधति भट्टाचार्य
कोलकाता	स्नातक	इंटिग्रेटेड मार्केटिंग कम्यूनिकेशन एंड सेल्स फॉर्स	डॉ. सोमा नाथ
कोलकाता	स्नातक	इंटरप्रिन्योरशिप मैनेजमेंट	डॉ. सुजीत मुखर्जी

2025 (जनवरी-जून सत्र)

ईएमआरसी	पाठ्यक्रम (स्ना./स्नातको.)	पाठ्यक्रम शीर्षक	पाठ्यक्रम समन्वयक
कोलकाता	स्नातक	इंवायरमैंटल सोश्योलॉजी	डॉ. अरूप कुमार मित्रा
कोलकाता	स्नातक	टैक्निक्स ऑफ एथोनोग्राफिक फिल्ममैकिंग	डॉ. इप्सिता बारात
कोलकाता	स्नातक	एडवर्टीजमेंट एंड मीडिया	डॉ. मनाली भट्टाचार्य
कोलकाता	स्नातक	इंटरनेशनल इकोनॉमिक्स	डॉ. सम्राट रॉय
कोलकाता	स्नातक	पॉलिटिकल इकोनॉमी-I	डॉ. झुम्पा मुखर्जी
कोलकाता	स्नातक	पॉलिटिक थ्योरी: कॉन्सेप्ट्स एंड डिबेट्स	डॉ. सिबाजी प्रतिम बसु
कोलकाता	स्नातक	रिसर्च मैथेडोलॉजी इन हिस्ट्री	डॉ. टिन्नी गोस्वामी
कोलकाता	स्नातक	दृश्य श्रव्य माध्यम लेखन	डॉ. रवि सूर्यवंशी
कोलकाता	स्नातक	डेवलेपमेंट इकोनॉमिक्स-II	श्री मानस रंजन भौमिक
कोलकाता	स्नातक	मनी एंड फाइनेंसियल मार्केट्स	डॉ. सास्वती चौधरी
कोलकाता	स्नातक	इंडियन इकोनॉमी-II	डॉ. महानंदा कांजीलाल
कोलकाता	स्नातक	हिस्ट्री ऑफ मॉर्डन ईस्ट एशिया-I (सी. 1840-1949)	डॉ. रिद्धि भट्टाचार्य

क. वित्त वर्ष 2024-25 के लिए राजस्व अनुदान का आवंटन और उपयोग

तालिका-I: 01.04.2024 से 31.03.2025 अवधि के राजस्व अनुदान के अंतर्गत वेतन (यूजीसी शीर्ष 36) के तहत प्राप्ति एवं व्यय खर्च का विवरण।

मद	**आंकड़े (रु. में)**	**मद**	**यूजीसी आवंटन (रु. में)**	**वास्तविक व्यय खर्च (रु. में)**
1.4.2024 को प्रारंभिक शेष राशि	46,52,510.33	वेतन	शून्य	3,73,50,672.44
2024-25 में यूजीसी से अनुदान	3,53,04,125.00	कुल व्यय	शून्य	3,73,50,672.44
कुलयोग	3,99,56,635.33		**31.03.2025 को शेष राशि**	**26,05,692.89**

तालिका-II: 1.4.2024 से 31.03.2025 तक राजस्व अनुदान के अंतर्गत पेंशन और गैर-वेतन (यूजीसी शीर्ष 31) के तहत प्राप्ति और व्यय खर्च का विवरण

मद	**आंकड़े (रु. में)**	**मद**	**यूजीसी आवंटन (रु. में)**	**वास्तविक व्यय खर्च (रु. में)**
1.4.2024 को प्रारंभिक शेष राशि	(33,40,936.88)	पेंशन और गैर-वेतन	शून्य	**2,06,58,666.20**
2024-25 में यूजीसी से अनुदान	2,47,56,446.00	कुल व्यय खर्च	शून्य	**2,06,58,666.20**
कुलयोग	2,14,15,509.12		**31.03.2025 को शेष राशि**	**7,56,842.92**

ख. वित्त वर्ष 2024-25 के लिए बजट अनुमान

केंद्र ने वित्त वर्ष 2024-25 के लिए 6.99 करोड़ रु. का संशोधित बजट अनुमान प्रस्तुत किया है। केंद्र को अब तक कोई बजट आवंटन प्राप्त नहीं हुआ है।

तालिका-III: वित्त वर्ष 2024-25 के लिए बजट अनुमान

(आंकड़े रु. में)

यूजीसी शीर्ष	**मद**	**बजट अनुमान**
36 क	वेतन (संशोधित वेतनमान की गणना अनुसार)	4,76,14,000
36 ख	सेवानिवृत्ति लाभ जैसे ग्रेच्युटी आदि	शून्य
36	**वेतन**	**4,76,14,000**
31 क	गैर-वेतन के अंतर्गत विविध व्यय खर्च	1,58,60,000
31 ख	पेंशन (संशोधित वेतनमान की गणना अनुसार)	63,94,000
31	**विविध व्यय खर्च और पेंशन**	**2,22,54,000**
	कुलयोग	**6,98,68,000**

ग. वित्त वर्ष 2025-26 के लिए बजट अनुमान

तालिका-IV: वित्त वर्ष 2025-26 के लिए बजट अनुमान

(आंकड़े रु. में)

यूजीसी शीर्ष	**मद**	**बजट अनुमान**
36 क	वेतन (संशोधित वेतनमान की गणना अनुसार)	3,89,90,000
36 ख	सेवानिवृत्ति लाभ जैसे ग्रेच्युटी आदि	1,33,50,000
36	**वेतन**	**5,23,40,000**
31 क	गैर-वेतन के अंतर्गत विविध व्यय खर्च	1,61,00,000
31 ख	पेंशन (संशोधित वेतनमान की गणना अनुसार)	69,30,000
31	**विविध व्यय और पेंशन**	**2,30,30,000**
	कुलयोग	**7,53,70,000**

<u>मूक्स निधि की प्रस्थिति</u>

केंद्र ने मूक्स के लिए जारी निधि का लेखापरीक्षित विवरण और लेखापरीक्षित उपयोगिता प्रमाण-पत्र (जीएफआर 12ए) तथा 01-04-2023 से 02-07-2024 तक की अवधि के लिए पाठ्यक्रम अनुसार व्यय खर्च का विवरण प्रस्तुत किया।

01-04-2020 से 31-03-2022 अवधि के लिए व्यय खर्च का विवरण

प्राप्तियां	आंकड़े (रु. में)	व्यय खर्च	आंकड़े (रु. में)
01.04.2023 को प्रारंभिक शेष राशि	46,47,949.43	व्यय खर्च	1,84,65,418
सीईसी से प्राप्त अनुदान	शून्य	शून्य	शून्य
दिनांक 09.08.2023 को	28,19,277.00	शून्य	शून्य
दिनांक 02.07.2024 को	1,01,91,862.00	शून्य	शून्य
अर्जित ब्याज	1,26,097.00	शून्य	शून्य
कुलयोग	**1,77,85,185.43**	**कुल व्यय खर्च**	**1,84,65,418.00**
		02.07.2024 को शेष राशि	**(6,80,232.57)**

प्रशिक्षण और कार्यशाला

लोरेटो कॉलेज, कोलकाता में मूक्स कार्यशाला

25 और 26 नवंबर, 2024 को लोरेटो कॉलेज, कोलकाता में मूक्स, और विशेष रूप से स्वयं प्लेटफॉर्म से कर्मचारियों को परिचित कराने के साधन के रूप में, लोरेटो कॉलेज के व्याख्याता और प्रोफेसरों के लिए आधे दिन की दो कार्यशालाएं आयोजित की गई। 140 वर्ष पुराने कॉलेज की शिक्षक प्रभारी (प्रधानाचार्य) सीनियर एस. निर्मला भी 28 कर्मचारियों के साथ पहले दिन के सत्र में सम्मिलित हुई, जबकि दूसरे दिन लगभग 30 संकाय सदस्य सम्मिलित हुए। ऑनलाइन और मिश्रित (ऑनलाइन-ऑफलाइन) माध्यम के महत्व पर चर्चा के बाद, जिस विषय पर एनईपी 2020 में जोर दिया गया है, कर्मचारियों को स्वयं की संक्षिप्त पृष्ठभूमि बताई गई और पंजीकृत छात्र के इंटरफेस और पाठ्यक्रम समन्वयक के इंटरफेस का विस्तृत प्रदर्शन दिया गया। कर्मचारियों को यह भी बताया गया कि वे ऑनलाइन पोर्टल (इंफ्लिबिनेट) और ऑफलाइन के माध्यम से सीईसी/यूजीसी को मूक्स पाठ्यक्रमों का प्रस्ताव कैसे दे सकते हैं। इस दौरान प्रतिभागियों को मूक्स के उपयोग और इसके निर्माण संबंधी बारिकियों में ईएमआरसी कोलकाता द्वारा प्रदत्त सुविधाओं के बारे में बताया गया।

शिक्षकों के साथ ईएमआरसी के सदस्य

संवादात्मक सत्र

डिजिटल सामग्री निर्माण- कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) पर कार्यशाला

इस विषय पर शैक्षिक मल्टीमीडिया अनुसंधान केंद्र में शैक्षिक संचार संकाय (सीईसी) द्वारा दो दिवसीय कार्यशाला, डिजिटल सामग्री निर्माण- कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), का आयोजन।

सेंट जेवियर्स कॉलेज (स्वायत्त), कोलकाता में 22 और 23, अगस्त 2024 को आयोजन

यह कार्यशाला प्रौद्योगिकी और शिक्षा में नवीनतम प्रगति को अंगीकरण की दिशा में केंद्र के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित हुई। चूंकि हम प्रौद्योगिकी और रचनात्मकता की राह पर हैं, इसलिए डिजिटल सामग्री निर्माण के परिदृश्य को बदलने में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की भूमिका को कम नहीं आंका जा सकता। एआई तेजी से विज्ञान कथानक की भविष्य की अवधारणा से एक मूर्त वास्तविकता में विकसित हुआ है, जिसने शिक्षा, मीडिया और संचार सहित विभिन्न क्षेत्रों को प्रभावित किया है।

कार्यशाला का उद्देश्य इन अंतर्संबंधों का पता लगाना तथा यह जानकारी प्रदान करना था कि किस प्रकार एआई का उपयोग डिजिटल सामग्री निर्माण में नवाचार, सरलीकरण और वृद्धि के लिए किया जा सकता है। हम भाग्यशाली रहे कि इस अवसर पर ऐसे असाधारण वक्ता मौजूद रहे, जो अपने-अपने क्षेत्रों में अग्रणी हैं। उनकी विशेषज्ञता और अंतर्दृष्टि ने निस्संदेह हमें पारंपरिक से आगे सोचने और एआई द्वारा पेश की जाने वाली संभावनाओं को अपनाने के लिए प्रेरित किया।

ईएमआरसी ने निकट भविष्य में शिक्षा को दूर-दूराज तक फैलाने के प्रयास में ऑनलाइन और व्यक्तिगत रूप से ऐसी ही कार्यशालाएं आयोजित करने की योजना बनाई है।

कर्मचारी प्रशिक्षण

I. सेंट जेवियर्स कॉलेज (स्वायत्त) के स्नातकोत्तर मल्टीमीडिया विभाग के साथ मिलकर 8 और 9 मार्च, 2024 को दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन और उत्सव- एलन: आर्ट एंड बियॉन्ड, का आयोजन किया गया। सम्मेलन में ईएमआरसी, कोलकाता के 15 कर्मचारी सम्मिलित हुए।

II. डिजिटल सामग्री के तकनीकी संवर्धन पर राष्ट्रीय क्षमता निर्माण कार्यशाला।

ईएमआरसी कश्मीर ने कंटेंट-निर्माताओं को आधुनिक रुझानों से लैस करने के लिए, 5-7 मार्च, 2024 तक ईएमआरसी, कश्मीर विश्वविद्यालय में 'डिजिटल कंटेंट प्रोड्यूसर्स क्षमता निर्माण- नई मीडिया टेक्नोलॉजीज' पर कार्यशाला का आयोजन किया। श्री जूलियन एस. दास, निर्माता, ईएमआरसी कोलकाता ने कार्यशाला में कोलकाता का प्रतिनिधित्व किया।

III. मौलिक डाटा विज्ञान पर राष्ट्रीय कार्यशाला।

27 से 29 मार्च, 2025 तक "फाउंडेशनल डाटा साइंस" विषय पर तीन दिवसीय कार्यशाला आयोजित। इसका आयोजन ईएमआरसी चैन्नई द्वारा अन्ना विश्वविद्यालय और सीईसी के सहयोग से किया गया। इसका उद्देश्य मौलिक डाटा विज्ञान अवधारणाओं, डाटा विश्लेषण तकनीकों और डाटा विज्ञान उपकरणों में कुछ व्यावहारिक प्रशिक्षण की समझ प्रदान करना था।

इस कार्यक्रम में विभिन्न ईएमआरसी केंद्रों और शैक्षणिक संस्थानों के 40 शोधकर्ता और शिक्षाविद सम्मिलित हुए।

स्टूडियो में टंगस्टन की जगह एलईडी का प्रयोग

केंद्र के स्टूडियो में अत्याधुनिक एलईडी लाइट्स को लगाया गया, जिसे विशेष रूप से आधुनिक डिजिटल शूटिंग के लिए डिजाइन किया गया है। ये लाइट न केवल उच्च गुणवत्ता वाले उत्पादन के लिए इष्टतम रोशनी प्रदान करती हैं, बल्कि कलाकारों और संसाधन विशेषज्ञों के लिए सुखदायक और आरामदायक भी हैं, जो एक आरामदायक और उत्पादक वातावरण सुनिश्चित करती हैं।

केंद्र के लिए ए.वी. उपकरण उन्नयन/खरीद

ईएमआरसी, कोलकाता एक महत्वपूर्ण मुद्दे से जूझ रहा है, जिस पर तत्काल विचार करने की आवश्यकता है। केंद्र में उपकरण/सुविधा 8 वर्षों से अधिक समय से परिचालन में है और अब यह एक गंभीर स्थिति में पहुंच गई है, जिसके लिए तत्काल नवीनीकरण/प्रतिस्थापन/उन्नयन की आवश्यकता है।

हाल के वर्षों में केंद्र ने कई बार सीईसी-यूजीसी से ए.वी. कंटेंट निर्माण के लिए नए आवश्यक उपकरणों की खरीद के लिए राशि आवंटन का अनुरोध किया है। केंद्र का सर्वर भी ठीक से काम नहीं कर रहा, जिसके उन्नयन की आवश्यकता थी। कार्यालय के दैनिक उपयोग के लिए कुछ नए कंप्यूटर और फर्नीचर भी खरीदने की आवश्यकता है।

अंत में, यूजीसी ने सहमति व्यक्त की और नए उपकरणों की खरीद के लिए श्रेणी-35 में कुछ धनराशि आवंटित की, और हमें चालू वित्तीय वर्ष 2024-2025 में निधि का उपयोग करने तथा 31 मार्च, 2025 तक खरीद पूरी करने का निर्देश दिया गया। इसलिए, फरवरी, 2025 से केंद्र उपकरण खरीद में व्यस्त रहा।

पुरस्कार

श्री अरिंदम कोनार और श्री श्याम सुंदर पॉल वर्ष के सर्वश्रेष्ठ कार्यक्रम- उज्ज्वल उत्तम: आर्टफुल लाइफ ऑफ उत्तम बहुरूपी के लिए पुरस्कार प्राप्त करते। पुरस्कार

श्री चंदन घराई, रघुराजपुर- ए हैरिटेज विलेज, कार्यक्रम के लिए सर्वश्रेष्ठ ध्वनि डिजाइन का पुरस्कार प्राप्त करते। पुरस्कार

विविध गतिविधियां/ विवरण:

फादर गैस्टन रोबर्ज कक्ष का उद्घाटन

केंद्र ने कक्ष के बेहतर नवीनीकरण में कड़ी मेहनत की, और भविष्य के प्रयास के लिए इसका नाम फादर गैस्टन रोबर्ज कक्ष रखा।

एनएएसी निरीक्षण, 2025

एनएएसी दल ने ईएमएमआरसी का निरीक्षण दौरा किया, केंद्र में संक्षिप्त भ्रमण पर पहुंचे सदस्यों ने कर्मचारियों से बातचीत की।

अकादमिक लेखा अंकेक्षण, 2025 के लिए प्रतिष्ठित प्रोफेसरों द्वारा ईएमआरसी का भ्रमण

i) प्रो. सुबीर मैत्रा, पूर्व रजिस्ट्रार, रबीन्द्र भारती विश्वविद्यालय

ii) प्रो. (डॉ.) जयंती दास, प्रोफेसर, शिक्षा विभाग, कलकत्ता विश्वविद्यालय, अध्यक्षा, यूजीबीओएस-एजुकेशन, कलकत्ता विश्वविद्यालय, संयोजक, शिक्षा में पीएचडी आरएसी, कलकत्ता विश्वविद्यालय, सचिव, पश्चिम बंगाल कॉलेज सेवा आयोग।

iii) प्रो. अयान बनर्जी, वाणिज्य विभाग, सेंट जेवियर्स कॉलेज (स्वायत्त)।

संक्षिप्त रिपोर्ट

"सेंट जेवियर कॉलेज भारत का एकमात्र डिग्री कॉलेज है, जिसे यूजीसी के शैक्षिक मल्टीमीडिया अनुसंधान केंद्र (ईएमआरसी) प्रबंधन की जिम्मेदारी दी गई है। वर्ष 1986 में स्थापित, ईएमएमआरसी जिसे अब ईएमआरसी के रूप में जाना जाता है, देश के सर्वश्रेष्ठ केंद्रों में से एक है, और इसने कई पुरस्कार जीते हैं। हालांकि ईएमआरसी कोलकाता सभी विधाओं के शैक्षिक कार्यक्रम निर्माण- पाठ्यक्रम उन्मुख, निर्देशात्मक और वृत्तचित्र प्रारूप में संवर्धन कार्यक्रम, लेकिन वर्तमान में इसका अधिदेश मुख्य रूप से स्वयं प्लेटफॉर्म के लिए वृहत् स्तर पर ओपन ऑनलाइन पाठ्यक्रम (मूक्स) निर्माण करना है।"

ईएमआरसी- लखनऊ

संयोजक संस्थान: लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ

संक्षिप्त परिचय

दृश्य-श्रव्य और मल्टीमीडिया कार्यक्रमों का निर्माण और प्रसार, प्रासंगिक शोध, आवश्यक जनशक्ति प्रशिक्षण और विश्वविद्यालय प्रणाली में मीडिया साक्षरता और नवाचार संस्कृति को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मीडिया केंद्र, ईएमआरसी लखनऊ का गठन किया गया। केंद्र शिक्षा के क्षेत्र में इलैक्ट्रॉनिक मीडिया और आईसीटी का इष्टतम उपयोग सुनिश्चित करने का प्रयास करता है।

ईएमआरसी लखनऊ लगातार समर्पण के साथ विभिन्न प्रकार के शिक्षण-शिक्षण संसाधन बनाने के लिए कार्यरत है जो अनुसंधान पर आधारित और अभिनव पाठ्यक्रम डिजाइन द्वारा संचालित हैं। केंद्र ने महत्वपूर्ण सामाजिक और पर्यावरणीय मुद्दों पर मूक्स, ई-व्याख्यान, शैक्षिक कार्यक्रम, वृत्तचित्र और लघु फिल्में बनाने में सक्रिय भूमिका निभाई है।

मीडिया केंद्र की मुख्य विशेषताएं निम्न हैं:

- दृश्य-श्रव्य रिकॉर्डिंग स्टूडियो: टेलीप्रॉम्प्टर, क्रोमा बैकग्राउंड और ध्वनि उपकरणों से सुसज्जित एक अस्थायी स्टूडियो।
- नॉन-लीनियर एडिटिंग सुइट्स: एडोब क्रिएटिव क्लाउड द्वारा संचालित पोस्ट-प्रोडक्शन सुविधाएं।
- प्रसारण और प्रसारण क्षमता: केंद्र शिक्षा मंत्रालय के तहत फ्री-टू-एयर चैनल और स्वयं तथा स्वयं प्रभा जैसे शैक्षिक डीटीएच प्लेटफार्म के लिए सामग्री निर्माण करता है।
- मूक्स: सभी सामग्री को यूजीसी मानदंडों और स्वयं मानक अनुरूप विकसित किया है, जिसमें चार-क्वाडरेंट मॉड्यूल प्रस्तुति तैयारी भी शामिल है।
- सहयोगात्मक परियोजनाएं: केंद्र ने राज्य और केंद्रीय एजेंसियों के साथ कई सहयोगात्मक परियोजनाएं शुरू की हैं, जिनमें मीडिया साक्षरता और डिजिटल कौशल विकास पर केंद्रित शैक्षिक वीडियो श्रृंखला और अभियान तैयार किए गए हैं।

मीडिया केंद्र की प्रमुख उपलब्धियां:

- वर्ष 2023-2024 में मीडिया केंद्र ने जनसंचार और पत्रकारिता विभाग के सहयोग से स्क्रिप्टिंग, रिकॉर्डिंग और मूक्स सामग्री निर्माण में व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान करके संकाय विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।
- उक्त वर्ष केंद्र ने पीएम ई-विद्या पहल के तहत विशेष शैक्षिक श्रृंखला निर्मित की, जिसमें उत्तर प्रदेश के स्कूली शिक्षकों और शिक्षार्थियों की सहायता के लिए 55 मॉड्यूल निर्मित किए गए।

- इसके अलावा, केंद्र ने “शिक्षा में एआई” पर 22 शिक्षण मॉड्यूल विकसित किए- जो शिक्षार्थियों और शिक्षकों के लिए बनाए गए एक अभिविन्यास पाठ्यक्रम है, जिसे एससीईआरटी, उत्तर प्रदेश के लिए निर्मित किया गया।

ईएमएमआरसी लखनऊ में संचालित और आगामी परियोजनाएं

माह अक्तूबर, 2025 में मीडिया केंद्र को ह्यूमन न्यूट्रिशन पर मूक्स के निर्माण का काम सौंपा गया। केद्र वर्तमान में ह्यूमन न्यूट्रिशन पर 4-क्रेडिट मूक्स निर्माण में संलग्न है। इस परियोजना के रूप में, 35 मॉड्यूल रिकॉर्ड किए गए हैं, जिनमें से 20 की समीक्षा के लिए सीईसी, नई दिल्ली को प्रस्तुत किया जा चुका है। पाठ्यक्रम का निर्माण चरणबद्ध तरीके से किया जा रहा है, और उत्पादन प्रक्रिया सुचारू है।

इसके अतिरिक्त, मीडिया केंद्र को हिंदी साहित्य का इतिहास- आधुनिक काल, 5 क्रेडिट, मूक्स निर्माण की जिम्मेदारी सौंपी गई है। 21 मई, 2025 को हिंदी विभाग, बीबीएयू, लखनऊ को सीईसी, नई दिल्ली से मूक्स प्रस्ताव पर मंजूरी मिल गई। विभाग इस पाठ्यक्रम के लिए सामग्री निर्मित और रिकॉर्डिंग जून, 2025 के अंत तक प्रारंभ कर रहा है।

इसके अलावा, केंद्र ने दो अतिरिक्त मूक्स पाठ्यक्रमों के लिए ईओआई प्रस्तुत किया है:

- इंडियन नोलेज सिस्टम एंड इंवायरमेंट (स्नातक स्तर)
- इंवायरमेंटल कम्यूनिकेशन एंड जर्नलिज्म (स्नातक स्तर)

ये दोनों मूक्स प्रस्ताव विचाराधीन हैं, और भविष्य में इनके स्वीकृति की उम्मीद है।

बजट/वित्त

- ईएमएमआरसी लखनऊ मीडिया केंद्र को शैक्षिक सामग्री उत्पादन और बुनियादी ढांचा मजबूत करने के लिए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) और शैक्षिक संचार संकाय (सीईसी) से वित्तीय सहायता प्राप्त हुई।
- 13 फरवरी. 2025 को यूजीसी ने सामान्य परिसंपत्तियों के 35वें शीर्ष के अंतर्गत 10,00,000 रु. का अनुदान स्वीकृत किया। इस स्वीकृत राशि में से मीडिया केंद्र ने बुनियादी ढांचे और निर्माण आवश्यकताओं के लिए 5,63,095 रु. का सफलतापूर्वक उपयोग किया।
- इसके अतिरिक्त, 7 फरवरी, 2025 को मीडिया केंद्र को सीईसी, नई दिल्ली से 5,00,000 रु. का अनुदान प्राप्त हुआ, विशेष रूप से शिक्षा मंत्रालय के शैक्षिक डीटीएच प्लेटफॉर्म- स्वयंप्रभा पर प्रसारित किए जाने वाले मूक्स निर्माण के लिए।

प्रशिक्षण और कार्यशालाएं

- मीडिया केंद्र, लखनऊ ने सीईसी, नई दिल्ली के सहयोग से "डिजिटल शिक्षा में एआई" विषय पर दो दिवसीय कार्यशाला (27 और 28 फरवरी, 2025) का आयोजन किया, जिसका उद्देश्य उभरते डिजिटल उपकरणों और रुझानों के साथ शिक्षकों और शिक्षार्थियों दोनों को सशक्त बनाना था।
- कार्यशाला के पहले दिन कार्यक्रम का पूर्वावलोकन के रूप में रहा, जिसमें प्रतिभागियों को इस बात का व्यापक अवलोकन प्रदान किया गया कि कैसे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस शिक्षा परिदृश्य को नया रूप दिया जाएगा। विशेषज्ञों के मार्गदर्शन में सत्रों और संवादी चर्चाओं के माध्यम से, उपस्थित लोगों ने शिक्षण, सामग्री निर्माण और व्यक्तिगत शिक्षण में एआई की उभरती भूमिका की जांच की गई।
- दूसरे दिन कार्यशाला में व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया, जिसमें प्रतिभागियों ने विभिन्न एआई उपकरणों के साथ सक्रिय रूप से सम्मिलित हुए। उन्होंने शिक्षा में एआई के व्यावहारिक अनुप्रयोगों की जांच- पाठ योजना से लेकर सामग्री निर्माण और मूल्यांकन तक- जिससे उनकी डिजिटल तत्परता और शैक्षिक उद्देश्यों के लिए प्रौद्योगिकी का उपयोग करने में आत्मविश्वास बढ़ा।
- यह कार्यशाला शिक्षाप्रद और प्रभावकारी हुई, जिसने प्रतिभागियों को व्यावहारिक कौशल और अंतर्दृष्टि से लैस किया ताकि वे अपने शैक्षणिक कार्यों में एआई को सार्थकता से एकीकृत कर सकें।

ईएमआरसी- मदुरै

संयोजक संस्थान: मदुरै कामराज विश्वविद्यालय

संक्षिप्त परिचय

मदुरै कामराज विश्वविद्यालय का शैक्षिक मल्टीमीडिया अनुसंधान केंद्र पूरे भारत में स्थापित 21 मीडिया केंद्रों में से एक है, और यह स्नातक/स्नातकोत्तर छात्रों के लिए उच्च गुणवत्ता वाले टेलीविजन और वेब आधारित शैक्षिक कार्यक्रम निर्मित कर रहा है। इसे वर्ष 1986 में यूजीसी द्वारा 'यूजीसी कंट्रीवाइड क्लासरूम' कार्यक्रम निर्माण करने की योजना के तहत ऑडियो विजुअल रिसर्च सेंटर (एवीआरसी) के रूप में स्थापित किया गया, और वर्ष 1988 से इसने निर्माण प्रारंभ किया। प्रदर्शन के आधार पर केंद्र को वर्ष 1991 में शैक्षिक मीडिया अनुसंधान केंद्र (ईएमआरसी) में अद्यतन किया गया और यह यूजीसी की गैर-योजना के तहत सम्मिलित किया गया। वर्ष 2005 में केंद्र को शैक्षिक मल्टीमीडिया अनुसंधान केंद्र (ईएमएमआरसी) के रूप में पुन: नामित किया गया।

निर्माण विवरण

- ईएमआरसी, मदुरै ने 3713 शैक्षिक कार्यक्रम (2156 ईटीवी और 1557 ई-सामग्री) निर्मित किए हैं, जिन्हें दूरदर्शन, ज्ञानदर्शन, व्यास- यूजीसी के उच्च शिक्षा चैनल के माध्यम से प्रसारित किया जाता है और शैक्षिक संचार संकाय (सीईसी) की वेबसाइट पर समाहित किया है। केंद्र समय-समय पर यूजीसी और सीईसी द्वारा सौंपे कार्य को पूरा करता है। वर्तमान में केंद्र स्वयं पोर्टल पर मूक्स निर्माण और अपलोड करता है।
- केंद्र ने वर्ष 2024-2025 में 29 मूक्स (2 नवीन, 19 पुन: संचालित और 8 स्नातकोत्तर) पाठ्यक्रम प्रस्तुत किए।

बजट/वित्त

विवरण निम्न दिया गया है:

I 36 शीर्ष (वेतन और सेवानिवृत्ति लाभ)

01.04.2024 तक प्रारंभिक शेष (रु. में)	यूजीसी से प्राप्त अनुदान (रु. में)	अन्य प्राप्तिया (रु. में)	कुलयोग (रु. में)	व्यय खर्च (रु. में)	31.03.2025 तक शेष राशि (रु. में)
1,89,92,677.23	1,42,18,0000	3,45,906	3,35,56,583.23	2,10,39,665.00	1,25,16,918.23

II 31 शीर्ष (सामान्य परिसंपत्तियां और पेंशन)

01.04.2024 तक प्रारंभिक शेष (रु. में)	यूजीसी से प्राप्त अनुदान (रु. में)	अन्य प्राप्तिया (रु. में)	कुलयोग (रु. में)	व्यय खर्च (रु. में)	31.03.2025 तक शेष राशि (रु. में)

2842107.06	39,46,000	शून्य	67,88,107.06	42,83,354.50	25,04,752.56

III 35 शीर्ष (सामान्य परिसंपत्तियां)

01.04.2024 तक प्रारंभिक शेष (रु. में)	यूजीसी से प्राप्त अनुदान (रु. में)	अन्य प्राप्तिया (रु. में)	कुलयोग (रु. में)	व्यय खर्च (रु. में)	31.03.2025 तक शेष राशि (रु. में)
157876.00	15,00,000	7,771.00	16,65,647.00	15,45,433.00	120,214.00

प्रशिक्षण और कार्यशाला

- निदेशक महोदय 14 और 15 नवंबर, 2024 को ईएमआरसी, पुणे में आयोजित 106वीं समन्वय समिति/निदेशकों की बैठक में सम्मिलित हुए।
- निदेशक 04 से 06 दिसंबर, 2024 तक जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर में ईएमआरसी, जोधपुर के सहयोग से आयोजित 16वें प्रकृति अंतर्राष्ट्रीय वृत्तचित्र फिल्म महोत्सव के पुरस्कार समारोह-सह-फिल्म स्क्रीनिंग में सम्मिलित हुए।
- ऑनलाइन माध्यम से शैक्षिक सामग्री निर्माण के लिए ई-सामग्री विकास और एआई टूल्स परिचय पर एक दिवसीय कार्यशाला 17 फरवरी, 2025 को कृष्णा इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मेसी कृष्णा विश्व विद्यापीठ, कराड, महाराष्ट्र के सहयोग से आयोजित की गई।
- निदेशक 20 मार्च से 22, मार्च 2025 तक ईएमआरसी बासाहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ में आयोजित 26वें सीईसी-यूजीसी शैक्षिक फिल्म महोत्सव के पुरस्कार समारोह-सह-फिल्म स्क्रीनिंग में सम्मिलित हुए।
- श्री ए. मुप्पल, निर्माता 27, 28 और 29 मार्च, 2025 को ईएमआरसी, चैन्नई में आयोजित डाटा विज्ञान के मूल सिद्धांतों पर 3 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला/शोधकर्ताओं की बैठक में सम्मिलित हुए।

उपलब्धियां / पुरस्कार

- इस वर्ष केंद्र ने 15,45,433/- रु. के उपकरण खरीदे हैं।

विविध गतिविधियां / विवरण

श्री एन. रामकीर्ति, निदेशक और श्री ए. मुप्पल, निर्माता ने छात्रों और शिक्षकों को ईएमआरसी, मदुरै द्वारा प्रस्तुत स्वयं और मूक्स के बारे में जानकारी देने के लिए विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों का भ्रमण किया।

ईएमआरसी- मैसूर

संयोजक संस्थान: मैसूर विश्वविद्यालय, मैसूर, कर्नाटक

संक्षिप्त परिचय

शैक्षिक मल्टीमीडिया अनुसंधान केंद्र, पहले ऑडियो विजुअल अनुसंधान केंद्र (एवीआरसी), की स्थापना वर्ष 1996 में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली के साथ समझौता ज्ञापन के अंतर्गत मैसूर विश्वविद्यालय में की गई। ईएमआरसी 24 घंटे उच्च शैक्षिक चैनल (जीडी-व्यास) और दूरदर्शन के राष्ट्रीय नेटवर्क डीडी-1 के लिए शैक्षणिक वीडियो कार्यक्रम तैयार करता रहा है। देशभर में ऐसे 21 शैक्षिक मल्टीमीडिया अनुसंधान केंद्र हैं, जिनके यूजीसी-सीईसी, डीडी1, डी-व्यास और स्वयं प्रभा पर प्रसारित कार्यक्रमों के 25 मिलियन दर्शक हैं। ईएमआरसी राष्ट्रीय स्तर पर प्रसारण के लिए शोध किए गए, गुणवत्तापूर्ण शैक्षिक वीडियो कार्यक्रम तैयार करने के लिए शैक्षणिक संस्थानों के विषय विशेषज्ञों की सेवाएं लेता है। केंद्र का प्राथमिक कार्य 24 घंटे उच्च शैक्षिक चैनल- व्यास, दूरदर्शन के राष्ट्रीय नेटवर्क, ज्ञान दर्शन (जीडी-4) तथा स्वयं प्रभा के लिए कार्यक्रम निर्माण तथा स्वयं मूक्स का विकास-निर्माण करना है।

ईएमआरसी, मैसूर ने पिछले कुछ वर्षों में काफी प्रगति की है, शैक्षिक वीडियो से ई-सामग्री में बदलाव और वर्तमान में उन्नत आईसीटी माध्यम, स्वयं प्लेटफॉर्म के माध्यम से बड़े पैमाने पर ओपन ऑनलाइन पाठ्यक्रम (मूक्स) की पेशकश कर रहा है। यह प्लेटफॉर्म छात्रों को उच्च गुणवत्ता वाले वीडियो व्याख्यान, पठन सामग्री, चर्चा मंचों, आकलन और शैक्षणिक ग्रेडिंग की एक विस्तृत श्रृंखला तक पहुंच प्रदान करता है, जिससे डिजिटल युग में सीखने की पहुंच और सुविधापूर्ण शिक्षण बढ़ रहा है।

अपनी पेशकशों में विविधता लाते हुए, ईएमआरसी ने कानून, भाषा विज्ञान, कृषि, खाद्य प्रौद्योगिकी, सांख्यिकी, खाद्य और पोषण, अर्थशास्त्र, समाजशास्त्र, राजनीति विज्ञान और वाणिज्य सहित विभिन्न विषयों में कदम रखा है। वर्ष 2017 से, ईएमआरसी ने स्वयं प्लेटफॉर्म पर वार्षिक के दौरान 30 मूक्स संचालित किए है, जिन्हें सत्र व्यवस्था में क्रेडिट या प्रमाण-पत्र के रूप में वर्गीकृत किया गया है, जो स्नातक और स्नातकोत्तर दोनों स्तरों के लिए है। इसके अलावा, केंद्र ने मूक्स को क्षेत्रीय भाषाओं में अनुवादित किया, जिससे शिक्षा में पहुंच और समावेशिता विस्तृत हुई है।

उद्देश्य और प्रमुख विशेषताएं

केंद्र का मुख्य उद्देश्य मीडिया आधारित शिक्षण संसाधन तैयार और टेलीविजन तथा आईसीटी के माध्यम से विषयगत ज्ञान का प्रसार करना है।

इसके प्रमुख उद्देश्य निम्नलिखित हैं:

- शिक्षा गुणवत्ता में सुधार, उन्नयन और समृद्धि लाना
- दर्शकों की रुचि बढ़ाना और उनके क्षितिज को व्यापक बनाना
- पाठ्यक्रम को प्रासंगिक बनाने के प्रयास तथा सभी क्षेत्रों में नवीनतम प्रगति को प्रस्तुत करना

लक्ष्य समूह और लाभार्थियों तक गम्यता

प्राथमिक लक्ष्य ग्रामीण, दूरदराज और अर्ध शहरी क्षेत्रों में अध्ययनरत स्नातक छात्र हैं। द्वितीयक लक्ष्य शिक्षक, शोधकर्ता और आम शिक्षार्थी हैं।

मुख्य अंश:

15वीं प्रबंधन बोर्ड की बैठक 4 अक्तूबर, 2024 को आयोजित की गई, जिसकी अध्यक्षता प्रो. लोकनाथ एन.के., कुलपति एवं पदेन अध्यक्ष-प्रबंधन बोर्ड, शैक्षिक मल्टीमीडिया अनुसंधान केंद्र, मैसूर विश्वविद्यालय, मैसूर ने की। प्रो. जगत भूषण नड्डा, निदेशक सीईसी, पदेन सदस्य, प्रो. सपना एम.एस. निदेशक, ईएमआरसी, मैसूर, सदस्य सचिव, प्रो. निरंजना, कुलपति, बैंग्लोर उत्तर विश्वविद्यालय, प्रो. थिप्पेस्वामी के., विश्वेश्वरैया प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय सदस्य, श्रीमती वी.आर. शैलजा, के.ए.एस., रजिस्ट्रार, मैसूर विश्वविद्यालय, रजिस्ट्रार (मूल्यांकन) और वित्त अधिकारी बोर्ड के विशेष आमंत्रित सदस्य रहे।

प्रो. अखिलेश कुमार सिंह, कुलपति, पीआरएस विश्वविद्यालय प्रयागराज और प्रो. मनुकोंडा रबीन्द्रनाथ, सेंटर फॉर मीडिया स्टडीज स्कूल ऑफ सोशल साइंसेज, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय सदस्य के रूप में बैठक में ऑनलाइन माध्यम से सम्मिलित हुए।

15 जनवरी, 2025 को 16वीं प्रबंधन बोर्ड की बैठक आयोजित की गई, जिसकी अध्यक्षता प्रो. लोकनाथ एन.के., शैक्षिक मल्टीमीडिया अनुसंधान केंद्र मैसूर, कुलपति, मैसूर विश्वविद्यालय और पदेन अध्यक्ष-प्रबंधन बोर्ड ने की। प्रो. जगत भूषण नड्डा, निदेशक, सीईसी, पदेन सदस्य, प्रो. सपना एम.एस., निदेशक, ईएमआरसी, मैसूर, सदस्य सचिव, प्रो. निरंजना, कुलपति, बैंगलोर उत्तर विश्वविद्यालय सदस्य, श्रीमती वी.आर. शैलजा, केएएस, रजिस्ट्रार, मैसूर विश्वविद्यालय और वित्त अधिकारी विशेष आमंत्रित सदस्य, श्री कनैया ठाकर, अनुभाग अधिकारी, ईएमआरसी अहमदाबाद विशेष आमंत्रित सदस्य के रूप में बैठक में सम्मिलित हुए।

प्रो. अखिलेश कुमार सिंह, कुलपति, पीआरएस विश्वविद्यालय प्रयागराज, प्रो. थिप्पेस्वामी के, विश्वेश्वरैया प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय और प्रो. मनुकोंडा रबीन्द्रनाथ, सेंटर फॉर मीडिया स्टडीज स्कूल ऑफ सोशल साइंसेज, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय सदस्यों के रूप में बैठक में ऑनलाइन माध्यम से सम्मिलित हुए।

निर्माण विवरण

भारतीय भाषाओं (कन्नड़) में मूक्स विकास की प्रस्थिति

डिग्री	सीबीसीएस पाठ्यक्रम अनुसार पाठ्यक्रम का नाम	सीबीसीएस अनुसार क्रेडिट	पाठ्यक्रम का प्रकार	पाठ्यक्रम समन्वयक का नाम	संयोजक विश्वविद्यालय/संस्थान	विकास प्रस्थिति/क्रेडिट संशोधन
इतिहास	हिस्ट्री ऑफ कर्नाटक	4	नवीन	डॉ. धर्मेश ए.जी.	मैसूर विश्वविद्यालय	निर्माण प्रक्रिया में
व्यापार	स्टॉक मार्केट ऑपरेशंस	5	नवीन	डॉ. श्रुति डी.	मैसूर विश्वविद्यालय	निर्माण प्रक्रिया में
राजनीति विज्ञान	द कंस्टीस्ट्यूशन ऑफ इंडिया	3	नवीन	डॉ रविचंद्र	मैसूर विश्वविद्यालय	निर्माण प्रक्रिया में

<u>मूक्स:</u>

ईएमआरसी स्नातक स्तर के छात्रों के लिए भूगोल, रेशम उत्पादन, वनस्पति विज्ञान, सूक्ष्म जीव विज्ञान, खाद्य विज्ञान, पर्यटन और सांख्यिकी विषयों पर व्यापक मुक्त ऑनलाइन पाठ्यक्रम (मूक्स) संचालित कर रहा है, जो शिक्षा मंत्रालय, नई दिल्ली के मार्गदर्शन में स्वयं (स्टडी वेब ऑफ एक्टिव लर्निंग बाय यंग एंड एस्पायरिंग माइंड्स) नामक स्वदेशी शिक्षण प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध है। ईएमआरसी, मैसूर द्वारा 24 पाठ्यक्रम संचालित किए गए, जुलाई, 2024 सत्र में 14, जबकि जनवरी, 2025 सत्र में 10 पाठ्यक्रम संचालित किए। सभी पाठ्यक्रमों के लिए पंजीकरण संख्या 500 से ज्यादा दर्ज की गई।

जुलाई-दिसंबर 2024 सत्र

क्र. सं.	पाठ्यक्रम का नाम	पंजीकृत शिक्षार्थी	परीक्षा पंजीकरण
1.	बेसिक स्टेटिस्टिक्स	2947	130
2.	कंप्यूटर एप्लिकेशंस इन बिजनेस	2069	65
3.	इकोनॉमिक सोश्योलॉजी	593	1
4.	इंडियन इकोनॉमी	1187	40
5.	इंडियन इकोनॉमी-II	858	51
6.	इंटरमीडिएट मैक्रोइकॉनॉमिक्स-I	822	2
7.	इंटरमीडिएट मैक्रोइकॉनॉमिक्स-II	529	1
8.	इंटरनेशनल ह्यूमन राइट्स सिस्टम	596	35
9.	इंट्रोडक्शन टू कंपरेटिव गवर्मेंट एंड पॉलिटिक्स	608	1

10.	पर्सपेक्टिव ऑन पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन	540	7
11.	पब्लिक पॉलिसी एंड एडमिनिस्ट्रेशन इन इंडिया	529	23
12.	रूरल लोकल गवर्नेंस	605	7
13.	सोश्योलॉजी ऑफ एजुकेशन	597	30
14.	स्टेटिस्टिकल मैथ्ड्स फॉर इकोनॉमिक्स	536	3
	कुलयोग	**13016**	**396**

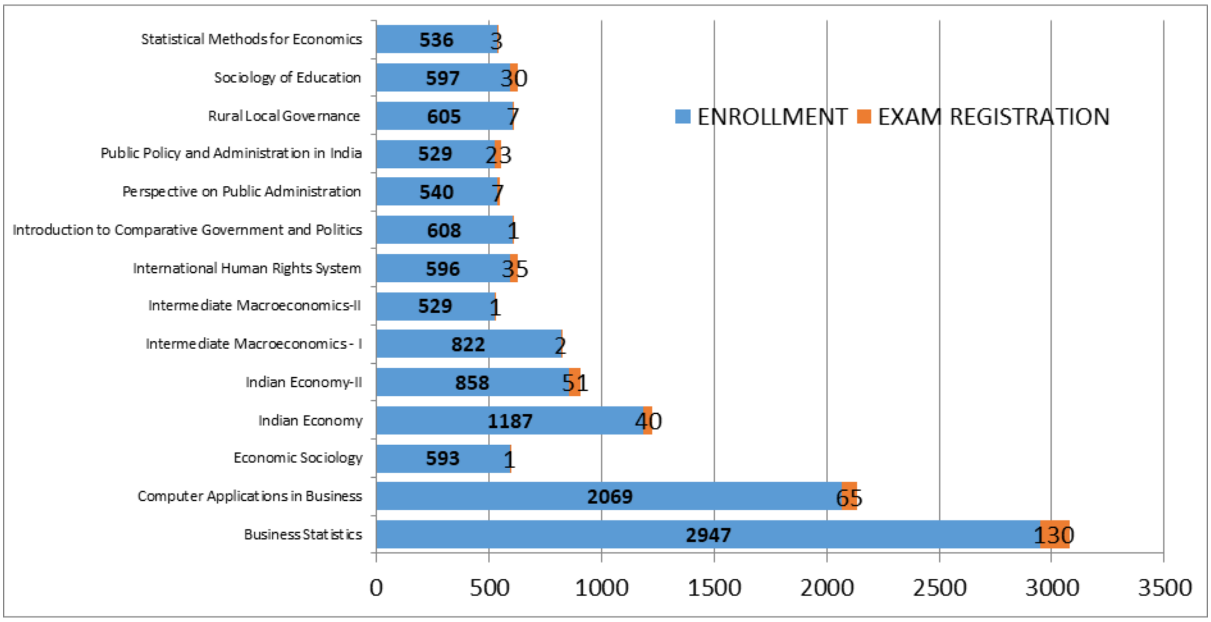

जनवरी-जून 2025 सत्र

क्र. सं.	पाठ्यक्रम का नाम	पंजीकृत संख्या	परीक्षा पंजीकरण
1.	सोश्योलॉजिकल थिंकर्स-I	741	172
2.	इंटरनेशनल बिजनैस	1464	133
3.	बायोज्योग्राफी	1068	66
4.	बिजनैस रिसर्च मैथ्ड्स	2157	159
5.	फूड एंड न्यूट्रिशन	2630	226
6.	फूड कैमिस्ट्री	832	62
7.	फूड माइक्रोबायोलॉजी	1603	50
8.	फूड प्रिजर्वेशन टैक्नोलॉजी	1227	94
9.	प्रिंसपिल्स ऑफ जैनेटिक्स	1102	92
10.	रिसोर्सेज एंड इंवायरमेंट	1201	141
	कुलयोग	**14025**	**1195**

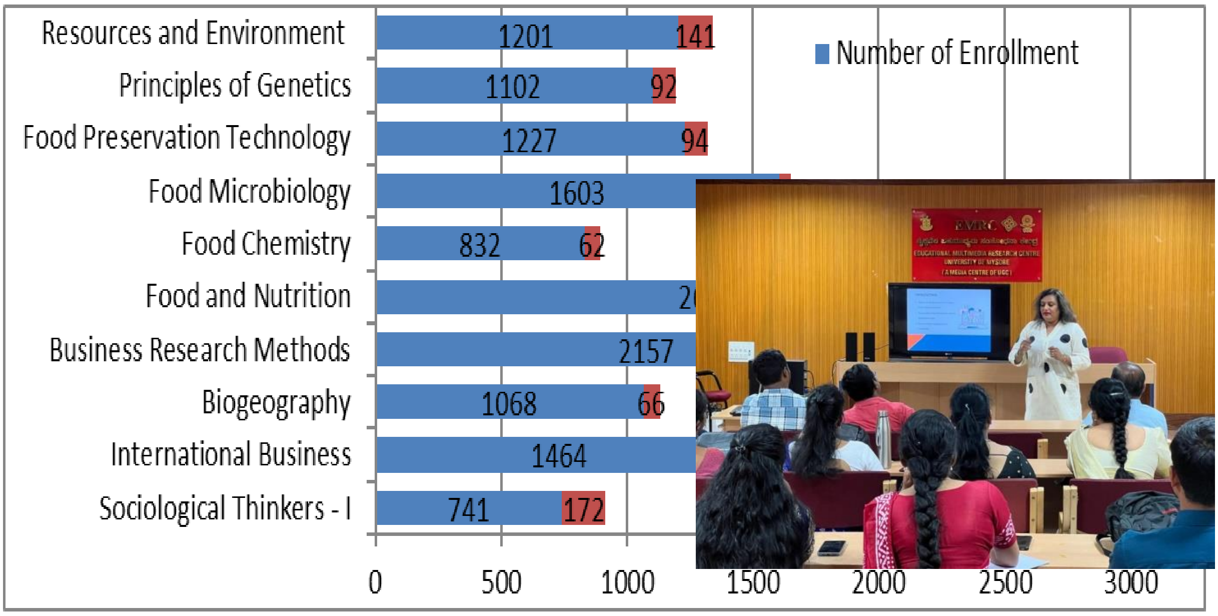

बजट/ वित्त

(रु. में)

लेखा शीर्ष	प्रारंभिक शेष	अनुदान प्राप्तियां	वाहय प्राप्तियां	कुल अनुदान	कुल व्यय खर्च	जमा शेष	टिप्पणी
ए	बी	सी	डी	इ	एफ	जी	एच
	शून्य	शून्य	शून्य	(ए+बी+सी)	(ई+एफ)	(सीएफ)	
35	शून्य	2000000	शून्य	2000000	1992000	8000	
36	शून्य	46625000	शून्य	46625000	46613569	11431	
31	शून्य	13227000	शून्य	13227000	13139494	87506	
कुलयोग	शून्य	**61852000**		**61852000**	**61745063**	**106937**	**सी+बी-0***

***विशेष ध्यानार्थ:** वित्त वर्ष 2024-25 के लिए ईएमआरसी मैसूर के खाते में 31.03.2025 को 23.58 बजे तक शेष राशि 106937/- रु. (सभी लेखा शीर्ष सहित) बताई है। भारत सरकार के वित्त मंत्रालय, पीएफएमएस-टीएसए मानदंडों के अनुसार, 31.03.2025 को 23:59 बजे तक 106937/- रु. का शेष समाप्त हो गया। इसलिए, वित्त वर्ष 2024-25 समाप्ति पर शेष राशि 'शून्य' बताई है।

प्रशिक्षण और कार्यशाला

प्रो. सपना ने दो दिवसीय संकाय प्रेरण कार्यक्रम में विषय विशेषज्ञ की जिम्मेदारी निभायी

27 जनवरी 2025: प्रो. सपना, निदेशक, ईएमआरसी ने विभिन्न उच्च शिक्षा संस्थानों के सहायक प्रोफेसरों के लिए आयोजित 2 दिवसीय संकाय प्रेरण कार्यक्रम में संसाधन विशेषज्ञ के रूप में कार्य किया। यह व्यावसायिक विकास कार्यक्रम क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान (आरआईई), मैसूर दवारा मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र के तहत आयोजित किया गया, जिसे आरआईई मैसूर को प्रदान किया गया।

सत्र के दौरान, प्रो. सपना ने प्रतिभागियों को स्क्रिप्ट लेखन और स्टोरीबोर्ड विकास में शामिल किया। सत्र के बाद, प्रतिभागियों ने ईएमआरसी स्टूडियो में व्यावहारिक अनुभव प्राप्त किया, जिससे चर्चा की गई अवधारणाओं की उनकी व्यावहारिक समझ में वृद्धि हुई।

जनवरी-जून 2025 स्वयं मूक्स पर चर्चा के लिए प्रो. सपना एमएस, निदेशक ,शैक्षिक मल्टीमीडिया अनुसंधान केंद्र (ईएमआरसी), मैसूर द्वारा बैठक बुलाई गई। कार्यक्रम ईएमआरसी परिसर के एडुसैट हॉल में हुआ।

सत्र के दौरान, प्रो. सपना एम.एस. ने पाठ्यक्रम नामांकन बढ़ाने, प्रतिभागी सहभागिता बढ़ाने और परीक्षा में बेहतर प्रदर्शन जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर बात की। उन्होंने पाठ्यक्रम समन्वयकों (सीसी) से वर्तमान आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए अपने संबंधित पाठ्यक्रमों को अद्यतन और परिष्कृत करने का भी आग्रह किया।

पाठ्यक्रम समन्वयकों ने सक्रिय रूप से भाग लिया, मूल्यवान प्रतिक्रिया प्रदान की और उन कमियों की पहचान की जिन पर ध्यान देने की आवश्यकता है। उनके निदिष्ट का उद्देश्य पाठ्यक्रमों की गुणवत्ता और पहुंच को बढ़ाना है। शिक्षण सहायकों (टीए) ने भी बैठक में भाग लिया। बैठक में स्वयं के माध्यम से उच्च-गुणवत्ता, सुलभ शैक्षिक संसाधन प्रदान करने के लिए ईएमआरसी की प्रतिबद्धता को रेखांकित किया गया।

ड्रोन फोटोग्राफी पर कार्यशाला

प्रो. सपना, निदेशक, ईएमआरसी ने ड्रोन

फोटोग्राफी पर एक कार्यशाला आयोजित की, जिसमें सैद्धांतिक अंतर्दृष्टि और व्यावहारिक प्रशिक्षण दोनों शामिल थे। इस सत्र का मार्गदर्शन श्री किम असवानी ने किया, जो एक प्रमाणित ड्रोन पायलट और एरियल स्टोरीटेलर हैं। श्री असवानी ने ड्रोन फोटोग्राफी के सैद्धांतिक पहलुओं पर गहन जानकारी दी, उसके बाद कर्मचारियों के लिए एक व्यावहारिक

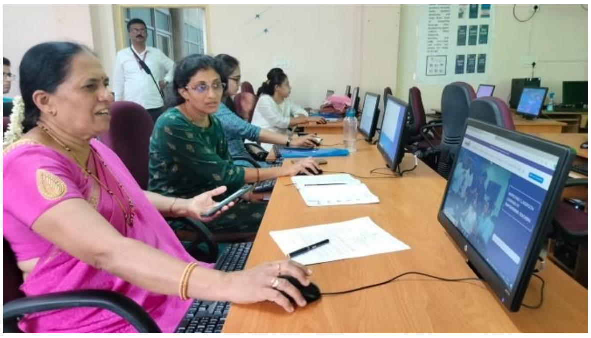

प्रशिक्षण सत्र आयोजित किया। चर्चा जीवंत और संवादात्मक थी, जिसमें कई कर्मचारियों को एरियल फोटोग्राफी तकनीकों पर उनके सवालों के जवाब मिले, जिससे भविष्य की प्रस्तुतियों के लिए दृश्य कहानी कहने में उनके कौशल में वृद्धि हुई।

सीआईआईएल, मैसूर, स्वयं मूक्स वीडियो स्क्रिप्ट कार्यशाला में डॉ. महेशा संसाधन विशेषज्ञ

डॉ. महेशा, ईएमआरसी, मैसूर स्वयं मूक्स के लिए कन्नड़ और मलयालम भाषाओं के लिए वीडियो स्क्रिप्ट तैयार करने पर कार्यशाला में संसाधन विशेषज्ञ के रूप में सम्मिलित हुए। यह कार्यशाला 2 से 10 सितंबर, 2024 तक मैसूर के केंद्रीय भारतीय भाषा संस्थान में आयोजित की गई।

ईएमआरसी, मैसूर विश्वविद्यालय में जुलाई-दिसंबर 2024 सत्र पर स्वयं मूक्स प्रेरण कार्यक्रम आयोजित

मैसूर विश्वविद्यालय, मानसगंगोत्री, मैसूर के शैक्षिक मल्टीमीडिया अनुसंधान केंद्र (ईएमआरसी) ने एक दिवसीय परिचय एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया।

इस कार्यक्रम का उद्देश्य पाठ्यक्रम समन्वयकों (सीसी) और शिक्षण सहायकों (टीए) को जुलाई-दिसंबर, 2024 सत्र के लिए निर्धारित स्वयं मैसिव ओपन ऑनलाइन कोर्स (मूक्स) के बारे में प्रशिक्षित करना था।

उपलब्धियां और पुरस्कार

श्री के. गोपीनाथ, ईएमआरसी ने शैक्षिक फिल्म के लिए राष्ट्रीय और पीएसए- फोटो पत्रकारिता में स्वर्ण पुरस्कार जीता

श्री के. गोपीनाथ, तकनीशियन, ईएमआरसी मैसूर विश्वविद्यालय ने सीआईईटी-एनसीईआरटी, नई दिल्ली द्वारा आयोजित अखिल भारतीय बाल शैक्षिक ई-सामग्री प्रतियोगिता 2024-25 में

अपनी फिल्म कलारीपयट्टू- द इंडियन मार्शल आर्ट्स के लिए "सर्वश्रेष्ठ कार्यक्रम पुरस्कार" जीता। इस महोत्सव में आयोजकों को 380 प्रविष्टियां प्राप्त हुई, इसका आयोजन एनईआरआईई, शिलांग में किया गया।

श्री गोपीनाथ ने कोलकाता में फोटोग्राफी के पीएसए "हूज़ हू" द्वारा आयोजित दिसंबर सैलून 2024-25 में फोटो जर्नलिज्म में प्रतिष्ठित पीएसए स्वर्ण पदक प्राप्त किया।

बीएसयू प्रतिनिधिमंडल ने अकादमिक सहयोग को मजबूत करने के लिए ईएमआरसी, मैसूर विश्वविद्यालय का भ्रमण किया

ब्रिज स्टेट वाटर यूनिवर्सिटी (बीएसयू), मैसाचुसेट्स, अमेरिका के एक प्रतिनिधिमंडल ने अपने मौजूदा समझौता ज्ञापन (एमओयू) के तहत शैक्षिक मल्टीमीडिया अनुसंधान केंद्र (ईएमआरसी), मैसूर विश्वविद्यालय का भ्रमण किया।

प्रो. सपना, निदेशक, ईएमआरसी ने प्रतिनिधिमंडल का स्वागत, सत्कार किया और उन्हें केंद्र के कर्मचारियों से मिलाया। आभार जताते हुए उन्होंने आगंतुकों को मैसूर विश्वविद्यालय का प्रतीक चिन्ह भेंट किया। तद्स्वरूप फ्रेडरिक डब्ल्यू. क्लार्क जूनियर, अध्यक्ष, बीएसयू ने बीएसयू का प्रतीक चिन्ह सौंपा, जो दोनों संस्थानों के बीच बढ़ती साझेदारी के प्रतीक रूप में है।

अपनी यात्रा के दौरान, प्रतिनिधिमंडल ने संग्रहालय और शैक्षिक स्टूडियो का भ्रमण किया, तथा विश्वविद्यालय की शैक्षणिक और मल्टीमीडिया पहलों के बारे में जानकारी प्राप्त की। यह यात्रा बीएसयू और मैसूर विश्वविद्यालय के बीच शैक्षणिक और शोध सहयोग में एक और कदम आगे ले गई, जिसमें दोनों संस्थान विनिमय कार्यक्रमों, संयुक्त शोध परियोजनाओं और संकाय भागीदारी पर काम कर रहे हैं।

ईएमआरसी मैसूर टीम ने ऑनलाइन शिक्षण और स्टूडियो संसाधन के बारे में जानकारी के लिए वीटीयू क्षेत्रीय परिसर का भ्रमण किया

ईएमआरसी मैसूर के कर्मचारियों ने, ईएमआरसी की निदेशक प्रो. सपना के नेतृत्व में, ऑनलाइन शिक्षा और ऑनलाइन सामग्री निर्माण के लिए वर्तमान स्टूडियो सेटअप के बारे में गहन जानकारी प्राप्त करने के लिए विश्वेश्वरैया प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (वीटीयू) मैसूर क्षेत्रीय परिसर का शैक्षणिक भ्रमण किया।

भ्रमण के दौरान, टीम ने वीटीयू मैसूर की क्षेत्रीय निदेशक डॉ. हेमा पाटिल, विश्वविद्यालय की ऑनलाइन शिक्षण पहलों, जिनमें ऑनर्स, लघु, प्रमाण पत्र पाठ्यक्रमों और कौशल संवर्धन

कार्यक्रम के बारे में चर्चा की।

वीटीयू की विशेष अधिकारी श्रीमती प्रकृति प्रभाकर ने नामांकन प्रक्रिया के बारे में बहुमूल्य जानकारी दी और ऑनलाइन परीक्षा केंद्र तथा दूरस्थ एवं ऑनलाइन शिक्षा केंद्र (सीडीओई) के माध्यम से टीम का मार्गदर्शन किया। उन्होंने वीटीयू के वीडियो प्रोडक्शन स्टूडियो का भ्रमण भी कराया।

इसके अतिरिक्त, वीटीयू ई-लर्निंग सेंटर की विशेष अधिकारी डॉ. संध्या पी. ने विश्वविद्यालय के ऑनलाइन शिक्षण प्लेटफॉर्म के बारे में विस्तार से बताया, इसकी कार्यक्षमता और कैसे छात्रों की प्रतिक्रिया के आधार पर पाठ्यक्रमों को समय-समय पर अद्यतन किया जाता है।

प्रो. नड्डा, निदेशक, सीईसी ईएमआरसी मैसूर के भ्रमण पर

प्रो. जगत भूषण नड्डा, निदेशक, सीईसी और बैंगलोर नॉर्थ यूनिवर्सिटी के रजिस्ट्रार (मूल्यांकन) प्रो. के. थिप्पेस्वामी ने ईएमआरसी का भ्रमण किया, जहां उनका प्रो. सपना एमएस, निदेशक, ईएमआरसी ने स्वागत-सत्कार किया। प्रो. सपना एमएस ने ईएमआरसी संग्रहालय का निर्देशित भ्रमण कराया। इस दौरान, प्रो. नड्डा ने संग्रहालय प्रबंधन पर बहुमूल्य जानकारी साझा की और मीडिया प्रौद्योगिकियों में प्रगति के लिए प्रशंसा व्यक्त की।

तत्पश्चात, प्रो. नड्डा ने ईएमआरसी कर्मचारियों के साथ मुद्दों पर चर्चा की। उन्होंने, उनके सुझावों को सुनकर आश्वासन दिया कि वे उन्हें दूर करने के लिए काम करेंगे। उन्होंने डिजिटल शिक्षा में ईएमआरसी की महत्वपूर्ण भूमिका पर भी जोर दिया।

लोकल चैप्टर और एसपीओसी चिन्हित करने का अभियान

शैक्षिक मल्टीमीडिया अनुसंधान केंद्र (ईएमआरसी) ने कॉलेजों को लोकल चैप्टर के रूप में पहचानने और प्रत्येक संस्थान में एकल संपर्क बिंदु (एसपीओसी) स्थापित करने के लिए अभियान शुरू किया।

ईएमआरसी के कर्मचारियों को पांच अलग-अलग टीमों में विभाजित किया गया है, जो नामांकन बढ़ाने और पाठ्यक्रमों का प्रचार करने के लिए 40 कॉलेजों का भ्रमण करेंगे।

ईएमआरसी- उस्मानिया, हैदराबाद

संयोजक संस्थान: उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद

संक्षिप्त परिचय

वर्ष 1983 में दृश्य-श्रव्य अनुसंधान केंद्र के रूप में शुरू किया गया यह मीडिया केंद्र विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा स्थापित पांच मीडिया केंद्रों के पहली कड़ी का हिस्सा है। इसने कई मूल्यवान वृत्तचित्रों का निर्माण और 11 से अधिक पुरस्कार जीते हैं। केंद्र हमेशा यूजीसी और शैक्षिक संचार संकाय द्वारा सौंपे कार्यक्रम निर्माण में सक्रिय रहा है। ईएमआरसी, चाहे वृत्तचित्र हो, पाठ्यक्रम आधारित वीडियो हो, ई-सामग्री हो या मूक्स निर्माण आदि में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करता रहा है। यूजीसी और सीईसी के अधिदेश को पूरा करने के अलावा, केंद्र विश्वविद्यालय को वीडियो रिकॉर्डिंग और प्रस्तुतियों की सभी आवश्यकताओं में भी सहायता करता है। केंद्र के पास समर्पित कर्मचारी और आवश्यक बुनियादी ढ़ांचा उपलब्ध है।

निर्माण विवरण

नवीन मूक्स निर्माण प्रक्रिया में:

1. क्षेत्रीय भाषा के मूक्स- तेलंगाना का इतिहास, साहित्य और संस्कृति
2. क्षेत्रीय भाषा के मूक्स- इंट्रोड्क्शन टू क्लासिकल डांस- कुचिपुड़ी
3. मूक्स बीए ऑनर्स- ह्यूमन ज्योग्राफी
4. मूक्स बीए भूगोल- जियोमोर्फोलॉजी

पुनः संचालित मूक्स:

<u>जनवरी-जून, सत्र 2025</u>

1. इंट्रोड्क्शन टू पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन
2. वाटर रिसोर्सेज एवं वाटरशेड मैनेजमेंट
3. पब्लिक पॉलिसी एवं गवर्नेंस
4. काउंसलिंग इन सोशल वर्क

<u>जुलाई-दिसंबर, सत्र 2025</u>

5. एडमिनिस्ट्रेटिव थ्योरी
6. एग्रेरियन सोश्योलॉजी
7. डिजास्टर मैनेजमेंट
8. इंवायरमेंटल सोश्योलॉजी
9. इंडियन एडमिनिस्ट्रेशन

10.सोशल केस वर्क
11.सोशल वेलफेयर एडमिनिस्ट्रेशन
12.सोशल वर्क रिसर्च
13.अर्बन सोश्योलॉजी एंड अर्बन डेवलपमेंट

बी.ए.- शिक्षा:

I. कुल 174 कार्यक्रम निर्मित

बजट / वित्त

क्र. सं.	सत्र	पाठ्यक्रम शीर्षक	निर्मित पाठ्यों की संख्या	व्यय खर्च (रु. में)
1.	1(1)	फाउंडेशन ऑफ एजुकेशन	26	496543
2.	2(1)	फिलॉशिफिकल एंड सोश्योलॉजिकल बेसेस ऑफ एजुकेशन	18	338525
3.	3(1)	एजुकेशनल साइयकोलॉजी एंड डेवलपमेंट	23	435474
4.	4(1)	साइकोलॉजिकल बेसेस ऑफ लर्निंग	24	451180
5.	5(3)	टीचर एजुकेशन	26	494764
6.	5(4)	डेवलपमेंट ऑफ एजुकेशन इन इंडिया	6	117035
7.	6(2)	कंटेपरेरी इश्यूज इन इंडियन एजुकेशन	24	456591
8	6(3)	गाइडेंस एंड काउंसिलिंग इन एजुकेशन	25	473436
	कुलयोग		**172**	**3263548**

प्रशिक्षण और कार्यशाला

- **दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला-** एमबार्किंग ऑन डिजिटल फ्रंटियर- टूल्स फॉर एनहांसिंग मूक्स एक्सप्रिएंस, विषय पर 6 और 7 फरवरी, 2025 को आयोजित।
- मूक्स- प्रचारात्मक गतिविधि- 25 जनवरी, 2025
- ई-कंटेंट डेवलपमेंट- मूक्स- 25-30 नवंबर, 2024
- ओयू संकाय सदस्यों को मूक्स पर जानकारी- 2-4, दिसंबर, 2024
- मूक्स- प्रचार गतिविधि- 01 जनवरी, 2025 (सोशल मीडिया)
- एनएएसीसी और ऑनलाइन शिक्षा को बढ़ावा देना- मूक्स- 1 फरवरी, 2025
- मूक्स- प्रचारात्मक गतिविधि- 09 जनवरी, 2025
- मूक्स- प्रचारात्मक गतिविधि- 01 जनवरी, 2025

- मूक्स- प्रचारात्मक गतिविधि- 03 फरवरी, 2025
- मूक्स- प्रचारात्मक गतिविधि- 25 जनवरी, 2025
- मूक्स- प्रचारात्मक गतिविधि- 25 जनवरी, 2025
- मूक्स- प्रचारात्मक गतिविधि- 27 जनवरी, 2025
- विकास, ऑनलाइन शिक्षाशास्त्र और मुक्त शैक्षिक संसाधन कार्यक्रम- 20-25 फरवरी, 2025
- विकास, ऑनलाइन शिक्षाशास्त्र और मुक्त शैक्षिक संसाधन कार्यक्रम- 20-25 फरवरी, 2025
- डिजिटल बदलाव: ऑनलाइन शिक्षण और सीखने में नवाचार प्रोत्साहन, कार्यक्रम, 24 मार्च, 2025
- मूक्स पर अभिमुखीकरण- 10 से 12 अप्रैल, 2025
- मूक्स पर अभिविन्यास- 16 मई, 2025
- मूक्स और स्वयं पोर्टल पर अभिमुखीकरण- 11 मई, 2025

विविध गतिविधियां/विवरण:

- सभी राष्ट्रीय उत्सवों पर संयोजक विश्वविद्यालय के लिए वीडियो रिकॉर्डिंग की व्यवस्था।
- एक महीने का आवासीय कार्यक्रम- अंग्रेजी भाषा ज्ञान वर्द्धन।
- ऑनलाइन शिक्षा एवं तकनीकी संवर्द्धन।
- एक सप्ताह के लिए अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भौतिकी विभाग, ओयू विश्वविद्यालय में वीडियो रिकॉर्डिंग।
- "एआई संचालित डिजिटल लर्निंग के माध्यम से एनएएसी प्रत्यायन और शिक्षण अधिगम आधारित शिक्षा" पर 3 दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला की वीडियो रिकॉर्डिंग।
- संयोजक विश्वविद्यालय में बाबू जगजीवन राम, फूले और डॉ. अंबेडकर की जयंती कार्यक्रमों की वीडियो रिकॉर्डिंग।
- उस्मानिया विश्वविद्यालय के 108वें स्थापना दिवस समारोह की वीडियो रिकॉर्डिंग।
- सीईसी को 30 मूक्स पाठ्यक्रम प्रस्ताव प्रस्तुत किए गए।

ईएमआरसी- पटियाला

संयोजक संस्थान: पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला (पंजाब)

संक्षिप्त परिचय

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) द्वारा पूरे भारत में शैक्षिक संचार संकाय (सीईसी) स्वयं पाठ्यक्रम के लिए नोडल एजेंसी के रूप में कार्यरत है। यह मीडिया केंद्र यूजीसी, सीईसी और पंजाबी विश्वविद्यालय के बीच त्रिपक्षीय समझौता ज्ञापन (एमओयू) के तहत स्थापित किया गया है। यह केंद्र तत्कालीन मानव संसाधन मंत्रालय (अब शिक्षा मंत्रालय के अधीन), भारत सरकार द्वारा शुरू स्वयं मूक्स और स्वयं प्रभा परियोजनाओं के लिए उच्च गुणवत्तापूर्ण वीडियो निर्माण को समर्पित है।

ईएमआरसी पटियाला राष्ट्रीय शैक्षणिक डीटीएच- चैनल-06:विधिक: कानून और कानूनी अध्ययन, का संचालन करता है, जो कानून, कानूनी अध्ययन और संबंधित विषय क्षेत्र में डिजिटल सामग्री निर्माण पर केंद्रित है। केंद्र में एक पूर्ण सुसज्जित स्टूडियो है, जिसे अत्याधुनिक उपकरणों के साथ निरंतर अद्यतन किया जाता है। अंतः और बहुविषयक चर्चाओं के बीच अंतर्संबंधों को पहचानते हुए, ईएमआरसी पटियाला अक्सर पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला के विभिन्न विभागों के सहयोग से सार्वजनिक कार्यक्रम आयोजित करता है। ये कार्यक्रम राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय विद्वानों और कलाकारों को संकाय सदस्यों और छात्रों के साथ जुड़ने का मंच प्रदान करते हैं।

ईएमआरसी पटियाला उच्च शिक्षा और अनुसंधान संस्थानों से संबद्ध विषय कंटेंट विशेषज्ञों (एसएमई) के विविध समूह के साथ मिलकर कार्य करता है। विषय कंटेंट विशेषज्ञ लगभग दस राज्यों- मुख्य रूप से पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश और चंडीगढ़ राज्यों से जुड़े हुए है। इसके अतिरिक्त, ईएमआरसी पटियाला देशभर में अन्य ईएमआरसी के माध्यम से दूरदराज के राज्यों से मूक्स और डीटीएच कार्यक्रमों के निर्माण की सुविधा प्रदान करता है।

केंद्र मूक-बधिरों के लिए समावेशी शिक्षण परिवेश निर्माण में सक्रियता से कार्यरत है, जिसके तहत सार्वजनिक कार्यक्रमों में सांकेतिक भाषा में व्याख्या प्रस्तुत की जाती है।

ईएमआरसी पटियाला नियमित रूप से ऑफलाइन, ऑनलाइन दोनों माध्यों के संयोजन से विषय विशेषज्ञों (एसएमई) और पाठ्यक्रम समन्वयकों (सीसी) के कौशल संवर्द्धन के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करता है। इसके अतिरिक्त, केंद्र शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार की विभिन्न पहलों पर जागरूकता कार्यशालाएं आयोजित करता है।

ईएमआरसी, पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला एमएमटीटीसी के सहयोग से, मूक्स पाठ्यक्रम विकास से संबंधित लघु अवधि पाठ्यक्रमों का संचालन और समन्वय करता है। यह संकाय विकास, अभिविन्यास और पुनश्चर्या कार्यक्रमों में मूक्स संबंधी प्रशिक्षण को एकीकृत करने के लिए निकटस्थ विश्वविद्यालयों के एमएमटीसी के साथ साझेदारी भी करता है। इन विश्वविद्यालयों में- गुरु नानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर, पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़, चौधरी बंसी लाल विश्वविद्यालय, भिवानी, हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़, पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय, बठिंडा और हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला शामिल हैं।

पंजाबी विश्वविद्यालय में एनएसीसी टीम द्वारा चौथा निरीक्षण 4 से 6 अक्तूबर, 2023 को किया गया, विश्वविद्यालय ने एनएसीसी मान्यता में 3.37 अंकों के साथ ए+ ग्रेड हासिल किया। एनएसीसी जांच टीम के अध्यक्ष द्वारा ईएमआरसी के कार्यों की सराहना की गई। निरीक्षण के समापन में अध्यक्ष ने ईएमआरसी का उल्लेख किया:

"बेशक, ईएमआरसी में सभी बुनियादी ढांचा विशेष रूप से मौजूद हैं, जहां ई-सामग्री विकसित की जाती है और कई अन्य गतिविधियां होती हैं। ईएमआरसी में नई शिक्षा नीति का विस्तार करने की भी क्षमता है।"

निर्माण विवरण

डीटीएच स्वयंप्रभा चैनल-06: विधि और विधिक अध्ययन

पिछले दो वर्षों में डीटीएच निर्माण में वृद्धि हुई है। ईएमआरसी पटियाला ने वर्ष 2024-25 में कानून और कानूनी अध्ययन में नवीन कंटेंट के 210 मॉड्यूल तैयार किए हैं।

डॉ. तेजिंदर सिंह द्वारा निर्मित 80

श्री चंदन कुमार द्वारा निर्मित 60

डॉ. कुलपिंदर शर्मा द्वारा निर्मित 42

इंजी. मनप्रीत सिंह बुढ़ैल द्वारा निर्मित 28

ध्यानार्थ I: निर्माण एक लंबी प्रक्रिया है, जो वार्षिक कैलेंडर या वित्तीय वर्षों से आच्छादित हो सकती है, इसलिए विवरण को बीआईएसएजी को प्रस्तुत अनुसूची के अनुसार दर्ज किया गया है, जो कि सीईसी, आईआईटी मद्रास और बीआईएसएजी द्वारा निगरानी किया जाने वाला एक प्रावधान है।

ध्यानार्थ II: ईएमआरसी पटियाला ने वर्ष 2024-25 में निम्नलिखित पत्रकों का निर्माण पूर्ण किया है:

1. पैनेलॉजी एंड करेक्शनल एडमिनिस्ट्रेशनड
2. हिस्ट्री ऑफ लीगल एंड कस्टीट्यूशनल डेवलपमेंट

मूक्स

मूक्स: पंजाबी भाषा में निर्माण के लिए एक नवीन मूक्स प्रस्ताव को स्वीकृति मिली है।

क्र.सं.	आवंटन दिनांक	पाठ्यक्रम का नाम	क्रेडिट	सत्र	डिग्री कार्यक्रम	भाषा
1.	27.02.2025	अंडरस्टैंडिंग पंजाबी (1901-47)	4	IV	स्नातक-इतिहास	पंजाबी

उन्नयन/संशोधन के लिए दो मूक्स प्रस्ताव की स्वीकृति मिली है।

क्र.सं.	अनुमोदन दिनांक	पाठ्यक्रम का शीर्षक	क्रेडिट	पाठ्यक्रम समन्वयक का नाम
1.	5.03.2025	इंट्रोडक्शन टू डाटा स्ट्रक्चर	2	डॉ. गुरप्रीत सिंह लेहल
2.	5.03.2025	साइकोलॉजी विथ स्पेशल रेफरेंस टू फिजिकल एजुकेशन	2	प्रो. ममता शर्मा

पुन: संचालित मूक्स:

क्र. सं.	सत्र	पाठ्यक्रम का नाम	पाठ्यक्रम समन्वयक	संचालन प्रस्थिति
1	जनवरी-जून 2024	फूड माइक्रोबायोलॉजी एंड फूड सेफ्टी	डॉ. तेजपाल धेवा	5वीं बार
2	जनवरी-जून 2024	परफॉर्मिंग आर्ट्स एवं एलायड सब्जेक्ट्स	प्रो. (डॉ.) योगेश गंभीर	5वीं बार
3	जनवरी-जून 2024	क्रिएटिव पैंटिंग	डॉ. अलका चड्ढा	तीसरी बार
4	जनवरी-जून 2024	बॉयोस्टेस्टिक्स एंड मैथेमैटिकल बायोलॉजी	प्रो. फेलिक्स बस्ट	चौथी बार
5	जनवरी-जून 2024	सोलिड एंड हैजारड्स वेस्ट मैनेजमेंट	प्रो. विनोद कुमार गर्ग	दूसरी बार
6	जनवरी-जून 2024	एनिमेशन	डॉ. अभिषेक कुमार	5वीं बार
7	जनवरी-जून 2024	काउंसलिंग साइकोलॉजी	डॉ. ममता शर्मा	5वीं बार
8	जनवरी-जून 2024	रिसर्च मैथडोलॉजी	प्रो. जी. एस. बाजपेयी	दूसरी बार
9	जनवरी-जून 2024	इंट्रोडक्शन टू पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन	प्रो. अजमेर सिंह मलिक	5वीं बार
10	जनवरी-जून 2024	मैथेमैटिकल मैथ्ड्स फॉर इकोनॉमिक्स-I	प्रो. अनुपमा	दूसरी बार
11	जनवरी-जून 2024	हिंदी साहित्य का इतिहास	प्रो. सुभाष चंद्र	5वीं बार
12	जनवरी-जून 2024	ऑर्गेनाइजेशन बिहेवियर	प्रो. विशाल कुमार	चौथी बार
13	जनवरी-जून 2024	डिजिटल मार्केटिंग	डॉ. तेजिंदरपाल सिंह	चौथी बार
14	जुलाई-दिसं. 2024	साइबर लॉज	डॉ. विशाल गोयल	पहली बार
15	जुलाई-दिसं. 2024	इंफोर्मेशन सिक्योरिटी	डॉ. मनिंदर सिंह	पहली बार
16	जुलाई-दिसं. 2024	क्रिप्टोग्राफी	डॉ राजेश कुमार बावा	पहली बार
17	जुलाई-दिसं. 2024	इंट्रोडक्शन टू डाटा स्ट्रक्चर	डॉ. गुरप्रीत सिंह लेहल	पहली बार
18	जुलाई-दिसं. 2024	ट्यूरिज्म प्लानिंग एंड सस्टेनबल डेवलपमेंट	प्रशांत कुमार गौतम	तीसरी बार

19	जुलाई-दिसं. 2024	पर्सपैक्टिव ऑन इंटरनेशनल रिलेशन एंड वर्ल्ड हिस्ट्री	डॉ. श्वेता धालीवाल	दूसरी बार
20	जुलाई-दिसं. 2024	साइकोलॉजिकल रिसर्च	डॉ. शरणजीत कौर	दूसरी बार
21	जुलाई-दिसं. 2024	इंवायरमेंट पॉलिसी एंड एडमिनिस्ट्रेशन	डॉ. तेजपाल धेवा	दूसरी बार
22	जुलाई-दिसं. 2024	पॉलिटिकल साइकोलॉजी	डॉ. आदित्य रंजन कपूर	दूसरी बार
23	जुलाई-दिसं. 2024	हिस्ट्री ऑफ इंडिया-VI (1750-1875)	डॉ. विकास राठी	पहली बार
24	जुलाई-दिसं. 2024	सोश्योलॉजी ऑफ जेंडर	डॉ. जसलीन केवलानी	तीसरी बार
25	जुलाई-दिसं. 2024	रेग्यूलेटरी गवर्नेंस	प्रो. शरणजीत	पहली बार
26	जुलाई-दिसं. 2024	फंडामेंटल ऑफ सिटिजन-सेंट्रिक गवर्नेंस	प्रो. राज कुमार सिवाच	तीसरी बार
27	जुलाई-दिसं. 2024	हिंदी साहित्य का इतिहास	प्रोफेसर सुभाष चंद्र	6वीं बार
28	जुलाई-दिसं. 2024	एडमिनिस्ट्रेटिव लॉ	डॉ. दीपक कुमार चौहान	तीसरी बार
29	जुलाई-दिसं. 2024	डाटा एनालिसिस	डॉ. जसप्रीत कौर	दूसरी बार
30	जुलाई-दिसं. 2024	ऑर्गेनाइजेशन बिहेवियर	प्रो. (डॉ.) विशाल कुमार	चौथी बार

बजट/वित्त

प्रारंभिक शेष	निधि जारी	व्यय खर्च	जमा शेष
85,26,679/- (रु.)	1,20,78,815/- (रु.)	74,97,476/- (रु.)	1,31,08,018/- (रु.)

परियोजना का नाम: डीटीएच

शीर्ष	प्रारंभिक शेष	निधि जारी	व्यय खर्च	जमा शेष
परिचालन लागत	50,19,394/- (रु.)	शून्य	7,81,894/- (रु.)	42,37,500/- (रु.)
नवीन सामग्री निर्माण	(-) 1,42,727	शून्य	9,43,500/- (रु.)	(-)10,86,227/- (रु.)

यूजीसी अनुदान (गैर-योजनागत) 2024-2025 का विवरण

बजट शीर्ष	अनुदान जारी	व्यय खर्च	आरबीआई खाते से यूजीसी को अधिशेष वापस राशि
वेतन अनुदान (36)	2,21,31,000/- (रु.)	1,97,54,648/- (रु.)	23,76,352/- (रु.)

गैर-वेतन (31)	10,14,000/- (रु.)	4,46,354/- (रु.) 91,320/-* (रु.)	5,67,646/- (रु.)

वेतन शीर्ष 36 में 1.4.2025 को घाटा शेष: रु. (-) 1,26,29,735/-

*(गैर-वेतन शीर्ष 31, 1.4.2024 में दर्शाए गए पिछले घाटा शेष के लिए 91,320/- रु. की राशि वापस की गई।)

वित्तीय वर्ष 2025-2026 के लिए अनुमानित बजट

बजट शीर्ष	बजट अनुमान
वेतन और अन्य मद (एनपीएस, मेडिकल, सीईए, एलटीसी आदि) (36)	2,59,00,000/- रु.
7वें वेतन आयोग का बकाया	1,10,00,000/- रु.
गैर-वेतन (31)	20,00,000/- रु.

प्रशिक्षण और कार्यशाला

क्र. सं.	दिनांक	गतिविधि शीर्षक/विवरण	आयोजक
1	22.07.2024	इंजी. मनप्रीत सिंह बुढ़ैल, जेआरओ ने डीटीएच विशेषज्ञों के लिए ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की।	इंजी. मनप्रीत सिंह बुढ़ैल
2	26.07.2024	कानूनी तरीकों पर विषय विशेषज्ञों के लिए 26 जुलाई, 2024 को ऑनलाइन कार्यशाला का आयोजन, कार्यशाला में उच्च गुणवत्ता वाले स्वयं प्रभा डीटीएच कार्यक्रमों के विकास के लिए निर्माण और कार्यप्रवाह पर ध्यान केंद्रित किया गया।	श्री चंदन कुमार, डॉ. तेजिंदर सिंह
3	02.08.2024	डॉ. तेजिंदर सिंह, निर्माता ने "स्वयं पोर्टल पर परिचालन गतिविधियों का प्रबंधन" विषय पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया।	डॉ. तेजिंदर सिंह
3	14.08.2024	श्री दलजीत अमी द्वारा विशेष व्याख्यान, उच्च शिक्षा में मूक्स: जगत गुरु नानक देव पंजाब राज्य मुक्त विश्वविद्यालय में वित्त पोषण, विकास और वितरण में ईएमआरसी की भूमिका।	जगत गुरु नानक देव पंजाब राज्य मुक्त विश्वविद्यालय
4	16.09.2024	श्री दलजीत अमी, निदेशक, ईएमआरसी ने एचएमवी कॉलेज, जालंधर में संकाय सदस्यों के लिए डिजिटल और ऑनलाइन सामग्री निर्माण और अवसरों के बारे में प्रस्तुति दी।	एचएमवी कॉलेज, जालंधर
5	08.10.2024	पंजाबी विश्वविद्यालय में शोध पद्धति पर कार्यशाला। गुरु काशी कैंपस, तलवंडी साबो। श्री दलजीत अमी ने शोध प्रश्न और समकालीन	पंजाबी विश्वविद्यालय. गुरु काशी परिसर,

		चिंताओं पर एक सत्र का संचालन किया।	तलवंडी साबो
6	18.10.2024	श्री दलजीत अमी, "एनईपी 2020 संवेदीकरण और ओडीएल क्षितिज: यूजीसी-डीईबी परिप्रेक्ष्य" पर निर्धारित दो दिवसीय कौशल विकास कार्यशाला में मुख्य वक्ता रहे।	दूरस्थ एवं ऑनलाइन शिक्षा केंद्र (सीडीओई), एचपीयू शिमला
7	18.10.2024	डॉ. नवप्रीत कौर, अकादमिक समन्वयक, ईएमआरसी, पंजाबी विश्वविद्यालय पटियाला ने 'ई-सामग्री में सुधार के लिए प्रमुख क्षेत्रों की पहचान' पर एक सत्र आयोजित किया।	दूरस्थ एवं ऑनलाइन शिक्षा केंद्र (सीडीओई), एचपीयू शिमला
8	19.10.2024	श्री दलजीत अमी ने 'डिजिटल सामग्री निर्माण और शिक्षकों के लिए अवसर' पर एक सत्र आयोजित किया।	दूरस्थ एवं ऑनलाइन शिक्षा केंद्र (सीडीओई), एचपीयू शिमला
9	19.10.2024	डॉ. नवप्रीत कौर, अकादमिक समन्वयक, ईएमआरसी, पंजाबी विश्वविद्यालय पटियाला ने 'प्रभावी ऑनलाइन पाठ्यक्रमों का डिजाइन और विकास' पर एक सत्र आयोजित किया।	दूरस्थ एवं ऑनलाइन शिक्षा केंद्र (सीडीओई), एचपीयू शिमला
10	5-6.11.2024	ईएमआरसी ने 'शोध पद्धति' पर दो दिवसीय कार्यशाला आयोजित की, जिसमें फिल्म निर्माण में मानवशास्त्रीय शोध और दृश्य कथावाचन के बीच अंतरसंबंध की खोज की गई। संसाधन विशेषज्ञ: श्री मनजोत मुल्तानी, कैलिफोर्निया, यूएसए के पीएचडी शिक्षार्थी।	निदेशक, ईएमआरसी
11	28.11.2024	श्री चंदन कुमार ने एक सत्र का संचालन किया। ऑनलाइन 'अल्पकालिक मूक्स विकास पर कार्यक्रम' मूक्स: पोस्ट प्रोडक्शन और प्रस्तुतिकरण।	एमएमटीटीसी, हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय
12	28.11.2024	डॉ. तेजिंदर सिंह, द्वारा संचालित, एक ऑनलाइन सत्र- 'लघु अवधि मूक्स विकास पर कार्यक्रम-मूक्स का परिचय और मूक्स प्रस्ताव कैसे तैयार करें, का आयोजन।	एमएमटीटीसी, हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय
13	29.11.2024	डॉ. तेजिंदर सिंह, द्वारा संचालन, एक ऑनलाइन सत्र- 'लघु अवधि मूक्स विकास पर कार्यक्रम' टीवी स्क्रिप्ट लेखन, शारीरिक भाषा, हाव-भाव, भाव-भंगिमाओं की भूमिका, मेकअप की भूमिका, ड्रेसिंग सेंस, का आयोजन।	एमएमटीटीसी, हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय
14	29.11.2024	श्री दलजीत अमी ने पंजाबी विश्वविद्यालय के	एमएमटीटीसी,

		एमएमटीटीसी में सामाजिक विज्ञान पर रिफ्रेशर कोर्स के लिए एक सत्र का संचालन- "डिजिटल शिक्षा: कक्षा की बहस और विकास का मानचित्रण" किया।	पंजाबी यूनिवर्सिटी
15	02.12.2024	श्री दलजीत अमी ने एक सत्र का संचालन किया, एक ऑनलाइन 'अल्पकालिक मूक्स विकास पर कार्यक्रम' डिजिटल शिक्षा: कक्षा की बहस और विकास का मानचित्रण, का आयोजन।	एमएमटीटीसी, हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय
16	04.12.2024	श्री दलजीत अमी ने एक सत्र का संचालन किया, एक ऑनलाइन 'शॉर्ट टर्म' में मूक्स विकास पर कार्यक्रम' कला और विचारों की सराहना: समय और स्थान के विभिन्न आयाम, का आयोजन।	एमएमटीटीसी, हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय
17	10-16.12.2024	श्री दलजीत अमी ने एमएमटीटीसी, पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला के लिए 'मूक्स, ऑनलाइन पाठ्यक्रम और मुक्त शैक्षिक संसाधन' पर एक लघु अवधि पाठ्यक्रम का समन्वय किया।	एमएमटीटीसी, पंजाबी यूनिवर्सिटी पटियाला
18	10.12.2024	डॉ. तेजिंदर सिंह, निर्माता, ईएमआरसी, पटियाला ने लघु अवधि पाठ्यक्रम पर एक सत्र का संचालन किया। शीर्षक: मूक्स की तैयारी और योजना।	एमएमटीटीसी, पंजाबी यूनिवर्सिटी पटियाला
19	10.12.2024	श्री चंदन कुमार, निर्माता, ईएमआरसी पटियाला ने लघु अवधि के पाठ्यक्रम पर एक सत्र आयोजित किया। शीर्षक: मूक्स: पोस्ट प्रोडक्शन और प्रस्तुतिकरण-I	एमएमटीटीसी, पंजाबी यूनिवर्सिटी पटियाला
20	11.12.2024	डॉ. नवप्रीत कौर, अकादमिक समन्वयक ईएमआरसी पटियाला ने लघु अवधि पाठ्यक्रम पर एक सत्र आयोजित किया। शीर्षक: डीटीएच विधिक: शैक्षणिक चैनल का परिचय	एमएमटीटीसी, पंजाबी यूनिवर्सिटी पटियाला
21	13.12.2024	श्री चंदन कुमार, निर्माता, ईएमआरसी पटियाला ने लघु अवधि पाठ्यक्रम पर एक सत्र आयोजित किया। शीर्षक: मूक्स: पोस्ट प्रोडक्शन और प्रस्तुति-II	एमएमटीटीसी, पंजाबी यूनिवर्सिटी पटियाला
22	16.12.2024	श्री दलजीत अमी ने लघु अवधि पाठ्यक्रम पर एक सत्र का संचालन किया। शीर्षक: डिजिटल शिक्षा पर बहस	एमएमटीटीसी, पंजाबी यूनिवर्सिटी पटियाला
23	16.12.2024	श्री दलजीत अमी ने लघु अवधि पाठ्यक्रम में एक सत्र का संचालन किया। शीर्षक: कक्षा और	एमएमटीटीसी, पंजाबी यूनिवर्सिटी

		डिजिटल दुनिया का विकास	पटियाला
24	16.12.2024	डॉ. नवप्रीत कौर, अकादमिक समन्वयक, ईएमआरसी पटियाला ने लघु अवधि पाठ्यक्रम पर एक सत्र आयोजित किया। शीर्षक: डीटीएच विधिक: संकाय सदस्यों के लिए अवसर	एमएमटीटीसी, पंजाबी यूनिवर्सिटी पटियाला
25	30.12.2024	डॉ. तेजिंदर सिंह, निर्माता स्वयं सलाहकार समिति में विशेषज्ञ सदस्य के रूप में सम्मिलित हुए।	चौधरी बंसी लाल विश्वविद्यालय, भिवानी, हरियाणा
26	27.01.2025	डॉ. तेजिंदर सिंह, निर्माता, ईएमआरसी, पटियाला ने रिफ्रेशर कोर्स में एक सत्र का संचालन किया। शीर्षक: मूक्स व्याख्यानों की टीवी प्रस्तुति: पटकथा लेखन और वॉयस ओवर और शारीरिक भाषा की भूमिका	एमएमटीटीसी, गुरु नानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर
27	27.01.2025	डॉ. तेजिंदर सिंह, निर्माता, ईएमआरसी, पटियाला ने रिफ्रेशर कोर्स में एक सत्र का संचालन किया। शीर्षक:ऑन कैमरा प्रेजेंटेशन: मेकअप और ड्रेस कोड का महत्व	एमएमटीटीसी, गुरु नानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर।
28	30.01.2025	श्री दलजीत अमी ने रिफ्रेशर कोर्स में एक सत्र- "डिजिटल शिक्षा पर बहस" का संचालन किया।	एमएमटीटीसी, गुरु नानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर
29	30.01.2025	श्री दलजीत अमी ने रिफ्रेशर कोर्स में एक सत्र- "कक्षा और डिजिटल दुनिया का विकास" का संचालन किया।	एमएमटीटीसी, गुरु नानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर
30	06.02.2025	श्री दलजीत अमी ने एक लघु अवधि पाठ्यक्रम में एक सत्र- "एनईपी अभिविन्यास और संवेदीकरण प्रशिक्षण" में "छात्र विविधता और समावेशी शिक्षा" विषय संबंधी ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम का संचालन किया।	एमएमटीटीसी, पंजाब विश्वविद्यालय चंडीगढ़
31	11.02.2025	डॉ. तेजिंदर सिंह, निर्माता, संसाधन विशेषज्ञ के रूप में एक ऑफलाइन कार्यशाला में सम्मिलित हुए। शीर्षक: "स्वयं मूक्स: जागरूकता और कार्यान्वयन"	चौधरी बंसी लाल विश्वविद्यालय, भिवानी, हरियाणा
32	25.02.2025	श्री चंदन कुमार, निर्माता, ईएमआरसी पटियाला ने	गुरु काशी

		मूक्स योजना, तैयारी और निष्पादन पर गुरु काशी विश्वविद्यालय, तलवंडी साबो में एक कार्यशाला आयोजित की।	विश्वविद्यालय, तलवंडी साबो

उपलब्धियां / पुरस्कार

- श्री दलजीत अमी ने मार्च 20224, भाग 3, खंड 3 में 'सलाहियत' जर्नल में 'हीर एज पैट्रन सेंट ऑफ पंजाबी सिनेमा; ए केस स्टडीज ऑफ पोस्टर्स' शीर्षक से एक अकादमिक पेपर प्रकाशित किया।
- डॉ. नवप्रीत कौर ने रिसर्च जर्नल ऑफ इंडिया, 2024 में मीडिया एंड इंफॉर्मेशन लिट्रेसी इन द पोस्ट-ट्रुथ एरा: ए लिट्रेचर रिव्यू विद ए फोकस ऑन मिसइंफॉर्मेशन एंड द इंफोडेमिक शीर्षक से एक शोध पत्र प्रकाशित किया।
- डॉ. नवप्रीत कौर ने पंजाबी विश्वविद्यालय पटियाला में 27-29 नवंबर, को विज्ञान, गणित, प्रौद्योगिकी और शिक्षा-भविष्य का निर्माण और उसके प्रारूपीकरण (एसएमटीई-2024) विषय पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में वर्चुअल कक्षाओं में स्मार्टफोन छात्रों पर मनोवैज्ञानिक और शैक्षणिक प्रभावों की खोज शीर्षक से एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।
- श्री दलजीत अमी, निदेशक, ईएमआरसी को सीईसी के 16वें प्रकृति अंतर्राष्ट्रीय वृत्तचित्र फिल्म महोत्सव के लिए 'स्वच्छ भारत' श्रेणी, जूरी सदस्य के रूप में नामित किया गया।
- डॉ. कुलजिंदर कौर के साथ सह-लेखक श्री दलजीत अमी के पेपर प्रस्ताव को अंतर्राष्ट्रीय राजनीति विज्ञान संघ (आईपीएसए) द्वारा आयोजित 28वीं विश्व राजनीति विज्ञान कांग्रेस में प्रस्तुति के लिए स्वीकार किया गया। संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन (यूनेस्को) के तत्वावधान में 1949 में स्थापित आईपीएसए, दुनियाभर में राजनीति विज्ञान के विद्वानों के लिए एक प्रतिष्ठित मंच है। "संवैधानिक मूल्यों की भावना में उच्च शिक्षा का विकास और विकास: भारत संबंधी" शीर्षक वाले पेपर को "मानवाधिकार न्यायशास्त्र और दक्षिण एशियाई परिप्रेक्ष्य" पैनल में स्वीकार किया गया। यह सम्मेलन 12 से 16 जुलाई, 2025 तक सियोल, दक्षिण कोरिया में आयोजित होना है।
- श्री दलजीत अमी के पेपर प्रस्ताव "भांगड़ा: विभाजन शरणार्थी का विश्वासपात्र और राष्ट्रीय कल्पना का माध्यम" को लिस्बन, पुर्तगाल में 8 से 13 सितंबर, 2025 को आयोजित होने वाले यूरोपीय एशियाई कला और पुरातत्व संघ (ईएएए) के चौथे सम्मेलन में प्रस्तुति के लिए स्वीकार किया गया है।
- ईएमआरसी पटियाला ने मादक पदार्थों पर जागरूकता और शैक्षिक पाठ्यक्रम तैयार करने के लिए एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ) के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं, जो पंजाब में स्कूली शिक्षा का हिस्सा बनने जा रहा है।

- ईएमआरसी पटियाला को 26वें सीईसी-यूजीसी शैक्षिक फिल्म महोत्सव में सर्वश्रेष्ठ मूक्स का पुरस्कार मिला है। पुरस्कृत मूक्स मॉड्यूल का निर्माण डॉ. तेजिंदर सिंह, निर्माता, ईएमआरसी ने किया। यह "पर्यावरण प्रदूषण और मानव स्वास्थ्य" नामक मूक्स का हिस्सा है, जिसे ईएमआरसी पटियाला द्वारा स्वयं के माध्यम से विकसित और प्रस्तुत किया गया था।

विविध गतिविधियां / विवरण

क्र.सं.	दिनांक	गतिविधि का शीर्षक/विवरण	आयोजक
1	04.04.2024	*गतिशील विवाह: प्रवासन और दक्षिण एशियाई प्रवासी*; विषय पर वक्ता: डॉ. रामा श्रीनिवासन रही, जिसको समाजशास्त्र और सामाजिक नृविज्ञान विभाग के सहयोग से आयोजित किया गया।	निदेशक, ईएमआरसी; समाजशास्त्र एवं सामाजिक नृविज्ञान विभाग
2	10.04.2024	डॉ. रविंदर सिंह रवि मेमोरियल व्याख्यान में वक्ता: प्रो. इश्तियाक अहमद रहे। जिसका विषय- नागरिक पहचान की जटिलता: दक्षिण एशिया का अनुभव, था।	निदेशक, ईएमआरसी और रवि खोज स्कूल
3	06.05.2024	पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ के स्कूल ऑफ कम्युनिकेशन स्टडीज में डॉक्यूमेंट्री स्क्रीनिंग फेस्टिवल। विशेषज्ञ: प्रो. अर्चना आर. सिंह, डॉ. राजीव कुमार और श्री दलजीत अमी, थे।	संचार अध्ययन स्कूल, पंजाब विश्वविद्यालय
4	13.08.2024	रवि खोज स्कूल के सहयोग से आयोजित विशेष व्याख्यान; शीर्षक: ओलंपिक खेल: पदक और भावना के बीच का अंतर। श्री दलजीत अमी ने ऐतिहासिक और सांस्कृतिक संदर्भों पर विचार व्यक्त किए।	निदेशक, ईएमआरसी और रवि खोज स्कूल
5	13.09.2024	श्री दलजीत अमी ने शिक्षा विभाग के विद्यार्थियों के लिए एक वॉक-थ्रू मूर्तिकला कार्यक्रम का नेतृत्व किया।	निदेशक, ईएमआरसी; शिक्षा विभाग
6	19.09.2024	*100+ साल का नृत्य और संग्रह* मोहन खोखर की शताब्दी पर कार्यक्रम। प्रो. आशीष खोखर ने एक वृत्तचित्र प्रस्तुत किया। सहयोगी: समाजशास्त्र और सामाजिक नृविज्ञान विभाग, इतिहास और पंजाब ऐतिहासिक अध्ययन विभाग, और नृत्य विभाग।	निदेशक, ईएमआरसी , डॉ. नवप्रीत कौर
7	08.11.2024	श्री दलजीत अमी द्वारा देव समाज महिला कॉलेज, फिरोजपुर में विस्तार व्याख्यान (शिक्षा और साहित्य में सरोकारों का विलय) प्रस्तुत किया।	देव समाज कॉलेज फॉर वूमैन, फिरोजपुर

8	03.12.2024	*कविता और निर्वासन,* समाजशास्त्र और सामाजिक नृविज्ञान विभाग और रवि खोज स्कूल के सहयोग से अंतर्राष्ट्रीय कवियों के साथ एक संवादी सत्र का आयोजन।	निदेशक, ईएमआरसी; समाजशास्त्र एवं सामाजिक नृविज्ञान विभाग तथा रवि खोज स्कूल
9	19.02.2025	श्री दलजीत अमी ने चंडीगढ़ के देव समाज महिला कॉलेज में 'करियर विकास के लिए एक कौशल के रूप में अनुवाद' विषय पर सत्र का संचालन किया।	देव समाज कॉलेज फॉर वूमैन, चंडीगढ़ का त्रिवेणी लिटरेरी क्लब

ईएमआरसी- पांडिचेरी

संयोजक संस्थान: पांडिचेरी विश्वविद्यालय, पांडिचेरी

संक्षिप्त परिचय

पांडिचेरी विश्वविद्यालय में स्थित ईएमआरसी देश के नवीन मीडिया केंद्रों में से एक है, जिसकी स्थापना वर्ष 2012 में की गई। केंद्र वर्तमान में वीडियो निर्माण सुविधाओं से सुसज्जित अत्याधुनिक स्टूडियो के साथ अनुसंधान आधारित बहुआयामी शिक्षण-शिक्षण संसाधन निर्माण में सतत प्रदत्त करने की दिशा में कार्यरत है। ईएमआरसी पूर्व में शैक्षिक वीडियो वृत्तचित्र, एनीमेशन फिल्म, ई-व्याख्यान, दूरस्थ शिक्षा कार्यक्रम, मानव संसाधन विकास केंद्र (एचआरडीसी) कार्यक्रम निर्माण तथा पांडिचेरी विश्वविद्यालय में आयोजित महत्वपूर्ण संवर्धन व्याख्यानों के दस्तावेजीकरण में सक्रिय रूप से संलग्न रहा है।

ईएमआरसी, पांडिचेरी विश्वविद्यालय, भारत सरकार के एनईपी-2020 में रेखांकित दृष्टिकोण में योगदान देने के लिए प्रतिबद्ध है, जिसमें उच्च शिक्षा के हितधारकों को समानता और गम्यता के लिए डिजिटल शिक्षा का उपयोग करने का उद्देश्य भी समाहित है। केंद्र सक्रिय रूप से डिजिटल शिक्षा पर शिक्षा मंत्रालय की परियोजनाओं से संबद्ध है, जिसका विवरण निम्न है:

i. स्वयं प्लेटफॉर्म (swayam.gov.in) पर नवीन मूक्स पाठ्यक्रमों का निर्माण और उनकी प्रस्तुतियां।

ii. मूक्स पाठ्यक्रमों का अन्य भारतीय भाषाओं में अनुवाद परियोजना।

निर्माण विवरण

जुलाई, 2024 में निर्माण:

1. शीर्षक- फोटोजर्नलिज्म **(5 क्रेडिट)**
   पाठ्यक्रम समन्वयक: डॉ. राधिका खन्ना
   पाठ्यक्रम में पंजीकृत परीक्षार्थी: 1577
2. शीर्षक- मैरीन बॉयोटेक्नोलॉजी **(4 क्रेडिट)**
   पाठ्यक्रम समन्वयक: प्रो. वी. अरुल
   पाठ्यक्रम में पंजीकृत परीक्षार्थी: 1092
3. शीर्षक- स्टैटिस्टिकल मैथ्ड्स फॉर साइकोलॉजिकल रिसर्च-II **(नवीन, 5 क्रेडिट)**
   पाठ्यक्रम समन्वयक: प्रो. तिरुपति राव पादि
   पाठ्यक्रम में पंजीकृत परीक्षार्थी: 571

जनवरी, 2025 में मूक्स पाठ्यक्रमों का निर्माण:

1. शीर्षक- भाषा प्रौद्योगिकी का परिचय **(5 क्रेडिट)**
   पाठ्यक्रम समन्वयक: डॉ. सी. जया शंकर बाबू, हिंदी विभाग

पाठ्यक्रम में पंजीकृत परीक्षार्थी: 1518

2. शीर्षक- इंडियाज फॉरेन पॉलिसी इन ए ग्लोबलाइजिंग वर्ल्ड **(5 क्रेडिट, नवीन)**
   पाठ्यक्रम समन्वयक: प्रो. ए. सुब्रमण्यम राजू
   पाठ्यक्रम में पंजीकृत परीक्षार्थी: 1088

बजट/ वित्त

क्र. सं.	शीर्षक	राशि (रु. में)
1	8 डिग्री कार्यक्रम के तहत	13,87,750
2	क्षेत्रीय भाषा संबंधी	7,87,500
3	नवीन (स्टैटिस्टिकल मैथ्ड्स फॉर साइकोलॉजिकल रिसर्च-II)	1,20,000
4	पुन: संचालित (1) फोटोजर्नलिज्म (रु. 1,20,000) (2) मैरीन बॉयोटेक्नोलॉजी (रु. 1,20,000)	2,40,000
	कुलयोग	25,35,250

प्रशिक्षण और कार्यशाला

- प्रो. एम. शुएब मोहम्मद हनीफ, प्रभारी-निदेशक, ईएमआरसी, पांडिचेरी विश्वविद्यालय ने तकनीकी कर्मचारियों के सहयोग से 18 फरवरी, 202 को ईएमआरसी स्टूडियो में पांडिचेरी विश्वविद्यालय के शिक्षा विद्यालय के एम.एड. छात्रों और विद्वानों के लिए 'ई-सामग्री और ई-लर्निंग विकास' प्रशिक्षण और व्यावहारिक कार्यक्रम आयोजित किया।

- प्रो. एम. शुएब मोहम्मद हनीफ, प्रभारी-निदेशक, ईएमआरसी, पांडिचेरी विश्वविद्यालय ने तकनीकी कर्मचारियों के सहयोग से 25 फरवरी, 2025 को विस्तार और प्रसार गतिविधि के हिस्से के रूप में पांडिचेरी विश्वविद्यालय के सामुदायिक कॉलेज के स्नातक छात्रों में स्वयं मूक्स को बढ़ावा देने के लिए स्वयं मूक्स (वैश्वीकरण की दुनिया में भारत की विदेश नीति) पर परिचयात्मक-सत्र आयोजित किया।

- प्रो. एम. शुएब मोहम्मद हनीफ, प्रभारी-निदेशक, ईएमआरसी, पांडिचेरी विश्वविद्यालय ने 4 मार्च, 2025 को "मीडिया और मनोरंजन में सुगमता: समावेशी अनुभव का निर्माण" विषय पर सामूहिक चर्चा का आयोजित की। सामूहिक चर्चा में- सुलभता, ऑडियो विवरण, तथा नेत्रहीन और दृष्टिबाधित लोगों के सशक्तिकरण में मीडिया की भूमिका जैसे विषयों पर ध्यान केंद्रित किया गया। प्रो. केटी एलिस, कर्टिन यूनिवर्सिटी, ऑस्ट्रेलिया और श्री दानिश महाजन, संस्थापक, रेडियो उड़ान इसमें ऑनलाइन माध्यम से जुड़े रहे। श्री शंकर सुब्बैया एस, सलाहकार, सहायक प्रौद्योगिकी-आईसीटी और सुगम्यता, चैन्नई, डॉ. चिदंबरम, प्रमुख-प्रभारी, सामाजिक बहिष्कार और समावेशी नीति अध्ययन केंद्र, पांडिचेरी विश्वविद्यालय और डॉ. मनीषा अमीन, सीईओ, समावेशी

डिजाइन केंद्र, ऑस्ट्रेलिया (निदेशक, कहानियों पर नई कल्पनाएं और कार्य का भविष्य) चर्चा में ऑफलाइन माध्यम से जुड़े रहे। चर्चा में समीक्षकों ने मीडिया और विषय-वस्तु से संबंधित गम्याता पर विस्तार से विचार-विमर्श किया। कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के लगभग 80 शिक्षार्थी सम्मिलित हुए। इस चर्चा ने छात्रों और शिक्षण समुदाय के बीच समावेशी मीडिया सामग्री और कलाकृतियां निर्माण के बारे में जागरूकता फैलाने में मदद की। कार्यक्रम को इलैक्ट्रॉनिक मीडिया एवं जनसंचार विभाग, पांडिचेरी विश्वविद्यालय तथा आईसीएसएसआर, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित किया गया।

- डॉ. राधिका खन्ना, निदेशक-प्रभारी, ईएमआरसी, पांडिचेरी विश्वविद्यालय ने 30 दिसंबर, 2024 को ईएमआरसी में पांडिचेरी विश्वविद्यालय के स्नातक छात्रों के लिए स्वयं मूक्स पर एक अभिविन्यास और परिचयात्मक-सत्र आयोजित किया। इस सत्र में विभिन्न विभागों के लगभग 58 शिक्षार्थी, एक पाठ्यक्रम समन्वयक और 5 विभागाध्यक्ष सम्मिलित हुए।
- डॉ. राधिका खन्ना, निदेशक-प्रभारी, ईएमआरसी, पांडिचेरी विश्वविद्यालय ने 30 दिसंबर, 2024 को न्यू इमेजिनेशन ऑन स्टोरीज एंड द फ्यूचर वर्क विषय पर प्रो. किशलय भट्टाचार्जी, डीन, जिंदल स्कूल ऑफ जर्नलिज्म एंड कम्युनिकेशन एवं निदेशक के साथ वार्ता का आयोजन किया। इसको इलैक्ट्रॉनिक मीडिया एवं जनसंचार विभाग, पांडिचेरी के सहयोग से आयोजित किया गया।
- डॉ. राधिका खन्ना, निदेशक-प्रभारी, ईएमआरसी, पांडिचेरी विश्वविद्यालय ने स्नातक और स्नातकोत्तर छात्रों के बीच स्वयं मूक्स को बढ़ावा देने के लिए 28 नवंबर, 2024 को ईएमआरसी में अभिविन्यास कार्यक्रम का समन्वय किया। कार्यक्रम में प्रो. सुब्रमण्यम राजू, प्रोफेसर- दक्षिण एशियाई अध्ययन केंद्र, पांडिचेरी विश्वविद्यालय, स्वयं मूक्स पाठ्यक्रम समन्वयक, ने वैश्वीकरण की दुनिया में भारत की विदेश नीति पर अपने मूक्स विषय पर एक परिचयात्मक-सत्र आयोजित किया। इसमें पांच विभागाध्यक्ष और 127 से ज्यादा शिक्षार्थी सम्मिलित हुए।
- शिक्षक दिवस की पूर्व संध्या पर, 4 सितंबर, 2024 को यूजीसी-मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र (एमएमटीटीसी), पांडिचेरी विश्वविद्यालय में विश्वविद्यालय और कॉलेज शिक्षकों के लिए 11वें संकाय प्रेरण कार्यक्रम में डॉ. राधिका खन्ना, निदेशक-प्रभारी, ईएमआरसी, पांडिचेरी विश्वविद्यालय द्वारा "ई-सामग्री विकास" और "उच्च शिक्षा पाठ्यक्रमों में ई-सामग्री विकास" पर दो सत्र आयोजित किए गए। इसमे देशभर के विभिन्न शहरों से पहुंचे शिक्षकों को ई-सामग्री विकास की प्रक्रिया से परिचित कराया गया। इसमें भागीदारों को उच्च शिक्षा पाठ्यक्रमों में ई-सामग्री विकास की महत्वपूर्ण भूमिका के बारे में बताया गया। ई-सामग्री की योजना और विकास के विभिन्न पहलुओं

के प्रदर्शन और ईएमआरसी स्टूडियो में प्रश्नोत्तर सत्र के माध्यम से, शिक्षक ई-सामग्री की उत्पादन प्रक्रिया का व्यावहारिक रूप से अवलोकन, और राष्ट्रीय शिक्षा नीति- 2020 के संदर्भ में उच्च शिक्षा पाठ्यक्रमों में ई-सामग्री विकास के संबंध में अपनी जिज्ञासाओं का समाधान प्राप्त कर सकते है।

- ईएमआरसी, पांडिचेरी विश्वविद्यालय ने 12.09.2024 को यूजीसी-मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र (एमएमटीटीसी), पांडिचेरी विश्वविद्यालय में 11वें संकाय प्रेरण कार्यक्रम में आयोजित सूक्ष्म शिक्षण प्रशिक्षण सत्र के लिए अनुभवात्मक शिक्षण के लिए सहायता प्रदान की। ईएमआरसी टीम ने कार्यक्रम में 24 शिक्षकों द्वारा प्रस्तुत लघु पाठों को रिकॉर्ड किया। सूक्ष्म शिक्षण प्रक्रिया संबंधी ये वीडियो रिकॉर्डिंग प्रतिभागियों के लिए समीक्षा, चर्चा और उनके शिक्षण कौशल सुधार की सामग्री बनेगी।
- डॉ. राधिका खन्ना, निदेशक-प्रभारी, ईएमआरसी, पांडिचेरी विश्वविद्यालय ने विज़ुअल स्टोरीटेलिंग फोटोजर्नलिज्म पर कार्यशाला का समन्वयन किया, जिसका आयोजन श्री पट्टाबी रमन, स्वतंत्र फोटो पत्रकार-वृत्तचित्र फोटोग्राफर, पुडुचेरी ने किया। कार्यशाला का उद्देश्य स्नातक और स्नातकोत्तर छात्रों के बीच स्वयं मूक्स को बढ़ावा देना, जो ईएमआरसी, पांडिचेरी विश्वविद्यालय द्वारा विकसित फोटोजर्नलिज्म पर स्वयं मूक्स विस्तार और प्रसार गतिविधि के रूप में रहा। यह कार्यक्रम 29 अक्तूबर, 2024 को ईएमआरसी में हाइब्रिड मोड में आयोजित किया गया। पुडुचेरी के विभिन्न कॉलेजों के तीन मीडिया विभाग प्रमुख और 180 से अधिक शिक्षार्थी, फोटो पत्रकारिता पर स्वयं मूक्स में पंजीकृत शिक्षार्थियों के साथ व्यक्तिगत रूप से ऑनलाइन माध्यम द्वारा कार्यक्रम में जुड़े रहे।
- ईएमआरसी, पांडिचेरी विश्वविद्यालय और इलैक्ट्रॉनिक मीडिया एवं जनसंचार विभाग, पांडिचेरी विश्वविद्यालय ने संयुक्त रूप से 19 अगस्त, 2023 को विश्व फोटोग्राफी दिवस समारोह के एक भाग के रूप में दृश्य कहानी कहने की कला विषय पर इंटरैक्टिव वेबिनार आयोजित किया। फोटो जर्नलिज्म स्वयं मूक्स पाठ्यक्रम में पंजीकृत शिक्षार्थियों सहित दुनियाभर के प्रतिभागियों के सवालों के जवाब श्री गुरिंदर ओसन, फोटो संपादक, प्रेस ट्रस्ट ऑफ इंडिया (पीटीआई), नई दिल्ली ने दिए। वेबिनार का संचालन डॉ. राधिका खन्ना ने किया।
- 26-27 अगस्त, 2024 को कृष्णा विश्व विद्यापीठ, कराड, महाराष्ट्र के लिए चार क्वार्डरेंट के उपयोग से ई-सामग्री निर्माण पर एक ऑनलाइन ई-प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की गई।
- यूजीसी-एमएमटीटीसी, पांडिचेरी विश्वविद्यालय में संकाय प्रेरण कार्यक्रम प्रतिभागियों के लिए 26 अगस्त, 2024 को माइक्रो टीचिंग प्रशिक्षण सत्र आयोजित किया।

- विश्व फोटोग्राफी दिवस पर, श्री गुरिंदर ओसन, फोटो संपादक, प्रेस ट्रस्ट ऑफ इंडिया, दिल्ली और रामनाथ गोयनका उत्कृष्टता पत्रकारिता पुरस्कार- 2024 विजेता द्वारा विशेष आमंत्रित ऑनलाइन व्याख्यान 18 अगस्त, 2024 को आयोजित किया गया, जिसमें अतिथियों ने डॉ. राधिका खन्ना द्वारा प्रस्तुत स्वयं मूक्स पाठ्यक्रम- फोटो जर्नलिज्म के पंजीकृत छात्रों के साथ बातचीत की।
- डॉ. राधिका खन्ना, निदेशक-प्रभारी, ईएमएमआरसी, पांडिचेरी विश्वविद्यालय ने 13 जुलाई को, पांडिचेरी विश्वविद्यालय के यूजीसी-मानव संसाधन विकास केंद्र में विश्वविद्यालय और कॉलेज शिक्षकों के 10वें संकाय प्रेरण कार्यक्रम के लिए 'मूक्स शिक्षण में दक्षताओं का निर्माण' और 'ई-गवर्नेंस, और मिश्रित ऑनलाइन माध्यम शिक्षण' पर दो सत्र आयोजित किए गए। इन प्रशिक्षण सत्रों में मध्य प्रदेश, असम, झारखंड, इरोड, चैन्नई, पुडुचेरी, शिवकाशी और केरल सहित देश के विभिन्न हिस्सों के शिक्षक सम्मिलित हुए।
- डॉ. राधिका खन्ना ने आयोजित सत्र में प्रतिभागियों को मूक्स निर्माण प्रक्रिया, उच्च शिक्षा में मूक्स शामिल करने के महत्व, मूक्स को अधिक आकर्षक बनाने के विभिन्न तरीकों और चार-क्वार्डेंट प्रयोग के माध्यम से सामग्री निर्माण के बारे में बताया। ईएमआरसी स्टूडियो में आयोजित सत्र में मूक्स के वीडियो निर्माण का प्रदर्शन भी शामिल किया गया। इस सत्र में शिक्षकों के साथ चर्चा और संवाद में इस बात पर चर्चा की गई कि किस प्रकार शिक्षण और सीखने को छात्रों के लिए अधिक सुलभ, आकर्षक और दिलचस्प बनाया जा सकता है।
- जे.एन. मेडिकल कॉलेज, केएलई एकेडमी ऑफ हायर एजुकेशन एंड रिसर्च के शिक्षण संकाय के 'स्वयं' के लिए ई-सामग्री विकास पर 29 मई से 1 जून, 2024 तक कर्नाटक के बेलगावी में यूनिवर्सिटी डिपार्टमेंट ऑफ एजुकेशन फॉर हैल्थ प्रोफेशनल्स में चार दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई।

विविध गतिविधियां/ विवरण

- पांडिचेरी विश्वविद्यालय में ईएमआरसी ने अप्रैल, 2025 से एक नई उत्पादन श्रृंखला शुरू की है जिसका उद्देश्य छात्रों और शिक्षाविदों को उनके विषय संबंधित पुस्तकों से परिचित कराना रहा। इसे "बुक बाइट्स" नाम दिया गया है, जिसमें परिसर और आस-पास के प्रत्येक लेखक को 12-15 मिनट के लिए अपनी पुस्तक के बारे में चर्चा के लिए आमंत्रित किया गया। इसके अलावा, जिन शिक्षकों ने पुस्तकों के शीर्षक पढ़ने का काम पूरा कर लिया है, उनसे भी इन पुस्तकों पर विचार प्रस्तुत करने का अनुरोध किया गया। इसका मुख्य उद्देश्य शिक्षार्थियों में पुस्तकें पढ़ने की आदत विकसित करने में सहायता करना था।

- ईएमआरसी ने एआई पर श्रृंखला भी प्रारंभ की है और जल्द ही एआई और हेल्थकेयर पर पहला संस्करण जारी करेगी। एआई श्रृंखला में इसके विशेषज्ञ शिक्षाविद शामिल होकर नवीनतम विकास पर संक्षिप्त व्याख्यान देंगे और साथ ही उद्योग से जुड़े रुझानों के बारे में चर्चा करेंगे।

ईएमआरसी पुणे

संयोजक संस्थान: सावित्रीबाई फूले पुणे विश्वविद्यालय, पुणे

संक्षिप्त परिचय

शैक्षिक मल्टीमीडिया अनुसंधान केंद्र, सावित्रीबाई फूले पुणे विश्वविद्यालय, की स्थापना वर्ष 1983 में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा उच्च शिक्षा के लिए शैक्षिक टेलीविजन कार्यक्रम बनाने के लिए की गई थी। तत्पश्चात, जब प्रौद्योगिकी अद्यतन और परिवर्तन की आवश्यकता हुई, तो शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार ने वर्ष 2012 में एनएमई-आईसीटी परियोजना के तहत 89 स्नातक छात्रों के लिए पाठ्यक्रम आधारित ई-सामग्री कार्यक्रम विकसित करने की शुरुआत की। वर्ष 2017 में मंत्रालय ने पुन: स्कूली से उच्च शिक्षा तक सभी स्तरों के लिए वृहद् पर मैसिव ओपन ऑनलाइन (मूक्स) पाठ्यक्रम विकसित करने की एक और शुरुआत की। केंद्र को स्नातक विषयों के लिए मूक्स पाठ्यक्रम विकसित करने का कार्य मिला। केंद्र को जून, 2019 में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम विकसित करने का कार्य भी मिला। इसके तहत मंत्रालय द्वारा स्वयं पोर्टल को विकसित किया गया। 'स्टडी वेब्स ऑफ एक्टिव-लर्निंग फॉर यंग एस्पायरिंग माइंड्स' (स्वयं) एनएमई-आईसीटी के तत्वावधान में विकसित वृहत् पैमाने पर ओपन ऑनलाइन (मूक्स) पाठ्यक्रमों के संचालन के लिए स्वदेशी आईसीटी आधारित प्लेटफॉर्म है। शिक्षा मंत्रालय (एमओई), भारत सरकार की पहल- मूक्स देशभर में हाई स्कूल से लेकर उच्च शिक्षा तक औपचारिक शिक्षा प्रणाली का पूरक होने के साथ ही पाठ्यक्रम, सतत शिक्षा और कौशल पर आधारित पाठ्यक्रम प्रदत्त करता है। वर्ष 2017 से केंद्र ने अब तक लगभग 39 स्नातक मूक्स पाठ्यक्रम विकसित किए हैं। मीडिया केंद्र ने स्वयं प्रभा पोर्टल के लिए बी.ए. (फिल्म, टेलीविजन और न्यू मीडिया प्रोडक्शन) विषय के अंतर्गत 7 पाठ्यक्रम भी विकसित किए हैं।

निर्माण विवरण

मूक्स एवं स्वयं प्रभा निर्माण

78 स्वयं प्रभा मॉड्यूल

05 नवीन मूक्स

03 स्वयं प्रभा पाठ्यक्रम

मूक्स एवं स्वयं प्रभा निर्माण विवरण

मूक्स प्रस्तुत- 29

मूक्स पंजीकरण- 52186

कुल मूक्स मॉड्यूल- 257

बजट/ वित्त

वित्त वर्ष 2024-2025 के लिए अनंतिम विवरण (1-4-2024 से 31-3-2025)

बजट शीर्ष	लेखा शीर्ष	प्राप्त अनुदान (रु. में)	व्यय खर्च (रु. में)
36	वेतन & सेवानिवृति संबंधी लाभ	2,64,12,249	2,18,36,166
	कुलयोग	2,64,12,249	2,18,36,166
31	पेंशन एवं सामान्य	3,15,68,000	2,43,17,665
	कुलयोग	3,15,68,000	2,43,17,665
35	उपकरण	20,00,000	20,63,111
	कुलयोग	20,00,000	20,63,111

प्रशिक्षण और कार्यशाला

- सुश्री स्वर्दा जोशी और सुश्री अमृता देवधर 5 से 7 मार्च, 2024 तक ईएमएमआरसी- कश्मीर विश्वविद्यालय में नई मीडिया प्रौद्योगिकियों पर डिजिटल सामग्री निर्माण के तकनीकी संवर्धन की 3 दिवसीय राष्ट्रीय क्षमता निर्माण कार्यशाला में सम्मिलित हुए।
- श्री मिलिंद पाटिल 16-17 मई, 2024 को ई ईएमएमआरसी- कालीकट में आयोजित "स्वयं प्रभा-2.0" कार्यशाला में सम्मिलित हुए।
- ईएमएमआरसी- पुणे में 106वीं समन्वय समिति की बैठक 14 और 15 नवंबर, 2024 को आयोजित की गई। समस्त ईएमआरसी केंद्रों के निदेशक बैठक में सम्मिलित हुए। प्रो. जे. बी. नड्डा, निदेशक, सीईसी ने प्रो. (डॉ.) सुरेश गोसावी, कुलपति, एसपीपीयू, डॉ. रजनीश श्रीवास्तव, अपर निदेशक, सीईसी के साथ सत्र का उद्घाटन किया।
- ईएमएमआरसी, पुणे में 15 नवंबर, 2024 को प्रबंधन बोर्ड की बैठक आयोजित की गई। इसमें सम्मिलित: प्रो. (डॉ.) सुरेश गोसावी, कुलपति, एसपीपीयू, प्रो. जे. बी. नड्डा, निदेशक, सीईसी, डॉ. जितेन्द्र त्रिपाठी, संयुक्त सचिव, यूजीसी, डॉ. दीपक बी. पाठक, प्रोफेसर एमेरिटस, आईआईटी बंबई, डॉ. रजनीश श्रीवास्तव, अपर निदेशक, सीईसी, श्री सतीश अलेकर, प्रतिष्ठित प्रोफेसर, ललित कला केंद्र, प्रो. अरविंद डी. शालिग्राम प्रोफेसर एमेरिटस, एसपीपीयू, प्रो. (डॉ.) ज्योति भकारे, कार्यवाहक रजिस्ट्रार, एसपीपीयू और डॉ. माधवी रेड्डी, प्रभारी निदेशक, ईएमएमआरसी पुणे रहे।

- श्री विनोद कलगी, ग्राफिक आर्टिस्ट 4 से 6 दिसंबर, 2024 को जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय- जोधपुर में आयोजित 16वें प्रकृति अंतर्राष्ट्रीय वृत्तचित्र फिल्म महोत्सव में सम्मिलित हुए।
- मीडिया, कानून और विश्व व्यवस्था विषय पर ज्ञान कार्यशाला के लिए राष्ट्रीय यू-ट्यूब लाइव स्ट्रीमिंग और रिकॉर्डिंग को कवर किया गया, जिसे मीडिया और संचार अध्ययन विभाग, एसपीपीयू द्वारा 5 से 15 जनवरी, 2025 तक आयोजित किया गया था। इस कार्यशाला में डॉ. अरविंद राजगोपाल, न्यूयॉर्क विश्वविद्यालय संचालक के रूप में सम्मिलित हुए।

- ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के साथ-साथ विभिन्न कॉलेजों में मूक्स के लिए विभिन्न प्रशिक्षण सत्र आयोजित किए गए।

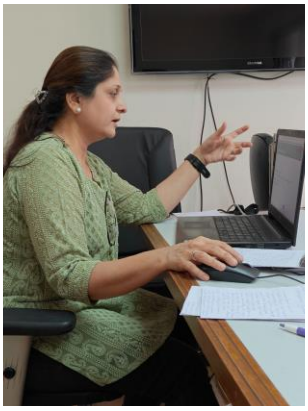

- श्री विनोद कलगी, ग्राफिक आर्टिस्ट 20 से 22 मार्च, 2025 तक लखनऊ विश्वविद्यालय के सहयोग से आयोजित सीईसी-यूजीसी शैक्षिक फिल्म महोत्सव में सम्मिलित हुए।

- मल्टीमीडिया सेटअप के प्रदर्शन के लिए कार्यशाला- जिसमें एचडी कैमरा, स्विचर, लाइट, रिकॉर्डर, माइक्रोफोन आदि को शामिल किया गया।

उपलब्धियां/सम्मान

- ईएमएमआरसी- सावित्रीबाई फूले पुणे विश्वविद्यालय द्वारा निर्मित वृत्तचित्र **'कपल फॉर द एनवायरनमेंट'** को शिलांग, मेघालय में आयोजित एक पुरस्कार समारोह में एआईसीईईसीसी द्वारा सरकारी संस्थान श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ शैक्षिक कार्यक्रम का पुरस्कार मिला। इस वृत्तचित्र को पर्यावरण जागरूकता में असाधारण योगदान के लिए मान्यता दी गई, और इसे प्रतिष्ठित पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यह फिल्म पर्यावरण संरक्षण पर केंद्रित एक जागरूकता कार्यक्रम है, जो प्रभावी रूप से प्रस्तुत करती है कि कैसे दो व्यक्ति पर्यावरण जागरूकता के लिए साथ मिलकर काम कर सकते हैं। श्री रमेश खरमाले और उनकी धर्मपत्नी श्रीमती स्वाति कई वर्षों से जल संरक्षण और वृक्षारोपण के लिए कार्य कर रहे हैं। वर्ष 2021 से, वे पहाड़ के शिखर पर जल-संरक्षण वाले जलाशय बना रहे हैं, जिससे लाखों लीटर वर्षा के जल को जमीन में रिसने में मदद मिल रही है। उनके द्वारा किए जा रहे प्रयासों को विभिन्न स्तरों पर मान्यता और इसके लिए उन्हें कई पुरस्कारों से सम्मानित किया जा चुका है।

विविध गतिविधियां / विवरण

- सावित्रीबाई फूले पुणे विश्वविद्यालय की 106वीं समन्वय समिति बैठक में सम्मिलित अतिथियों के लिए हेरिटेज पदयात्रा का आयोजित की गई, जिसमें मानव विज्ञान संग्रहालय और कार्टून कला संग्रहालय को भी शामिल किया गया।

- ईएमएमआरसी पुणे द्वारा विकसित मूक्स पाठ्यक्रमों को कई विश्वविद्यालय, कॉलेजों, टेलीग्राम चैनल और विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर पोस्टर के माध्यम से छात्रों के लिए प्रचारित-प्रसारित किया गया।
- एनपीटीईएल प्लेटफॉर्म पर आईसीएमआर-एनआईटीवीएआर के लिए मैथेमेटिकल मॉड्लिंग फॉर कंट्रोल ऑफ इंफेक्शियस डिसीज इन इंडिया (एक परिचयात्मक प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम) मॉड्यूल्स को विकसित किया गया।
- फर्ग्यूसन कॉलेज, पुणे में 15 दिसंबर, 2024 को आयोजित अंतर्राष्ट्रीय पुस्तक महोत्सव, और ईएमएमआरसी पुणे द्वारा विकसित मूक्स पाठ्यक्रमों के प्रचार कार्यक्रम में सम्मिलित हुए।
- महाराष्ट्र दिवस 1 मई, 2025 के अवसर पर महाराष्ट्र राज्य की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, ऐतिहासिक महत्व, यूनेस्को विश्व धरोहर स्थलों का अनावरण श्री सी.पी. राधाकृष्णन, माननीय राज्यपाल महोदय की उपस्थिति में ईएमएमआरसी पुणे द्वारा बनाई गई एक फिल्म के रूप में किया गया।

ईएमआरसी- रूड़की

संयोजक संस्थान: भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान परिसर, रूड़की (उत्तराखंड)

संक्षिप्त परिचय

ईएमआरसी रूड़की (औपचारिक नाम दृश्य-श्रव्य अनुसंधान केंद्र) की स्थापना जन संचार और शैक्षिक प्रौद्योगिकी के कर्मीदल की सिफारिशों के आधार पर यूजीसी, नई दिल्ली द्वारा विश्व प्रसिद्ध रूड़की विश्वविद्यालय (अब आईआईटी रूड़की) में की गई।

4 जनवरी, 2005 को यूजीसी, सीईसी और आईआईटी रूड़की के बीच हस्ताक्षरित एक त्रिपक्षीय समझौता ज्ञापन के तत्पश्चात 14 जनवरी, 2005 को यह केंद्र सीईसी, नई दिल्ली से संबद्ध किया गया।

मीडिया केंद्र का मुख्य उद्देश्य उच्च गुणवत्ता वाले शैक्षिक टीवी कार्यक्रम, मूक्स, ई-कंटेंट और एलओआर जैसे ई-लर्निंग प्रावधान विकसित और मीडिया अनुसंधान करना है।

ईएमआरसी रुड़की ने शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार की एनएमई-आईसीटी परियोजना के तहत यूजीसी मॉडल पाठ्यक्रम आधारित रसायन विज्ञान, औद्योगिक रसायन विज्ञान और संस्कृत विषयों पर 03 ई-कोर्सवेयर के साथ 16 मूक्स (06 नवीन और 10 पुनर्प्रयोजन) विकसित किए हैं। केंद्र ने मीडिया पेशेवरों के लिए विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय कार्यशालाओं और प्रशिक्षणों की सफलतापूर्वक योजना बनाई और उन्हें क्रियान्वित किया है।

ईएमआरसी रुड़की ने संस्थान व्याख्यान श्रृंखला के तहत देश और विदेश के विभिन्न हिस्सों से प्रतिष्ठित वक्ताओं द्वारा दिए गए आईआईटी रुड़की संस्थान में व्याख्यानों को भी रिकॉर्ड किया है।

निर्माण विवरण

- केंद्र ने **65 एलओआर** निर्मित किए हैं।
- स्वयं प्लेटफॉर्म पर संचालित मूक्स पाठ्यक्रमों की विस्तृत प्रस्थिति निम्न तालिका में दी गई है:

क्र. सं.	मूक्स का शीर्षक	सत्र	पंजीकृत छात्र संख्या
1.	एकेडमिक राइटिंग (पुन: संचालित)	जनवरी, 2024	12854
2.	कॉर्डिनेशन कैमिस्ट्री स्टेट्स ऑफ मैटर एंड कैमिकल काइनेटिक्स (पुन: संचालित)	जनवरी, 2024	641
3.	इंट्रोड्क्शन टू फिल्म स्टडीज (पुन: संचालित)	जनवरी, 2024	1196
4.	हिन्दी भाषा एवं संप्रेषण (नवीन)	जनवरी, 2024	1070
5.	प्रिसिंपल्स ऑफ मैक्रोइकोनॉमिक्स-I (पुन: संचालित)	जुलाई, 2024	689
6.	अंडरस्टैंडिंग हैरिजेट (पुन: संचालित)	जुलाई, 2024	621

7.	क्रिटिकल सर्वे ऑफ संस्कृत लिट्रेचर (पुनः संचालित)	जुलाई, 2024	486
8.	मैथेमैटिकल इकोनॉमिक्स (पुनः संचालित)	जुलाई, 2024	821
9.	संस्कृत कंपोजिशन एंड कम्यूनिकेशन (पुनः संचालित)	जनवरी, 2025	569
10.	कॉर्डिनेशन कैमिस्ट्री स्टेट्स ऑफ मैटर एंड कैमिकल काइनेटिक्स (पुनः संचालित)	जनवरी, 2025	669
11.	इंट्रोड्क्शन टू फिल्म स्टडीज (पुनः संचालित)	जनवरी, 2025	1184
12.	हिन्दी भाषा एवं संप्रेषण (पुनः संचालित)	जनवरी, 2025	1806
13.	एजुकेशनल एडमिनिस्ट्रेशन (नवीन)	जनवरी, 2025	788
14.	कैमिकल एनर्जेटिक्स, इक्यूलिब्रिया एवं फंक्शनल ऑर्गेनिक कैमिस्ट्री-I (पुनः संचालित)	जनवरी, 2025	389
	कुलयोग		**23,783**

विविध गतिविधियां/विवरण

- ईएमआरसी रुड़की ने स्वयं मूक्स पाठ्यक्रमों के प्रचार-प्रसार के लिए रुड़की के आस-पास के स्थानीय महाविद्यालयों, केएलडीएवीपीजी महाविद्यालय और एसएसडीपीसी कन्या महाविद्यालय में दो मूक्स जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए। जिसमें ईएमआरसी, रुड़की के दल ने कॉलेज परिसरों का दौरा किया और छात्रों और संकाय सदस्यों के साथ स्वयं मूक्स पाठ्यक्रम, नामांकन प्रक्रिया के बारे में जानकारी साझा की और पाठ्यक्रम संबंधी सामग्री भी वितरित की गई।

- ईएमआरसी रुड़की के कर्मचारी विभिन्न कार्यशालाओं और पुरस्कार समारोह-सह-फिल्म स्क्रीनिंग में सम्मिलित हुए, जैसे:
    - 27 से 29 मार्च, 2025 तक अन्ना विश्वविद्यालय, चैन्नई में "फाउंडेशनल डाटा साइंस" पर शोधकर्ताओं की बैठक आयोजित की गई। कार्यशाला का आयोजन शैक्षिक संचार संकाय (सीईसी), नई दिल्ली द्वारा ईएमआरसी, अन्ना विश्वविद्यालय, चैन्नई के सहयोग से किया गया।
    - 16वां प्रकृति अंतर्राष्ट्रीय वृत्तचित्र फिल्म महोत्सव 4 से 6 दिसंबर, 2024 तक जोधपुर में सीईसी, नई दिल्ली द्वारा ईएमआरसी, जोधपुर के सहयोग से आयोजित किया गया।

ईएमआरसी- सागर

संयोजक संस्थान: डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (म. प्र.)

संक्षिप्त परिचय

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) द्वारा देशभर में 21 शैक्षिक मल्टीमीडिया अनुसंधान केंद्र (ईएमएमआरसी), जिन्हें मीडिया केंद्र कहा जाता है, स्थापित किए हैं। ये मूलतः गुणवत्तापूर्ण शैक्षिक टीवी कार्यक्रम/ई-कंटेट और मूक्स आदि के उत्पादन कार्य करते हैं।

यूजीसी-सीईसी, नई दिल्ली से संबद्ध और सागर विश्वविद्यालय में स्थित ईएमएमआरसी सागर की स्थापना 31 जनवरी, 1994 को हुई, यह बोर्ड ऑफ मैनेजमेंट की प्रत्यक्ष देखरेख में काम करता है। इस मीडिया केंद्र का प्राथमिक उद्देश्य पूरे देश में कॉलेज और विश्वविद्यालय स्तर पर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए टीवी और मल्टीमीडिया आधारित कार्यक्रम तैयार करना है। मीडिया केंद्र 24x7 संचालित उच्च शिक्षा टीवी चैनल व्यास और स्वयंप्रभा के 32 डीटीएच टीवी चैनलों के माध्यम से ज्ञान के प्रसार के लिए टीवी कार्यक्रम निर्माण में सहयोग प्रदान कर रहा है। ईएमएमआरसी, सागर के टीवी कार्यक्रम सीईसी वेबसाइट (लिंक- https://cec.nic.in), सभी सरकारी वेबसाइट, पोर्टल और स्वयंप्रभा डीटीएच प्लेटफॉर्म (https://swayamprabha.gov.in) पर भी उपलब्ध हैं।

ये कार्यक्रम उच्च शिक्षा की गुणवत्ता को उन्नत, अद्यतन और समृद्ध करने के लिए सहायता प्रदान करते हैं। गुणवत्तापूर्ण टीवी कार्यक्रम तैयार करने के अपने मिशन को पूरा करने के लिए, ईएमएमआरसी सागर ने संयोजक संस्थान- डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर के विषय विशेषज्ञों की सर्वोत्तम विशेषज्ञता को समावेशित किया है। ईएमएमआरसी, सागर द्वारा फार्मेसी, फोरेंसिक साइंस, क्रिमिनोलॉजी, वनस्पति विज्ञान, भूविज्ञान, संस्कृत, पर्यावरण विज्ञान, समाज शास्त्र, प्रदर्शन कला, योग विज्ञान, संस्कृति, ललित कला, इतिहास, हिन्दी साहित्य, अंग्रेजी साहित्य, पत्रकारिता, कानून, संगीत, प्राणी शास्त्र, ग्रामीण विकास, लोकगीत, रसायन विज्ञान आदि के क्षेत्र में 3060 शैक्षिक टीवी कार्यक्रम तैयार किए गए हैं।

ईएमएमआरसी मूक्स पाठ्यक्रम विकास और इसके निर्माण में अग्रणी है। अब तक केंद्र ने 21 मैसिव ओपन ऑनलाइन कोर्स विकसित और शिक्षा मंत्रालय के स्वयं पोर्टल (https://swayam.gov.in) के माध्यम से 25,000 से अधिक छात्रों को मूक्स पाठ्यक्रम में पंजीकृत किया है। सीईसी द्वारा आवंटित कार्य के अलावा, केंद्र ने ग्लोबल इनिश्एटिव फॉर एकेडमिक नेटवर्क (जीआईएएन) के तहत आए विदेशी विशेषज्ञों के विभिन्न विशेष व्याख्यानों को रिकॉर्ड किया है। सभी मीडिया केंद्रों की नोडल एजेंसी- सीईसी, नई दिल्ली द्वारा ईएमएमआरसी को सौंपे मूक्स पाठ्यक्रमों का वृहत् स्तर पर अनुवाद का कार्य जारी है। मीडिया केंद्र ने चरण-I का अनुवाद कार्य पूर्ण कर और 200 से अधिक वीडियो/मॉड्यूल और ई-पाठ्य पुस्तकें प्रस्तुत की हैं।

ईएमएमआरसी क्षेत्रीय लोककला एवं संस्कृति के संरक्षण की दृष्टि से बुंदेलखंड क्षेत्र की विभिन्न प्रदर्शनकारी एवं ललित कलाओं के निर्माण में लगा हुआ है। ईएमएमआरसी ने कई मशहूर हस्तियों, वैज्ञानिकों, कवियों और कलाकारों जैसे- पं. भीमसेन जोशी, सुश्री तीजन बाई, श्री हबीब तनवीर, श्री बी.वी. करांथ, श्री रमाकांत गुंडेचा, श्री प्रभाष जोशी, श्री कैलाश सत्यार्थी, श्री केदारनाथ सिंह, श्री कुंवरनारायण, श्री अशोक बाजपेयी, श्री गोविंद नामदेव, श्री रमेशचंद्र शाह, पद्मश्री कपिल तिवारी, पद्मश्री भूरी बाई, पद्मश्री रामसहाय पांडे, पद्मश्री उमाशंकर पांडे आदि के टीवी साक्षात्कार अभिलेखीय उद्देश्य के लिए रिकॉर्ड किए है।

निर्माण विवरण

केंद्र ने पत्रकारिता, परफॉर्मिंग आर्ट, साहित्य आदि जैसे विविध विषयों में 196 शैक्षिक टीवी कार्यक्रम निर्मित और विकसित किए हैं। इसके साथ ही, केंद्र ने इस वित्त वर्ष 2024-25 में सीईसी, नई दिल्ली द्वारा सौंपे गए बी.पी.ए. (थिएटर) के तहत मॉड्यूल विकसित किए हैं।

स्वयं पोर्टल पर मैसिव ओपन ऑनलाइन पाठ्यक्रम (मूक्स) निर्मित और प्रस्तुत

मूक्स पाठ्यक्रम प्रस्तुत

शैक्षिक मल्टीमीडिया अनुसंधान केंद्र (ईएमएमआरसी) सागर ने कुल 21 मुक्त ऑनलाइन पाठ्यक्रम (मूक्स) विकसित और प्रस्तुत करके ऑनलाइन शिक्षा में महत्वपूर्ण योगदान दिया है, जिसमें स्नातक स्तर 18, स्नातकोत्तर स्तर एक और शिक्षक प्रशिक्षण के लिए एआरपीटी के तहत दो मूक्स पाठ्यक्रम विकसित किए गए हैं। इन दक्षतापूर्वक डिजायन मूक्स को शिक्षा मंत्रालय के स्वयं पोर्टल पर सफलतापूर्वक अपलोड कर व्यापक शिक्षार्थियों तक सुलभ बनाया गया है। शिक्षण अधिगम के तार्किक मूल्यांकन और सत्यापन की आवश्यकता को समझते हुए, राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) इन मूक्स पाठ्यक्रमों की परीक्षाओं को सफलतापूर्वक पूरा करने वाले छात्रों के लिए ऑनलाइन समयबद्ध अवधि परीक्षाओं का आयोजन और संचालन कर रही है।

जुलाई-दिसं., 2024 सत्र में प्रस्तुत स्नातक एवं स्नातकोत्तर मूक्स की सूची

क्र. सं.	मूक्स का शीर्षक	विषय	क्रेडिट	पंजीकृत छात्र	श्रेणी	पाठ्यक्रम समन्वयक
1.	मेटामोर्फिक पैट्रोलॉजी & थर्मोडायनामिक्स (08 जुलाई, 2024 से 31 अक्तू., 2024)	ज्योलॉजी	4	462	स्नातकोत्तर	प्रो. एच. थॉमस
2.	कैमिस्ट्री ऑफ डी-ब्लॉक एलिमेंट्स, क्वांटम कैमिस्ट्री एंड स्पेक्ट्रोस्कोपी (17 जुलाई,2024 02 नव.,2024)	कैमिस्ट्री	4	1051	स्नातक	डॉ. राहुल स्वर्णकार

जन.-जून, 2025 में प्रस्तुत स्नातक एवं स्नातकोत्तर मूक्स की सूची

क्र. सं.	मूक्स का शीर्षक	विषय	क्रेडिट	पंजीकृत छात्र	श्रेणी	पाठ्यक्रम समन्वयक
1)	फोटो ज्योलॉजी एंड रिमोट सेंसिंग (15 जन., 2025 से 15 मार्च, 2025)	ज्योलॉजी	2	306	स्नातक	प्रो. आर. के. रावत
2)	इंट्रोडक्शन टू फोरेंसिक साइंस एंड पुलिस एडमिनिस्ट्रेशन (15 जन., 2025 से 15 मार्च, 2025)	फोरेंसिक साइंस	2	979	स्नातक	प्रो. देवाशीष बोस
3)	एसथिटिक ऑफ ताल (तालों का सौन्दर्य शास्त्र) (15 जन., 2025 से 30 अप्रै.,2025)	संगीत	3	739	स्नातक	डॉ. राहुल स्वर्णकार
4)	इंडियन वोकल म्यूजिक (भारतीय कंठ संगीत) 22 जन., 2025 से 15 मार्च, 2025)	संगीत	3	914	स्नातक	डॉ. अवधेश प्रताप सिंह तोमर
5)	ऑर्गेनिक फार्मिंग प्रैक्टिसेस एंड सर्टिफिकेशन (15 जन., 2025 से 15 अप्रै., 2025)	ज्योलॉजी	2	1621	स्नातक	प्रो. श्वेता यादव

बजट/ वित्त

यूजीसी से प्राप्त अनुदान एवं व्यय का वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए विवरण

लेखा शीर्ष	जारी अनुदान (रु. में)	व्यय खर्च (रु. में)
36 वेतन मद	2,21,00,000.00	2,17,26,522.00
31 कार्यालय के अन्य व्यय	10,00,000.00	4,65,857.00
35 पूंजीगत आस्ति.	9,25,000.00	5,43,713.00

प्रशिक्षण और कार्यशाला

- 16 जून, 2024 से 29 जून, 2024 तक एमएस ऑफिस और वीडियो एडिटिंग पर छात्रों के लिए ग्रीष्मकालीन कौशल कार्यशाला/प्रशिक्षण, एमएस ऑफिस सूट में आवश्यक डिजिटल साक्षरता कौशल प्रदान करने और वीडियो एडिटिंग में प्रयोज्य महत्वपूर्ण विषयों पर केंद्रित रहा।

- निकॉन इंडिया और इंस्टा 360 के सहयोग से फोटोग्राफी- "एक्सपोजर टू एक्सीलेंस" विषय पर कार्यशाला। ईएमएमआरसी-सागर ने 22 और 23 अगस्त, 2024 को फोटोग्राफी- "एक्सपोजर टू एक्सीलेंस" विषय पर दो दिवसीय कार्यशाला का सफलतापूर्वक आयोजन किया।
- पत्रकारिता स्नातकोत्तर- चौथे वर्ष, के छात्रों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम (27-05-2024 से 15-05-2024 तक)।
- मध्य प्रदेश नाट्य विद्यालय (एमपीएसडी), भोपाल के विद्यार्थियों द्वारा ईएमएमआरसी का भ्रमण।
- "उच्च शिक्षा में शिक्षण, प्रशिक्षण और अनुसंधान" शीर्षक पर महत्वपूर्ण क्षमता निर्माण कार्यशाला का आयोजन, इसमें शामिल प्रतिभागियों को विशेष सत्र में ईएमएमआरसी द्वारा डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय के शिक्षा विभाग के स्टूडियो में भ्रमण 11 फरवरी, 2025 को कराया गया।

विविध गतिविधियां/विवरण

- ईएमआरसी कर्मचारियों ने 15 अप्रैल से 5 मई, 2024 तक लोकसभा चुनाव, 2024 में सेवाएं प्रदान की।
- श्री रूपेश कुमार उपाध्याय, अपर जिलाधिकारी, सागर ने ईएमआरसी का भ्रमण किया। इस दौरान उनके द्वारा सागर में पर्यटन की संभावनाओं की पड़ताल और शहर के पुरातात्विक पहलुओं पर केंद्रित वृत्तचित्र फिल्मों की स्क्रीनिंग में सम्मिलित हुए।
- ईएमआरसी ने समर्थ पोर्टल पर केंद्रित अनुदेशात्मक वीडियो की एक श्रृंखला का निर्माण किया।
- प्रोफेसर के.जी. सुरेश, कुलपति, माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय, भोपाल ने ईएमएमआरसी, सागर का भ्रमण किया।
- ईएमआरसी ने 21 जून, 2024 को महर्षि पतंजलि भवन में समारोह के साथ विश्व योग दिवस मनाया।
- श्री आदित्य श्रीवास्तव, प्रभारी, डीडी न्यूज ने 18 और 19 जुलाई, 2024 को ईएमआरसी का भ्रमण किया, और कर्मचारियों के साथ समाचार प्रसारण और मीडिया के क्षेत्र में नए उत्पादन विषयों पर चर्चा की।
- हर घर तिरंगा अभियान के तहत ईएमआरसी में स्वतंत्रता दिवस और ध्वजारोहण समारोह 15 अगस्त, 2024 को मनाया गया।
- ईएमआरसी ने 23 अगस्त, 2024 को संयोजक विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस समारोह को कवरेज किया, जिसका उद्देश्य अंतरिक्ष विज्ञान और प्रौद्योगिकी में जागरूकता और रुचि को बढ़ावा देना था।

- केंद्र ने शैक्षणिक सत्र जनवरी-जून, 2025 के लिए मूक्स की एक व्यापक सूची संकलित और इसे औपचारिक रूप से सीईसी, नई दिल्ली में स्वयं मूक्स के राष्ट्रीय समन्वयक को प्रस्तुत किया।
- श्री राजीव अयाची, रंगमंच कर्मी 12 से 14 सितंबर, 2024 तक केंद्र के भ्रमण पर रहे और अभिनय की मूल बातें पर ज्ञानवर्धक व्याख्यान दिया। स्वयं प्रभा चैनल पर उपयोग के लिए लगभग 30 एपिसोड रिकॉर्ड किए, जिनमें परफॉर्मिंग आर्ट्स पाठ्यक्रम के व्यापक विषयों को शामिल किया गया।
- ईएमआरसी में 16 से 30 सितंबर, 2024 तक हिंदी पखवाड़ा मनाया गया, जिसमें कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के हिंदी प्रकोष्ठ ने विविध गतिविधियों की एक श्रृंखला आयोजित की, जिसे केंद्र द्वारा कवरेज किया गया।
- केंद्र ने 1 से 30 अक्तूबर, 2024 तक डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय परिसर में महीनेभर चलने वाले स्वच्छता ही सेवा- 2024 अभियान के दौरान सक्रिय रूप से भाग लिया और स्वच्छता और सफाई को बढ़ावा दिया।
- प्रो. रजनीश श्रीवास्तव, अपर निदेशक, सीईसी ने स्वयं और स्वयं प्रभा चैनलों की मौजूदा पहलों पर स्थिति समीक्षा बैठक के लिए केंद्र का (14-10-2024) भ्रमण किया।
- ईएमआरसी-सागर ने 180 ईटीवी (शैक्षणिक टीवी) मॉड्यूल की एक महत्वपूर्ण सीरीज सफलतापूर्वक विकसित और निर्मित की, जिसकी प्रस्तुति रिपोर्ट नीति आयोग को स्वयंप्रभा 32 डीटीएच कार्यक्रम के उत्पादन के बारे में दी गई। ये मॉड्यूल विशेष रूप से चैनल नंबर-02 संस्कृति पर प्रसारण के लिए बनाए गए।
- केंद्र ने जनवरी से जून, 2025 तक के सत्र में पेश मूक्स के विस्तृत पाठ्यक्रम पृष्ठ तैयार किए हैं, जिनमें शामिल विषयों, पाठ्यक्रम समन्वयकों के नाम और संबद्धता, पाठ्यक्रम अवधि, उपयोग की मूल्यांकन पद्धतियां, नामांकन के लिए कोई पूर्वापेक्षाएं और संभावित परिचयात्मक वीडियो या शिक्षण सामग्री की रूपरेखा दी गई है।
- केंद्रीय विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस (12.01.2025) के अवसर पर ईएमआरसी, सागर ने अपने यू-ट्यूब चैनल "गौर+" का औपचारिक उद्घाटन किया, जिसमें प्रो. नीलिमा गुप्ता, कुलपति और प्रो. मार्कंडेय राय, अध्यक्ष, ग्लोबल पीस फाउंडेशन सम्मिलित हुए।
- प्रयागराज महाकुंभ- 2025 के दौरान ईएमएमआरसी, सागर ने निर्मित वृत्तचित्र और शैक्षिक फिल्मों का चयन शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास द्वारा आयोजित ज्ञान कुंभ में प्रदर्शित किया गया।
- प्रो. यतीन्द्र सिंह सिसोदिया, निदेशक, आईएसएसआर, मध्य प्रदेश ने 11 फरवरी, 2025 को केंद्र का भ्रमण किया और राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 (एनईपी-2020) पर

केंद्रित कार्यक्रम की रिकॉर्डिंग में सम्मिलित हुए। इस कार्यक्रम का शीर्षक- एनईपी-2020 में अनुसंधान के नए आयाम, था।

- वित्त समिति और वेतन निर्धारण समिति की बैठक, एमआरपी मैसूर 3-4 मार्च, 2025 को आयोजित की गई।
- प्रो. अजय कुमार और श्री अवतार साहनी, एनएसडी नई दिल्ली, डॉ. ममता धवन, थिएटर समीक्षक ने 25-26 मार्च, 2025 को ईएमआरसी का भ्रमण किया और अभिनय तकनीक, प्रकाश तकनीक और थिएटर अध्ययन जैसे विषयों पर ज्ञानवर्धक व्याख्यानों की श्रृंखला रिकॉर्ड की।
- प्रशिक्षण, कार्यशाला, आमंत्रित व्याख्यानों और बैठकों आदि में कर्मचारी सम्मिलित हुए।
- यूजीसी, नई दिल्ली द्वारा वित्त और बजट बैठकें तथा 24 अप्रैल, 2024 को सभी मीडिया केंद्रों के लिए ईएमएमआरसी बजट प्रस्तुत करने के अवसर पर डॉ. पंकज तिवारी सम्मिलित हुए।
- ईएमआरसी कर्मचारी 16 और 17 मई, 2024 को शैक्षिक मल्टीमीडिया अनुसंधान केंद्र (ईएमएमआरसी), कालीकट में स्वयं प्रभा 2.0 कार्यशाला में सम्मिलित हुए।
- ईएमएमआरसी- सागर प्रबंधन बोर्ड की 16वीं बैठक 10 जून, 2024 को डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय में प्रो. नीलिमा गुप्ता, कुलपति की अध्यक्षता में की गई।
- हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला के दूरस्थ एवं ऑनलाइन शिक्षा केंद्र में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डिजिटल शिक्षा (13-14 जून, 2024) विषय पर आयोजित कार्यशाला में कर्मचारी में सम्मिलित हुए।
- डॉ. पंकज तिवारी, निदेशक, ईएमआरसी सागर 19 जून, 2024 को यूजीसी, नई दिल्ली में यूजीसी विशेषज्ञ समिति की बैठक में सदस्य के रूप में सम्मिलित हुए।
- डॉ. तिवारी 30-31 जुलाई, 2024 को सीईसी, नई दिल्ली में प्रकृति अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव के अंतर्गत जूरी मीटिंग और स्क्रीनिंग में सम्मिलित हुए।
- डॉ. तिवारी 14 अगस्त, 2024 को मीडिया केंद्र दिशानिर्देश संशोधन के लिए यूजीसी-अध्यक्ष द्वारा गठित समिति में आधिकारिक रूप से नामित किए गए।
- डॉ. पंकज तिवारी शिक्षा मंत्रालय (एमओई) द्वारा तत्कालीन जारी स्वयं के नए दिशानिर्देशों के आलोक में स्वयं के लिए मल्टीमीडिया कार्य संबंधी यूजीसी द्वारा 23 अगस्त, 2024 को आयोजित ऑनलाइन बैठक में सम्मिलित हुए।
- ईएमआरसी पुणे में शैक्षिक संचार संकाय (सीईसी), नई दिल्ली द्वारा आयोजित 106वीं समन्वय समिति बैठक में डॉ. पंकज तिवारी 14 और 15 नवंबर, 2024 को सम्मिलित हुए।
- सीईसी के 16वें प्रकृति फिल्म महोत्सव और सीईसी-यूजीसी वीडियो प्रतियोगिता में केंद्र के प्रतिनिधि सम्मिलित हुए।

- डॉ. पंकज तिवारी, निदेशक 27 फरवरी, 2025 को एआईबीडी- कुआलालंपुर, मलेशिया द्वारा सतत प्रसारण: 5 वर्ष से वर्ष 2030 तक विषय पर क्षेत्रीय वेबिनार में सम्मिलित हुए।
- ईएमएमआरसी-सागर से संबद्ध श्री धीरज सनमोरिया द्वारा निर्मित "संचार के सिद्धांत" शीर्षक के वीडियो व्याख्यान ने राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) द्वारा आयोजित और 26-28 मार्च, 2024 तक मेघालय में आयोजित अखिल भारतीय बाल शैक्षिक ई-सामग्री प्रतियोगिता (एआईसीईईसीसी) में प्रतिष्ठित सर्वश्रेष्ठ स्क्रिप्ट लेखन पुरस्कार जीता।
- श्री माधव चंद्रा ने 15 दिसंबर, 2024 को संस्कार भारती फिल्म महोत्सव "सिने टॉक-2024" के मुंबई में आयोजित कार्यक्रम में भाग लिया।
- "फाउंडेशनल डाटा साइंस" पर 27-29 मार्च, 2025 तक तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला/सीईसी के शोधकर्ताओं की बैठक में केंद्र की अनुसंधान टीम के सदस्यों ने भाग लिया।
- यूजीसी-मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र (पूर्ववर्ती एचआरडीसी) के तहत डॉ. पंकज तिवारी, पाठ्यक्रम समन्वयक द्वारा 28 अगस्त से 03 सितंबर, 2024 तक उच्च शिक्षा और अनुसंधान में आईसीटी के अनुप्रयोग नामक लघु अवधि के पाठ्यक्रम का आयोजन किया गया।

ईएमआरसी- श्रीनगर

संयोजक संस्थान: कश्मीर विश्वविद्यालय, श्रीनगर (जम्मू और कश्मीर)

संक्षिप्त परिचय

ईएमआरसी इसके पहले तीन अक्षरों- शैक्षिक, मल्टीमीडिया और अनुसंधान कार्यों में संलग्न, साथ ही इन सबको समोविशत एवं व्यवहारिकृत बना रही है।

मीडिया केंद्र शिक्षा के डिजिटल क्षेत्र में अग्रसर हैं, शैक्षिक टीवी कार्यक्रमों, वृत्तचित्रों से लेकर डिजिटल शैक्षिक कंटेट और वृहद् स्तर पर मूक्स पाठ्यक्रम तक विविध प्रकार के कंटेट का निर्माण कार्य द्वारा काम के सार को प्रस्तुत कर रहा है।

ईएमआरसी का उद्देश्य जम्मू-कश्मीर के विभिन्न कॉलेजों में शैक्षिक प्रौद्योगिकी के प्रभाव पर शोध करना है। शिक्षा में ई-संसाधनों (उनके विकास-उपयोग) और सूचना और संचार प्रौद्योगिकी (आईसीटी) के बारे में जागरूकता संवर्धन वाले कार्यक्रम आयोजित करना है।

पिछले वर्षों में ईएमआरसी श्रीनगर ने उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल कर 21 राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त किए, जो उत्कृष्टता के प्रति केंद्र की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

केंद्र का ध्येय

क. मल्टीमीडिया समाहन के साथ पाठ्यक्रम-आधारित वीडियो व्याख्यान का निर्माण
ख. शैक्षिक टेलीविजन फिल्मों का निर्माण
ग. मूक्स पाठ्यक्रमों का निर्माण
घ. शैक्षिक मल्टीमीडिया एवं ई-कंटेंट का निर्माण
ङ. लर्निंग ऑब्जेक्ट रिपोजिटरी (एलओआर) का निर्माण
च. 'लाइफ साइंसेस' विषय पर आधारित स्वयं प्रभा- डीटीएच चैनल का संचालन
छ. शैक्षिक कार्यक्रमों की समग्र गुणवत्ता और उपयोगिता सुधारने के लिए शैक्षिक प्रौद्योगिकी के सभी क्षेत्रों में अनुसंधान का संचालन

निर्माण विवरण

वर्ष के दौरान केंद्र ने कंटेंट निर्माण पर ध्यान केंद्रित किया। यहां इसके मुख्य अंश दिए हैं:

ईटीवी के निर्मित कार्यक्रम:

मूक्स पर आधारित	-	143
डीटीएच ईटीवी कार्यक्रमों का निर्माण	-	81
वृत्तचित्र	-	01

विषय आवृत: बॉयो-रिसोर्सेस, वनस्पति विज्ञान, राजनीति विज्ञान, मनोविज्ञान, लॉ, शिक्षा शास्त्र, उर्दू।

शैक्षिक प्रभावशीलता- स्वयं

स्वयं: डिजिटल संसाधनों द्वारा शिक्षा के लोकतंत्रीकरण करने से प्रभाव परिवर्तनकारी हो रहे हैं। स्वयं पर मैसिव ओपन ऑनलाइन (मूक्स) पाठ्यक्रम से अपेक्षित परिणाम प्राप्त करना कभी इतना प्रभावशाली नहीं रहा।

यह एक आशान्वित अनुभव रहा है, जब केंद्र ने 51 से अधिक पाठ्यक्रम (19 नवीन, 32 पुनर्प्रयोज्य) विकसित किए, 03 मूक्स को संशोधित, जबकि व्यापक शिक्षार्थियों तक पहुंच और इनको लाभ पहुंचाने के लिए 02 और पाठ्यक्रमों को अद्यतन करके किया गया।

विविध विषयों पाठ्यक्रमों पर आधारित 185 क्रेडिट का कार्यपूर्ण करने का अनुभव केंद्र के लिए संतुष्टिदायक और छात्रों के लिए समृद्धकारी रहा है।

मूक्स निर्मित

क्र. सं.	शीर्षक	प्रकार	समन्वयक	क्रेडिट	मॉड्यूल	निर्माता	शुरू होने की दिनांक	पूर्ण होने की दिनांक	पंजीकृत छात्र
1.	पीस एंड कंफ्लिक्ट रेज्योल्यूशन	नवीन	डॉ. खालिद वसीम हसन	2	25	डॉ. तारिक अब्दुल्ला	01-जुलाई-2024	31-अक्तू.-2024	634
2.	पॉलिटिकल प्रोसेसेस एंड इंस्टटीट्यूशंस इन कंप्रेटिव प्रर्सपेक्टिव	नवीन	डॉ. एजाज अशरफ	5	48	श्री अकमल हानन	01-जुलाई-2024	31-अक्तू.-2024	467

क्रेडिट संसोधन

क्र. सं.	पाठ्यक्रम का शीर्षक	पाठ्यक्रम समन्वयक का नाम	क्रेडिट संख्या	परीक्षा दिनांक	छात्र
1.	क्लासिकल पॉलिटिकल फिलोशॉफी (प्लूटो-मार्क्स)	डॉ. जावेद अहमद डार	5	17.05.2025	1002

जुलाई, 2024 में प्रस्तुत मूक्स पाठ्यक्रम

क्र. सं.	शीर्षक	प्रकार	समन्वयक	क्रेडिट	मॉड्यूल	निर्माता	शुरू होने की दिनांक	पूर्ण होने की दिनांक	पंजीकृत छात्र
3.	सायकोलॉजिकल फाउंडेशन ऑफ एजुकेशन	पुन: संचालित	डॉ. आसिया मकबूल	4	48	मौ. फहीम उल इस्लाम	01-जुलाई-2024	31-अक्तू.-2024	887
4.	सायकोलॉजी ऑफ मोटिवेशन एंड लर्निंग	पुन: संचालित	डॉ. मंजूर अहमद राठर	2	20	श्री उमर मलिक	08-जुलाई-2024	31-अक्तू.-2024	711
5.	मेंटल हैल्थ एंड एडजस्टमेंट	पुन: संचालित	बिल्कीस असलम शाह	4	48	इंजी. अब्दुल राशिद	01-जुलाई-2024	31-अक्तू.-2024	1785
6.	कॉमर्शियल लॉ	पुन: संचालित	डॉ. हीना बशरात	4	48	श्री तारिक अब्दुल्ला	01-जुलाई-2024	31-अक्तू.-2024	1761
7.	बेसिक ह्यूमन जैनेटिक्स	पुन: संचालित	डॉ. मो. नियामत अली	2	25	श्री अकमल हानन	08-जुलाई-2024	31-अक्तू.-2024	1587
8.	इफैक्टिव डिसीजन मैकिंग	पुन: संचालित	डॉ. मो. मुजामिल कुमार	2	20	श्री उमर मलिक	08-जुलाई-2024	31-अक्तू.-2024	2138
9.	स्टडी ऑफ प्रोज एंड पोएटिक फॉर्म्स इन उर्दू लिट्रेचर	पुन: संचालित	डॉ. मुस्तफा हैदर	2	20	श्री शफाकत हबीब	08-जुलाई-2024	31-अक्तू.-2024	1228
10.	कंस्ट्टीट्यूशनल लॉ	पुन: संचालित	डॉ. अनीदा जान	4	48	श्री तारिक अब्दुल्ला	01-जुलाई-2024	31-अक्तू.-2024	3113
11.	मॉल्युकूलर बॉयोलोजी	पुन: संचालित	डॉ. बशीर अहमद गनाई	4	35	श्री एजाज उल हक	01-जुलाई-2024	31-अक्तू.-2024	1185
12.	हिस्ट्री ऑफ उर्दू लैंग्वेज एंड लिट्रेचर	पुन: संचालित	डॉ. शाह फैसल जान	2	20	श्री तारिक अब्दुल्ला	08-जुलाई-2024	31-अक्तू.-2024	1302

13.	साइकोलॉजी फॉर हैल्थ एंड वैल-बीइंग	पुन: संचालित	डॉ. यासिर हामिद भट	5	50	श्री तारिक अब्दुल्ला / श्री उमर मलिक	01-जुलाई-2024	31-अक्तू.-2024	855
14.	क्रिमिनल लॉ एंड क्रिमिनोलॉजी	पुन: संचालित	प्रो. एम. एम. अफजल कादरी	4	48	श्री तारिक अब्दुल्ला	01-जुलाई-2024	31-अक्तू.-2024	3469
15.	एजुकेशनल साइकोलॉजी	पुन: संचालित	डॉ. आमीना परवीन	2	26	श्री शफाकत हबीब	08-जुलाई-2024	31-अक्तू.-2024	2325
कुल पंजीकरण									**23447**

जनवरी, 2025 में प्रस्तुत मूक्स पाठ्यक्रम

क्र. सं.	पाठ्यक्रम शीर्षक	पाठ्यक्रम समन्वयक का नाम	क्रेडिट संख्या	परीक्षा की दिनांक	छात्र
2.	इंवायरमेंटल पॉल्यूशन एंड ग्लोबल इश्यू	डॉ. जाविद ए. पैरे	4	24.05.2025	2708
3.	एडमिनिस्ट्रेटिव लॉ (लॉ)	डॉ. अनीदा जान	2	24.05.2025	4151
4.	डेवलेपमेंट ऑफ एजुकेशन इन इंडिया	डॉ. आसिया मकबूल	4	18.05.2025	2510
5.	प्लांट फिजियोलॉजी	डॉ. मो. आरिफ जरगार	4	24.05.2025	1114
6.	क्लासिकल जेनर्स ऑफ उर्दू पोएट्री	डॉ. कौसर रसूल	2	24.05.2025	331
7.	डिजायन एंड एनालिसिस ऑफ एल्गोरिथम	डॉ. फहीम सैय्यद मसूदी	4	18.05.2025	1464
8.	इंब्रायोलॉजी ऑफ एंजियोस्पर्म्स	डॉ. खुर्शीद अहमद गनाई	2	17.05.2025	716
9.	एंथ्रोपोलॉजी ह्यूमन जैनेटिक्स	डॉ. मंजूर ए. मीर	4	18.05.2025	1468
10.	इंजाइमोलॉजी	डॉ. बशीर अहमद गनाई	4	25.05.2025	747
11.	इंडियन गवर्मेंट एंड पॉलिटिक्स	डॉ. एजाज अशरफ वानी	4	24.05.2025	1264
12.	मॉर्डन पॉलिटिकल फिलोशॉफी	डॉ. हिमाबिंदू एम.	5	18.05.2025	562
13.	डेवलपमेंट एडमिनिस्ट्रेशन	डॉ. खालिद वसीम हसन	5	18.05.2025	715
14.	कॉम्प्लेक्स इकोसिस्टम डायनामिक्स	डॉ. सैय्यद मकबूर गिलानी	2	17.05.2025	429

स्वयंप्रभा

स्वयंप्रभा के अंतर्गत केंद्र का चैनल स्पंदन-09- जीवन विज्ञान, 15 अगस्त, 2016 को शुरू होने के बाद से ही सुचारू रूप से संचालित और दर्शकों को ज्ञान प्रदत्त कर रहा है। इस चैनल में वनस्पति विज्ञान, प्राणि विज्ञान, जीवन विज्ञान, जैव सूचना विज्ञान, जैव रसायन, सूक्ष्म जीव विज्ञान और जैव-चिकित्सा विज्ञान जैसे विषयों पर आधारित कार्यक्रम प्रसारित किए जाते हैं।

वर्तमान में, चैनल 24x7, 8 घंटे के कार्यक्रम प्रसारण के साथ और सीखने में आसानी और समय की पसंद सुनिश्चित करने के लिए कार्यक्रमों को तीन बार प्रसारित किया जाता है।

डीटीएच चैनल डिश टीवी और डीडी फ्री डिश (डीटीएच) के अलावा अन्य डीटीएच पर भी उपलब्ध है।

इसके कार्यक्रमों की समय-सारणी को ऑनलाइन भी निम्न लिंक पर देखा जा सकता है: http://www.swayamprabha.gov.in/index.php/program/current/9

उपलब्ध कंटेंट की प्रस्थिति

चैनल नं.	चैनल समन्वयक का नाम	केंद्र द्वारा निर्मित कंटेंट	अन्य केंद्रों से प्राप्त कंटेंट	सीईसी, नई दिल्ली से प्राप्त कंटेंट
09	डॉ. सलीमा जान	बॉटेनी- 344 ईटीवी बॉयोमेडिकल साइंस- 374 ईटीवी, जूलॉजी- 40 ईटीवी बॉयोरिसोर्सेस- 160 ईटीवी	ईएमएमआरसी कोलकाता माइक्रोबॉयोलॉजी- 321 ईटीवी, ईएमएमआरसी अहमदाबाद निर्मित लाइफ साइंस- 84 ईटीवी, जूलॉजी- 100 ईटीवी क्षेत्रीय कार्यक्रम- 5 नवीन ईएमएमआरसी कोलकाता बॉटेनी- 40 ईटीवी	जूलॉजी 209 ईटीवी, इनरिचमेंट कार्यक्रम: जूलॉजी 50, बॉयोइंफोमेटिक्स 164 ईटीवी, बॉयोकैमिस्ट्री 13 ईटीवी लाइफ साइंस: 226 कार्यक्रम बॉयोकैमिस्ट्री: 240 कार्यक्रम

कुल उपलब्ध कंटेंट: 1902 ईटीवी
कुल घंटे: 1240 अनुमानित

बजट/ वित्त

आय और व्यय का विवरण (मूक्स) 01- जनवरी-2024 से 31-दिसंबर-2024			
	ईएमआरसी, कश्मीर विश्व., मूक्स		**ईएमआरसी, कश्मीर विश्व., मूक्स**
विवरण	1-जन.-2024 से 31-दिसं.-2024	**विवरण**	1-जन.-2024 से 31-दिसं.-2024
मूक्स प्रस्तुत	12,70,000.00 रु.	**01.01.2024 को प्रारंभिक शेष**	**35,94,829.60 रु.**
मूक्स का निर्माण	52,16,911.60 रु.	**अप्रत्यक्ष आय (अर्जित ब्याज)**	2,30,261.00 रु.
		सीईसी से प्राप्त अनुदान	1,16,71,647.00 रु.
31-12-2024 को जमा शेष	**90,09,826.00 रु.**		
कुलयोग	**1,54,96,737.60 रु.**	**कुलयोग**	**1,54,96,737.60**

ईएमएमआरसी डीटीएच स्वयं प्रभा **आय और व्यय विवरण** 1-जन.-2024 से 31-दिसं.-2024			
विवरण	**राशि (रु. में)**	**विवरण**	**राशि (रु. में)**
सामान्य सहायता अनुदान	2,07,322.00	**01.01.2024 को प्रारंभिक शेष**	**33,83,602.00**
वेतन सहायता अनुदान	3,92,981.00	**अप्रत्यक्ष आय (अर्जित ब्याज**	86,598.00
नवीन कंटेंट निर्माण	3,63,441.00	**सीईसी से डीटीएच के लिए प्राप्त अनुदान**	0.00
31.12.2024 को जमा शेष	**25,06,456.00**		
कुलयोग	**34,70,200.00**	**कुलयोग**	**34,70,200.00**

अनंतिम उपयोग और व्यय का विवरण			**01-04-2024 से 31-12-2024 अवधि के लिए**		
शीर्ष: 36					
शीर्ष	***01.04.2024 को अव्ययित शेष (रु. में)**	**उक्त अवधि में प्राप्त अनुदान (रु. में)**	**खर्च के लिए उपलब्ध अनुदान (रु. में)**	****उक्त अवधि में व्यय खर्च (रु. में)**	*****उक्त अवधि में अतिरिक्त शेष (रु. में)**
सामान्य	25,97,377	2,91,70,000	3,17,67,377	2,88,56,041	29,11,336

* 1.04.2024 तक 36 शीर्ष के अंतर्गत उपरोक्त अव्ययित शेष राशि, जिसे पीएफएमएस के माध्यम से केंद्र के बैंक खाते में स्थानांतरित किया था, अप्रैल 2024 में भुगतान किए जाने वाले मार्च, 2023 माह के वेतन देनदारी के लिए अप्रैल, 2024 माह में वितरित किया।

** 36 शीर्ष के अंतर्गत उपरोक्त व्यय में कर्मचारियों को दिया वेतन, डीए बकाया, सीईए, प्रक्रियाधीन बिल शामिल हैं, यह लेखापरीक्षा के अधीन है।

*** 2024, जुलाई से डीए बकाया, सीईए 2024-25 और अन्य वेतन व्यय को पूरा करने के लिए अप्रयुक्त शेष राशि की आवश्यकता है, जो विश्वविद्यालय में प्रक्रियाधीन है।

अनंतिम उपयोग और व्यय का विवरण			01-04-2024 से 31-12-2024 अवधि के लिए		
शीर्ष: 31					
शीर्ष	**01.04.2024 को अव्ययित शेष (रु. में)**	**उक्त अवधि में प्राप्त अनुदान (रु. में)**	**खर्च के लिए उपलब्ध अनुदान (रु. में)**	*** उक्त अवधि में व्यय खर्च (रु. में)**	**** उक्त अवधि में अतिरिक्त शेष (रु. में)**
सामान्य 3 (क), (ख) & (ग) 3 (i), (ii) & (iii) 31	3,466	59,63,000	59,66,466	52,49,251	7,17,215
* 31 शीर्ष के अंतर्गत उपरोक्त व्यय में वास्तविक भुगतान की गई पेंशन, प्रक्रियाधीन बिल शामिल हैं, तथा **यह लेखापरीक्षा के अधीन** है। ** उपरोक्त अव्ययित शेष राशि प्रक्रियाधीन, अन्य प्रतिबद्ध व्यय के लिए आवश्यक है।					

प्रशिक्षण और कार्यशाला

कश्मीर विश्वविद्यालय- ईएमआरसी में, निरंतर सीखना हमारे ध्येय में है। अपने पुराने कौशल को निखारने और नवीन सीखने के लिए, केंद्र अपने कर्मचारियों को प्रशिक्षण, कार्यशालाओं और सेमिनारों की एक श्रृंखला आयोजित करके पर्याप्त अवसर प्रदान करता है।

इस वर्ष, हमने प्रतिबद्धापूर्वक तैयार किए प्रशिक्षण कार्यक्रम, कार्यशाला और सेमिनारों की श्रृंखला के माध्यम से कौशल संवर्धन और डिजिटल नवाचार को बढ़ावा दिया है। इन पहलों ने न केवल केंद्र की टीम की विशेषज्ञता को निखारा, बल्कि डिजिटल शिक्षा के केंद्र के रूप में केंद्र की भूमिका को भी मजबूत किया।

- नई मीडिया प्रौद्योगिकियों पर राष्ट्रीय क्षमता निर्माण कार्यशाला (5 से 7 मार्च**,** 2024) में लगातार विकसित हो रहे डिजिटल परिदृश्य के साथ तालमेल बनाते हुए**,** ईएमआरसी ने नई मीडिया प्रौद्योगिकियों पर 3 दिवसीय राष्ट्रीय क्षमता निर्माण कार्यशाला का आयोजन किया, जिसका उद्देश्य डिजिटल सामग्री समन्वयकों की तकनीकी क्षमता को बढ़ाना रहा।
- **मूक्स/डिजिटल सामग्री विकास पर संकाय अभिविन्यास (18-19 जुलाई, 2024)** कश्मीर केंद्रीय विश्वविद्यालय (सीयूके) के सहयोग से, ईएमआरसी ने मूक्स और डिजिटल सामग्री विकास पर दो दिवसीय संकाय अभिविन्यास कार्यक्रम आयोजित किया, जिसमें सीयूके के 80 संकाय सदस्यों को प्रभावशाली ऑनलाइन पाठ्यक्रम बनाने के कौशल से संवर्द्धित किया गया।
- **मूक्स पाठ्यक्रम समन्वयक बैठक (30 मई, 2024)** जुलाई-दिसंबर 2024 सत्र में सीईसी के माध्यम से 15 मूक्स प्रस्तुत किए जाने के साथ, ईएमआरसी ने उनके प्रभावी कार्यान्वयन की रणनीति बनाने के लिए मूक्स पाठ्यक्रम समन्वयकों की उच्च स्तरीय बैठक आयोजित की। डॉ. सलीमा जान, निदेशक, ईएमआरसी ने उच्च गुणवत्ता वाले डिजिटल शिक्षण संसाधन विकसित करने के लिए समन्वयकों की निरंतर प्रतिबद्धता की सराहना, तथा शिक्षा को अधिक सतत, समावेशी और परिवर्तनकारी बनाने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया।

- **स्वयं सदृढ़ीकरण: लोकल चैप्टर बैठक (5 जुलाई, 2024)** प्रौद्योगिकी-संचालित शिक्षा की बढ़ती प्रासंगिकता को पहचानते हुए, कश्मीर विश्वविद्यालय ने स्वयं के लिए लोकल चैप्टर की स्थापना की। डॉ. सलीमा जान के नेतृत्व में समिति ने स्वयं पाठ्यक्रमों की गम्यता और नामांकन बढ़ाने के लिए बैठक की।

विविध गतिविधियां/विवरण

शिक्षा में तकनीकी समावेशी के लिए, शैक्षिक मल्टीमीडिया अनुसंधान केंद्र (ईएमआरसी), श्रीनगर और छात्र परामर्श और मार्गदर्शन प्रकोष्ठ, जनसंपर्क केंद्र (पीआरसी), कश्मीर विश्वविद्यालय ने जम्मू और कश्मीर के दूरदराज के क्षेत्रों में प्रौद्योगिकी जागरूकता और कैरियर परामर्श कार्यक्रम आयोजित किए।

'करियर चुनाव' योजना की इस पहल का उद्देश्य पारंपरिक कक्षाओं से बाहर जाकर शैक्षिक संचार संकाय (सीईसी), नई दिल्ली स्थित विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) और इसके मीडिया केंद्रों के माध्यम से शिक्षा मंत्रालय की पहलों के बारे में जानकारी प्रदान करना रहा।

निम्नलिखित कॉलेज में आयोजन:

- गवर्मेंट डिग्री कॉलेज, तंगधार (अक्तूबर 10)
- गवर्मेंट डिग्री कॉलेज, वूमैन, कुपवाड़ा (नवंबर 6)
- गवर्मेंट डिग्री कॉलेज, लारनू, अनंतनाग (अक्तूबर 23)
- गवर्मेंट डिग्री कॉलेज, काजीगुंड (अक्तूबर 24)
- गवर्मेंट डिग्री कॉलेज, बिजबेहारा (अक्तूबर 29)
- गवर्मेंट डिग्री कॉलेज, बांदिपोरा (नवंबर 5)
- गवर्मेंट डिग्री कॉलेज, वूमैन, बारामूला (नवंबर 12)
- गवर्मेंट डिग्री कॉलेज, हंदवाड़ा (नवंबर 26)
- गवर्मेंट डिग्री कॉलेज, उरी (नवंबर 27)
- गवर्मेंट डिग्री कॉलेज, चरार-ए-शरीफ (नवंबर 20)

ईएमएमआरसी, श्रीनगर के प्रबंधन बोर्ड (बीओएम) की 12वीं बैठक 30 सितंबर, 2024 को कश्मीर विश्वविद्यालय के कुलपति सचिवालय में आयोजित की गई।

ध्यानार्थ: उपरोक्त संकलित रिपोर्ट उन्हीं ईएमआरसी के बारे में हैं जिन्होंने निविष्ट प्रदत्त किया है।

cec.nic.in तक पहुंचने के लिए कोड को स्कैन करें।

शैक्षिक संचार संकाय

आईयूएसी परिसर, अरुणा आसफ अली मार्ग, नई दिल्ली- 110067

https://cec.nic.in info.cec@nic.in

+91-11-24126418/19